ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

रमेश जारकीहोली ने लोकसभा चुनाव के बाद गारंटी सरकार के पतन का दिया संकेत @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 15 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-105

भाजपा ने जारी किया घोषणा-पत्र, नाम दिया संकल्प-पत्र

एक देश एक कानून का संकल्प

- भाजपा की गारंटी : मोदी की गारंटी पूरी होने की गारंटी
- भाजपा की प्राथमिकता : गरीब, युवा, किसान और महिला
- भाजपा का लक्ष्य : घुसपैठियों से देश को खाली करना है
- भाजपा का फैसला : गरीबों का मुफ्त राशन जारी रहेगा

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज सुबह लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया। भाजपा ने इसे संकल्प-पत्र कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में पार्टी मुख्यालय में भाजपा का घोषणा-पत्र जारी किया गया। घोषणा-पत्र से यह स्पष्ट है कि देश की विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भाजपा का अगला लक्ष्य समान नागरिकता कानून लाना और अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालना है। ये दोनों मसले देश की अनिवार्यता हैं, जिसे भाजपा ने अपने संकल्प में शामिल किया है। भाजपा का घोषणा-पत्र केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 27 वरिष्ठ नेताओं की समिति ने तैयार किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस समिति की संयोजक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा-पत्र जारी करते हुए कहा, भाजपा ने घोषणा-पत्र की शुचिता और पारदर्शिता को फिर स्थापित किया है। यह संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब और किसान को सशक्त करता है। हमारा फोकस नौकरी पर है। घोषणा-पत्र जारी किए जाने के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को लेकर आगे बढ़ रही है। भाजपा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प ले रही है। लोकसभा चुनाव-2024 के संकल्प पत्र के विमोचन के दौरान पीएम ने इन चार वर्गों से एक-एक व्यक्ति को ये संकल्प पत्र सौंपा।

पीएम मोदी ने कहा कि एक व्यक्ति एक व्यक्ति आज भरोसे का पर्याय बन चुका है। क्योंकि मोदी की गारंटी पूरी होने की गारंटी है। आने वाले 5 साल भी सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के होंगे, यह मोदी की गारंटी है।

भाजपाई संकल्प-पत्र के महत्वपूर्ण बिंदु

- समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी।
- सीमापार घुसपैठ पर कारगर तरीके से नकेल कसेगी।
- मुफ्त राशन की योजना आने वाले पांच साल तक जारी रहेगी।
- हर महीने मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।
- पर्यावरण अनुकूल शहरों का विकास किया जाएगा।
- तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का वादा।
- महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) को सर्विस क्षेत्र से जोड़ा जाएगा।
- कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा।
- पेपर लीक नियंत्रण के लिए कानून लागू किया जाएगा।
- 70 साल से ज्यादा के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान योजना में लाया जाएगा।
- सब्जी उत्पादन और स्टोरेज के लिए नए क्लस्टर बनाए जाएंगे।
- 80 करोड़ परिवारों को पांच और साल मुफ्त राशन देना जारी रहेगा।
- आयुष्मान योजना के दायरे में ट्रांसजेंडर भी होंगे।
- हर घर नल से जल योजना का विस्तार किया जाएगा।
- सरकार की उज्ज्वला योजना जारी रहेगी।
- राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन की समीक्षा होगी।
- एमएसपी में बढ़ोतरी जारी रहेगी।
- हर गरीब को पक्का घर देने की योजना जारी रहेगी।
- स्वनिधि योजना का गांवों तक विस्तार होगा।
- सभी को स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा।
- मछुआरों के लिए बीमा योजना लागू होगी।
- वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार होगा। वंदे भारत स्लीपर, वंदे भारत चेयरकार और वंदे भारत मेट्रो ट्रेन चलेंगी।
- मुद्रा योजना के तहत 20 लाख रुपए के ऋण दिए जाएंगे।
- पाइप से सस्ती रसोई गैस घर-घर पहुंचाने के लिए तेजी से काम किया जाएगा।

होशंगाबाद की जनसभा में कांग्रेस पर जमकर बरसे मोदी

शाही परिवार का शहजादा जादूगर भी है

भोपाल, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी को जादूगर बताया और कहा कि सबसे अधिक समय पर कांग्रेस ने देश पर राज किया लेकिन गरीबी नहीं हटी, अब जादूगर कौन सा जादू लाए हैं जिससे एक झटके में गरीबी हटा देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि इनकी पूरी राजनीति देश के भोले-भाले लोगों को ऐसे ही झांसा देकर सत्ता हासिल करने की रही है। प्रधानमंत्री मोदी नर्मदापुरम लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह के समर्थन में पिपरिया में आयोजित सभा में बोल रहे थे। मां नर्मदा के जयघोष से भाषण की शुरुआत करने के बाद मोदी ने इंडी गठबंधन, कांग्रेस, राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कांग्रेस पर बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। एक झटके में गरीबी दूर करने वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को शहजादा और जादूगर भी कहा। पीएम ने इंडी गठबंधन और उसमें शामिल दलों के घोषणा-पत्रों को खतरनाक बताया और कहा कि इनसे संभल कर रहना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, जब मध्य प्रदेश ने पूरे देश को चौंका दिया था और होशंगाबाद ने तो कमाल कर दिया था। यहां से जो लहर उठी थी, वह लहर पूरे देश में फैल चुकी है। आज देश के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है, फिर एक बार मोदी सरकार।

कांग्रेस-राज में गरीबी नहीं हटी, अब जादू से हटाएंगे

इंडी गठबंधन अत्यंत खतरनाक, संभल कर रहना है

आज संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर की जन्म जयंती है। उनकी जन्मस्थली महू यहां से ज्यादा दूर नहीं है। महू में उनका घर हो या देश-विदेश में वे जहां भी रहे, उन स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का सौभाग्य भाजपा सरकार को मिला है।

संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर को जो सम्मान कांग्रेस ने कभी नहीं दिया, वह सम्मान करने का सौभाग्य हमें मिला है। कांग्रेस जैसी पार्टियों ने हमेशा बाबा साहेब को अपमानित करने का ही काम किया है।

बाबा साहेब ने जो संविधान बनाया है, उसके कारण ही आज गरीब मां का ये बेटा नरेंद्र मोदी आपसे तीसरी बार सेवा करने का आशीर्वाद मांग रहा है। ये बाबा साहेब का संविधान है, जिसके कारण आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी परिवार की बेटी हैं। जिस समाज को सबसे अंत में पूछा गया, जिसको वंचित रखा गया, उस समाज की बेटी आज देश की राष्ट्रपति के रूप में पहली नागरिक है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सुरक्षा की पुख्ता तैयारी

पूर्वी लद्दाख के लिए बनेगी सेना की नई डिवीजन

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्वी लद्दाख में तैनाती के लिए एक नई सेना डिवीजन बनाने की लंबे समय से रुकी योजना इस साल लागू होने जा रही है। यह योजना जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र के लिए बदलावों की एक श्रृंखला का हिस्सा होगी। सेना उत्तरी कमान के तहत पूर्वी लद्दाख में संभावित तैनाती के लिए 72 डिवीजन को बढ़ाने पर विचार कर रही है, जिसे मूल रूप से पानागढ़ (पश्चिम बंगाल) स्थित 17 माउंटेन स्ट्राइक कोर (एमएससी) के तहत काम करना था। एक डिवीजन में लगभग 14,000 से 15,000 सैनिक होते हैं। हालांकि, अतिरिक्त मैनपावर भर्ती करने के बजाय, अन्य संरचनाओं से नए डिवीजन में तैनाती के लिए मौजूदा कर्मियों को पुनर्गठित करने की संभावना है।

स्ट्राइक कोर सीमा पार आक्रामक कार्रवाई के लिए जिम्मेदार है। वर्तमान में सेना के पास चार स्ट्राइक कोर हैं, मथुरा स्थित 1 कोर, अंबाला स्थित 2 कोर, भोपाल स्थित 21 कोर और पानागढ़ में 17 एमएससी। वर्ष 2021 तक 17 एमएससी केवल चीन सीमा पर केंद्रित था और अन्य तीन का फोकस पाकिस्तान पर था।

लेकिन चीन के साथ 2020 में शुरू हुए सैन्य गतिरोध की पृष्ठभूमि में चीन के सामने वाले पहाड़ों के लिए दो स्ट्राइक कोर रखने के लिए 2021 में एक पुनर्गठन किया गया था।चीन के खतरों से निपटने के लिए उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 1 कोर और 17 कोर का पुनर्गठन किया गया।

हमास के समर्थन में ईरान भी युद्ध में कूद पड़ा

इजराइल ने नाकाम किया ईरान का ड्रोन हमला

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। हमास का लगातार समर्थन कर रहा ईरान अब इज़राइल के खिलाफ खुद युद्ध में कूद पड़ा है। ईरान ने इज़राइल पर ड्रोन और मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमला किया, लेकिन ईरान के सारे ड्रोन तबाह कर दिए गए। अमेरिका ने इज़राइल का साथ दिया। इसके साथ ब्रिटेन समेत कई पश्चिमी देशों ने इज़राइल का साथ देने की घोषणा की है। भारत ने युद्ध पर अपनी नीति कायम रखते हुए दोनों देशों से युद्ध की तरफ बढ़ने से रुकने की अपील की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इज़राइल और ईरान के बीच दुश्मनी बढ़ने को लेकर गंभीर तौर पर चिंतित हैं। इससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा पर खतरा पैदा होता है। हम इस संघर्ष से पीछे हटने और दोनों देशों से अपने कदमों को रोकने के साथ बातचीत करने की अपील करते हैं। यह जरूरी है कि क्षेत्र में सुरक्षा और स्थायित्व कायम रहे।

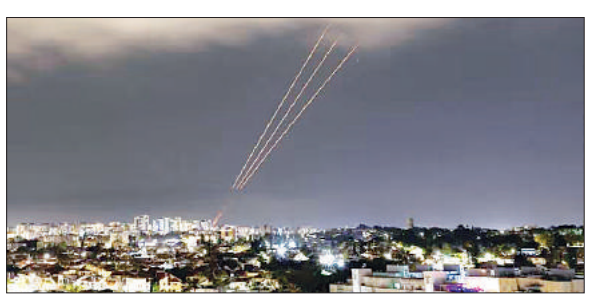

भारत ने युद्ध रोकने और वार्ता करने की अपील की

ईरान के इज़राइल पर ड्रोन्स और मिसाइल हमले के बाद लड़ाई का एक और मोर्चा खुलने की आशंका पैदा हो गई है। पहले ही वैश्विक तनाव से जूझ रही दुनिया में इस घटना ने मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। यही वजह है कि दुनियाभर से ईरान के हमले को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वहीं ईरान ने धमकी दी है कि अगर इज़राइल उकसावे की कार्रवाई जारी रखता है तो इसके गंभीर अंजाम होंगे। ईरान के हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आज आपात बैठक बुलाई गई है। इज़राइल ने इसकी मांग की थी और इज़राइल ने साथ ही सुरक्षा परिषद से ये भी मांग की है कि परिषद ईरान के हमले की कड़ी निंदा करे और ईरान की सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड को एक आतंकी संगठन घोषित करे। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से मुलाकात कर हालात पर चर्चा की। ईरान के ड्रोन्स और मिसाइलों ने इज़राइल पर हमला किया है, जिसमें इज़राइल के एक सैन्य बेस को नुकसान पहुंचने की खबर है।

मुंबई आ रहे इज़राइली जहाज को ईरान ने अगवा किया

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरानी नौसेना के कमांडो ने मुंबई आ रहे एक इज़राइली जहाज को अगवा कर लिया है। जहाज पर 17 भारतीय भी हैं। यूएई से चले इस जहाज के बोर्ड पर 17 भारतीय नागरिक मौजूद थे। अगवा किए गए जहाज का नाम एमएससी एरीज है जो मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट के लिए आ रहा था। जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहा था, उसी समय हेलीकॉप्टर से उतरे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडो ने जहाज पर कब्जा कर लिया और उसे अगवा कर ले गए।

जिसने जेल में सरबजीत को मारा, वह मारा गया

लाहौर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की हत्या करने वाले अंडरवर्ल्ड डॉन अमीर सरफराज की लाहौर में हत्या कर दी गई। लाहौर में अज्ञात लोगों ने उसे गोलियों से भून डाला। वारदात को उस वक्त अंजाम दिया गया, जब वह अपनी कार से कहीं जा रहा था। सरफराज ने ही भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की कोट लखपत जेल में हत्या कर दी थी। उसने आईएसआई के इशारे पर सरबजीत को मारा था।

भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की मौत 2 मई 2013 को हुई थी। साल 1991 में पाकिस्तान की कोर्ट ने सरबजीत सिंह को लाहौर और फैसलाबाद में हुए चार बम धमाकों के आरोप में सजा सुनाई थी। इन धमाकों में करीब 10 लोगों की मौत हुई थी। मार्च 2006 में पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने सरबजीत की दया याचिका खारिज करते हुए उन्हें सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा था।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में बोले अमित शाह

हम पूरे देश में यूसीसी लागू करेंगे

राजनांदगांव, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में आतंकवादी सीमा पार करते थे। मोदी ने दुश्मनों के घर में घुसकर उनका सफाया कराया। उन्होंने लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने और और पीएम नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आग्रह किया।

अमित शाह ने कहा कि हम पूरे देश में यूसीसी लागू करेंगे। पूरे देश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक समय पर कराएंगे। पानी की तरह नल से गैस कनेक्शन भी देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खैरागढ़ जिले के राजा फतेह सिंह मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा कि कश्मीर हम सबके लिए है। राजनांदगांव के युवक कश्मीर के लिए सीमा पर गोली खाने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस 75 साल से राम मंदिर की मूर्ति को लटका के रखे था। मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में भगवान राम का मंदिर बनवाया। इस रामनवमी पर भगवान राम अपने मंदिर में बर्थडे मनाएंगे।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि गंगाजल लेकर कसम खाई थी कि शराबबंदी करेंगे लेकिन भूपेश बघेल ने राज्य में शराब की नदियां बहा दी। शाह ने कहा कि देश में दस साल तक सोनिया मनमोहन की सरकार रही लेकिन कुछ नहीं किया। हमने धान खरीदी की सीमा बढ़ाई, हमने 3 महीने में मोदी सरकार की कई गारंटी को पूरी की।

मोदी सरकार ने संकल्प के साथ घोषणा-पत्र का पालन किया

2014 और 2019 में किए अधिकांश वादे पूरे किए

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया है। भाजपा के घोषणा-पत्र का नाम संकल्प पत्र है। पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने अपने ज्यादातर प्रमुख वैचारिक वादों को पूरा किया। इसमें अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 निरस्त करना शामिल है।

भाजपा के वर्ष 2014 चुनाव में जारी घोषणा-पत्र में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, समान नागरिक संहिता लागू करना, कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 निरस्त करने पर आम सहमति बनाने, संसदीय और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम, वितरण, चिकित्सा शिक्षा और वित्तपोषण करने, सरकारी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करने, ग्रामीण भारत में जीवन में सुधार लाने, लड़कियों को बचाने और उन्हें शिक्षित करने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान शुरू करने, विदेशों में रखे गए काले धन को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू करने, काला धन टास्क फोर्स का गठन करने, किसानों की आय दोगुनी करने और स्वरोजगार के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने जैसे वादे शामिल थे। सत्ता में आने के बाद भाजपा ने वर्ष 2014 में किए गए वादों को पूरा करने के लिए बिंदुवार काम किए। राम मंदिर निर्माण को लेकर कानूनी प्रयास तेज हुए। सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय पैनल के जरिए मध्यस्थता का भी आदेश दिया। महिलाओं के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना 2015 में शुरू की गई। स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत लॉन्च किया गया। काले धन की रोकथाम के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया। रोजगार के लिए स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसी वित्तीय योजनाएं शुरू की गईं। डिजिटलीकरण के क्षेत्र में नागरिकों को सक्षम करने के लिए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम शुरू किया गया। ग्रामीण जीवन में सुधार के लिए उज्ज्वला योजना के तहत लगभग 7 करोड़ परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन मिले।

राम मंदिर, 370, तीन तलाक, महिला आरक्षण, सीएए, उज्ज्वला, आयुष्मान जैसे कई अन्य वादे पर खरे उतरे मोदी

कार्टून कॉर्नर

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 26^0

मतदान पर्व-अपना गर्व कार्यक्रम आयोजित

जीतो महिला विंग का मतदान के प्रति जागरूकता का प्रयास सराहनीय: महेन्द्र मुणोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु के अंतर्गत जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा मतदान पर्व-अपना गर्व कार्यक्रम जीतो कार्यालय राजाजीनगर में अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता समाज सेवी महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत आत्म विकास की संस्कृति है।

सबको बचपन से धार्मिक - सामाजिक संस्कार मिले है। घर-परिवार-समाज-राष्ट्र नारी सशक्तिकरण से प्रगति के पायदान पर चढ़ता है। नारी को वैदिक युग में देवी का दर्जा प्राप्त है। उसकी स्थिति से समाज और देश के सांस्कृतिक और बौद्धिक स्तर का पता चलता है। विषय पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मतदान करना हर नागरिक का परम कर्तव्य है। यह हमारे सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक है। इससे सरकार में अपनी बात कहने और अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों को चुनने का एक तरीका है। महेंद्र ने आह्वान करते हुए कहा कि अगर हम वोट नहीं देते हैं, तो प्रभावी रूप से हम खुद को चुप करा रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि जीतो महिला विंग का मतदान के प्रति जागरूकता का यह प्रयास सराहनीय है। यह एक ऐसा अभियान है जिससे हम स्वर्णिम इतिहास रच सकते है। कहते हैं जिस अभियान में नारी खड़ी-जीत वहाँ अवश्य होती बड़ी। पूर्व कॉर्पोरेटर कविता जैन ने कहा कि मतदान करने में कोई भी नारी पीछे ना रहे। वह अपने परिवार के साथ मत देने के लिए मतदान केंद्र पहुंचे। उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों को इस अभियान को चलाने हेतु जागरूक किया। उन्होंने कहा पहले मतदान फिर जलपान की नीति अपनाएं। ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान कर सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। मुख्य वक्ता एवं अतिथि का परिचय एवं संयुक्त संचालन संयोजिका सुमन सिंघवी एवं सह-संयोजिका जिग्ना कपासी ने किया। कार्यसमिति सदस्य मीना बडेरा, सूर्यकला सियाल, संगीता नागोरी, सारिका, जयंती, खुशबू, अंजू, पिंकी, लेखा गांधी, कविता सिंघवी, रेशमी मेहता का सहयोग रहा। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। कार्यसमिति सदस्य साधना धोका ने धन्यवाद दिया।

चुनाव शुद्धिकरण अभियान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में अणुव्रत समिति बेंगलूरु द्वारा चुनाव शुद्धिकरण अभियान का प्रचार प्रसार आचार्य तुलसी मार्ग गांधीनगर में किया गया।

आगामी 26 अप्रैल को पहले चरण का लोकसभा चुनाव है। समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी के नेतृत्व में एक विशेष बैठक बुलाई गई एवं कॉलेज के विद्यार्थी, ऑटो रिक्शा चालक, यात्रियों समेत अन्य मतदाताओं की सुविधा के लिए चुनाव शुद्धिकरण अभियान अंग्रेजी, हिंदी एवं कन्नड़ में करने का निर्णय लिया गया।

तत्पश्चात आचार्य तुलसी मार्ग गांधीनगर, जहां पर यात्रियों का विशेष पदार्पण होता है, में कार्य का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष ने अभियान के तहत सभी से अच्छे चरित्र, व्यवहार प्रमाणिक, सेवाभावी कार्यकर्ता, नशा मुक्त, राष्ट्र एवं सार्वजनिक जनता के हित की सेवा करने वालों के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया। सहमंत्री प्रवीण बोहरा, संगठन मंत्री निर्मल पोकरणा, कविता जैन ने कन्नड़ भाषा में प्रचार प्रसार में सहयोग किया। निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, प्रचार प्रसार मंत्री रमेश दक ने अंग्रेजी भाषा में सेवा प्रदान की। अध्यक्ष के साथ रूपचंद देसरला एवं मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने हिंदी में प्रचार प्रसार में सहयोग प्रदान करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर की बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश गन्ना की अध्यक्षता में पंचम कार्यकारिणी की बैठक रविवार को तेरापंथ भवन राजाजीनगर में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया।

विजय गीत का संगान भिक्षु श्रद्धा स्वर समूह के द्वारा किया गया। सुनील मेहता ने चतुर्थ कार्यकारिणी बैठक कार्यसूची का वाचन किया।

तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत करते हुए अभातेयुप द्वारा निर्देशित सभी आयामों को सफलतापूर्वक संपादित करने के लिए परिषद् के सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। आगे भी इसी तरह धर्म संघ की सेवा में सभी कार्य को निष्ठा पूर्वक करते रहने का आह्वान किया। मंत्री कमलेश चौरडिया ने आगामी महीनों में निर्धारित कार्यो के बारे में जानकारी दी। साथ ही इन कार्यक्रमों को सदन में पारित कराते हुए संयोजक की नियुक्ति की गई। तेयुप उपाध्यक्ष प्रथम राजेश देरासरिया ने एटीडीसी में नवीन मशीनरी के उद्घाटन एवं कैंप के बारे में जानकारी प्रदान की। तेयुप से परामर्शक प्रवीण नाहर, प्रबुद्ध विचारक सतीश पोरवाड़ एवं रनित कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर तेयुप राजाजीनगर प्रबंध मंडल एवं कार्यकारिणी सदस्य की उपस्थिति रही। मंच संचालन कमलेश चौरडिया ने किया। आभार जयंतीलाल गांधी ने व्यक्त किया।

मंच संचालन करने की कला से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय मंच पर संचालन करने की कला के प्रशिक्षण कार्यशाला का रविवार को जीतो कार्यालय चामराजपेट में समापन किया गया। जिसके अंतर्गत 32 सदस्यों को मंच पर संचालन की कला सिखाई गई।

जीतो साउथ विंग अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने महिला विंग द्वारा संचालित इस कार्यशाला पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में, मंच संचालन हेतु, इस कार्यशाला का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

जीतो महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए आने वाले समय में अपनी मंच संचालन की कला का उपयोग करते हुए उसे समय समय पर प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया। जीतो एपेक्स यूथ विंग बेलगावी वाइस चेयरपर्सन रजत हार्डी एवं जीतो बेंगलूरु पूर्व यूथ विंग चेयरपर्सन अक्षय मेहता ने कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया।

उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट करते हुए इस पांच दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रहकर मंच संचालन के अनेक प्रकारों को सीखने एवं भविष्य में अपने इस गुर को प्रकट करने हेतु शुभकामनाएं प्रदान की। जीतो महिला विंग महामंत्री मोनिका पिरगल ने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए उनके मनोबल को बढाया। परियोजना संयोजिका निधि पार्लेचा एवं सहसंयोजिक प्रिया गांधी ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। संयोजिका निधि पार्लेचा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आर्ट ऑफ होस्टिंग फेकल्टी हितेश गिरिया एवं नेहा चौधरी द्वारा प्रतिभागियों को पांच दिनों में अलग अलग कार्यक्रमों में मंच संचालन की शिक्षा दी गई। सम्पूर्ण पांच दिनों में आई कांटेक्ट, मनोरंजन, बॉडी लैंग्वेज, आत्मविश्वास, माइक हैंडलिंग, वाइस मॉड्यूलेशन, कार्यक्रम का शुभारंभ एवं समापन, श्रोताओं को अपनी ओर बांधे रखना, इन्वॉल्वमेंट, फ्लेक्सिबिलिटी, ऑब्जर्वर, ह्यूमर, हंबल, टीम वर्क आदि विषयों पर ट्रेनिंग दी गई। सम्पूर्ण प्रतिभागियों को 6 टीमों में विभाजित किया गया। अंतिम दिन पैनल चर्चा के माध्यम से सभी टीमों ने अलग अलग विषयों पर मंच संचालन प्रस्तुत किया। दोनों प्रशिक्षकों का मोमेंटो द्वारा बहुमान किया गया। सभी प्रतिभागियों को अंत में प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जीतो महिला विंग उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा, सहमंत्री नीलम ललवानी एवं संगीता पारख तथा मैनेजिंग कमेटी सदस्य साक्षी जैन, रेखा जैन, नंदा मेहता, अस्मिता चौहान, बिंदु मेहता, लता बोहरा, प्रतिमा जैन, पुष्पा गुलेछा, सपना चोपड़ा, नीतू जैन, रेशमा बडोला, संगीता मालानी और दीपमाला जैन उपस्थित रहे।

वर्षितप के पारणा के चढ़ावे बोले गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आदिनाथ जैन श्वे. मू. संघ चिकपेट में सामूहिक वर्षितप के पारणा एवं तपो वंदना का कार्यक्रम चिकपेट संघ के सोहन हॉल में आचार्य श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के शिष्य रत्न मुनिराज श्री बोधिप्रभविजयजी एवं साध्वीवर्या श्री अरिहंतप्रभा श्रीजी की निश्रा में जारी है। इसी बीच वर्षितप पारणा के चढ़ावे बोले गए। चिकपेट संघ के अध्यक्ष गौतम चंद सोलंकी ने सभी का अभिवादन किया और वर्षितप के तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए उनको धन्यवाद दिया। गुरु भगवंतों का आभार प्रकट किया। संगीत सम्राट विपिन पोरवाल ने संगीत की सुरावली से भक्ति का समाँ बाँधा। श्री संघ के सभी पदाधिकारी एवं ट्रस्टीगण उपस्थित थे।

मूर्तिकार अरुण योगीराज 17 को परिवार के साथ अयोध्या में रामनवमी मनाएंगे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राम लला की मूर्ति के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने रविवार को कहा कि वह 17 अप्रैल को अयोध्या में अपने परिवार के साथ राम नवमी उत्सव मनाएंगे। 22 जनवरी के बाद, मैं कभी भी अयोध्या नहीं गया। 15 अप्रैल को, मैं अपने परिवार को अयोध्या ले जा रहा हूं। मेरे परिवार ने राम लला के दर्शन नहीं किए हैं। मैं अपने परिवार के साथ 17 अप्रैल को राम लला के साथ राम नवमी मनाऊंगा। अरुण योगीराज ने आगे कहा कि उनका परिवार बहुत खुश है और उन्होंने अयोध्या दौरे की तैयारी शुरू कर दी है। वे नए कपड़े खरीद रहे हैं, वे बहुत खुश हैं। मैं भी भगवान राम के दर्शन करना चाहता हूं, देखना चाहता हूं कि उनमें कितना बदलाव आया है क्योंकि वहां मेरे कुछ दोस्त हैं, वे मुझे रोज फोन करते हैं। इसलिए मैं जाना चाहता हूं और गवाह बनना चाहता हूं। रामलला जो भी कपड़े पहनते हैं वे बहुत सुंदर लगते हैं। मूर्तिकार ने यह भी बताया कि वह अपने दोस्तों के जरिए रामलला से जुड़े हुए हैं। मैं हर दिन राम लला से जुड़ा रहता हूं। अयोध्या में मेरे दोस्त हैं, इसलिए मैंने उनसे हर दिन उनकी एक तस्वीर भेजने के लिए कहा है। मुझे बहुत खुशी है कि भगवान श्री राम ने मुझे चुना है। अरुण योगीराज ने मूर्ति निर्माण के प्रति अपने बलिदान को भी याद किया। उन्होंने कहा मेरी पत्नी बहुत सहायक है। मेरे दो बच्चे हैं। वे बहुत कम उम्र में हैं। जब मेरे बेटे ने पहला कदम रखा तो मैं वहां नहीं था। मैंने इसे एक वीडियो कॉल में देखा। मेरी मां मेरे वजन को लेकर बहुत चिंतित थी, क्योंकि मेरा वजन कम हो गया था। मेरे परिवार ने अभी तक भगवान श्री राम के साक्षात दर्शन नहीं किए हैं, क्योंकि सात महीनों में मैंने उन्हें कभी आमंत्रित नहीं किया क्योंकि मैं परेशान हो जाता हूं। वे राम लला के दर्शन करना चाहते हैं। लेकिन मैं टालता रहा। इसलिए इस बार मैं उन्हें ले जाऊंगा। अगर मैं उनके बिना अयोध्या गया तो वे निश्चित रूप से मुझ पर गुस्सा होंगे। राम लला की मूर्ति को तराशने वाले मूर्तिकार योगीराज ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लिया था।

भाजपा सरकार ने कभी कोई वादा पूरा नहीं किया, भविष्य में भी ऐसा नहीं करेंगे: सिद्धरामैया

600 वादे किए थे और केवल 60 वादे पूरे किए

मदिकेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को कहा कि भाजपा ने पहले कभी अपने वादे पूरे नहीं किए और भविष्य में भी अपने वादे पूरे नहीं करेगी। मदिकेरी में गोल्फ ग्राउंड हेलीपैड पर अपने आगमन पर पत्रकारों से बात करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक में 2018 विधानसभा चुनावों के दौरान, भाजपा ने 600 वादे किए थे और केवल 60 वादे पूरे किए। भाजपा के संकल्प पत्र, जिसमें सस्ते एलपीजी सिलेंडर, युवाशक्ति, नारीशक्ति का वादा किया गया था, उसे पूरा नहीं किया गया। अतीत में किए गए वादों पर चर्चा करने की जरूरत है। क्या बैंक खातों में 15 लाख रुपये जमा करने, दो करोड़ रोजगार पैदा करने, किसानों की आय दोगुनी करने, मेक इन इंडिया, अच्छे दिन जैसे वादे इतने वर्षों में पूरे हुए? क्या आवश्यक वस्तुओं की कीमतें कम हुईं? उन्होंने भाजपा के घोषणापत्र पर आगे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उन्होंने अभी तक इसे नहीं पढ़ा है और इसे पढ़ने के बाद प्रतिक्रिया देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को देशवासियों को बताना चाहिए कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में क्या किया है। पिछले 10 वर्षों की उपलब्धियों पर आत्ममंथन करने की जरूरत है। देश में रोजगार पैदा होने के बजाय बेरोजगारी दर बढ़ी है। गारंटी योजनाओं पर एचडी कुमारस्वामी के बयान पर कड़ा प्रहार करते हुए सिद्धरामैया ने कहा यह महिलाओं के प्रति उनकी मानसिकता को दर्शाता है। क्या यह बोलने का तरीका है? कुमारस्वामी दो बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। क्या लोग उन्हें इस तरह के बयान के लिए स्वीकार करेंगे। श्रीनिवास प्रसाद से मिलने जाने के सवाल पर सिद्धरामैया ने कहा हम दोनों राजनीति में समकालीन हैं। वह मेरे लंबे समय के दोस्त हैं। उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया है और वह किसी भी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं करेंगे। मैं उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ करने के लिए उनसे मिला था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के इस दावे पर कि कांग्रेस बिजली बिल, शराब की कीमत, बस किराया और स्टांप ड्यूटी बढ़ाकर गारंटी योजनाएं लागू कर रही है, सीएम ने कहा कि क्या विजयेंद्र को पता है कि इससे राज्य को कितना राजस्व मिल रहा है। राज्य को गारंटी योजनाओं के लिए प्रति वर्ष 56,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होती है। ज्ञातव्य है कि एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए दावा किया था कि वह 10 साल तक झूठ बोलते रहे और लोगों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने आश्चर्य जताया कि मोदी वोट मांगने के लिए मैसूरु कैसे आ रहे हैं। मोदी जानते हैं कि अगर वह झूठ बोलते हैं, तब भी लोग मोदी, मोदी चिल्लाते हैं इसलिए उन्होंने अपना झूठ बढ़ा दिया है।

कांग्रेस पार्टी ने अपने वादों को गारंटी पर लागू किया

सीएम ने शनिवार को मैसूरु-कोडागु और चामराजनगर निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए कांग्रेस रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। सिद्धरामैया ने मोदी और भाजपा के झूठ और झूठे वादों की श्रृंखला को दोहराया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के बैंक खाते में 15 लाख रुपये जमा करने, विदेशों में जमा काले धन को वापस लाने, किसानों की आय दोगुनी करने, पेट्रोल, डीजल की कीमतें कम करने के भव्य वादे शामिल थे। इसके अलावा सालाना 2 करोड़ नौकरियां पैदा करना और डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में वृद्धि सुनिश्चित करना भी उसी का हिस्सा था। उन्होंने कहा मोदी का कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ और उन्होंने लोगों को मूर्ख बनाया। वह अब बेशर्मी से मोदी की गारंटी बेच रहे हैं। सिद्धरामैया ने मतदाताओं से पूछा, आप मोदी को वोट कैसे दे सकते हैं, भले ही वह आपको मूर्ख बना रहे हों और अपने सभी वादे भूल रहे हों? क्या आप और भी अधिक मूर्ख बनना चाहते हो? मुख्यमंत्री ने मैसूरु में कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया और बताया कि न तो मोदी शासन और न ही भाजपा शासन ने कुछ किया और अपने चुनावी वादों को पूरी तरह से भूल गए, जबकि यह कांग्रेस पार्टी है जिसने अपने वादों को गारंटी पर लागू किया और अपने वादों को पूरा किया।

रमेश जारकीहोली ने लोकसभा चुनाव के बाद गारंटी सरकार के पतन का दिया संकेत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली ने यह कहकर राज्य की कांग्रेस सरकार के पतन की चेतावनी दी है कि लोकसभा चुनाव के बाद डबल इंजन की सरकार आएगी, जिस पर राजनीतिक रूप से काफी चर्चा हो रही है।

गैर-भाजपा दल शुरू से ही भाजपा पर विधायकों को खरीदने और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को गिराने का आरोप लगाते रहे हैं। कर्नाटक में, कांग्रेस पार्टी की ताकत 138 है, जिसमें 135 अपने विधायक और तीन गैर-पार्टी सदस्य शामिल हैं। कांग्रेस नेता लगातार आलोचना करते रहे हैं कि बहुमत के लिए सामान्य विधायकों से अधिक संख्या वाली सरकार को गिराना अलोकतांत्रिक कृत्य होगा। इसके अलावा राज्य सरकार के पतन को लेकर भी लगातार चर्चाएं हो रही हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार, जिन्होंने हाल ही में बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार डी.के.सुरेश की ओर से प्रचार किया था, ने कहा था कि राज्य सरकार अगले 5 वर्षों के लिए सेवा के लिए उपलब्ध हैं। दिल्ली के नेता आकर आपका काम नहीं करेंगे। उन्होंने यह कहकर कांग्रेस पार्टी को वोट देने का दबाव बनाया कि हमें आपका काम खुद करना चाहिए। इसी बीच भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं रहेगी। भाजपा नेता यह कहकर कांग्रेसियों को जवाब दे रहे हैं कि केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार आएगी। भले ही बीजेपी केंद्र में सत्ता में वापस आ जाए, लेकिन जिन राज्यों में गैर-बीजेपी प्रशासन है, वहां ऑपरेशन कमल तेज हो जाएगा। चर्चा चल रही है कि कांग्रेस विधायकों को अपने पाले में कर बीजेपी की सरकार बनेगी। फिलहाल कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश समेत सिर्फ तीन राज्यों में सत्ता में है। वहीं कांग्रेस तमिलनाडु और झारखंड सहित कुछ राज्यों में गठबंधन सरकार में भागीदार पार्टी है। बीजेपी इससे पहले कथित तौर पर ऑपरेशन कमल के जरिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक समेत कई राज्यों में मजबूत सरकारें गिरा चुकी है। यदि यह जारी रहता है और सत्ता में वापस आता है, तो उसी प्रकार का ऑपरेशन हो सकता है। अंदरखाने डर है कि गैर-बीजेपी सरकारें गिर सकती हैं। इसके अलावा बीजेपी नेता डबल इंजन सरकार का प्रस्ताव देकर ऑपरेशन कमल को और महिमामंडित कर रहे हैं। विशेष रूप से, रमेश जारकीहोली, जिन्होंने 2019 में कर्नाटक में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार को गिरा दिया था, ने डबल इंजन सरकार का प्रस्ताव दिया है।

दक्षिण कन्नड़, उडुपी के कुछ हिस्सों में भारी बारिश दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तटीय जिलों के अधिकांश हिस्सों में शनिवार को बारिश हुई। मेंगलूरु शहर में सुबह बूंदाबांदी हुई। बेल्टांगडी, कन्याडी, सवानालु, उजिरे, मुंडाजे, गेरुकट्टे, निडले, बंगाड़ी, बंडारू, मैरोल्टाडका, कोक्कडा, मद्यनथारू, पुत्तूर, उप्पिनंगडी, इलनथिला और सुब्रमण्य में अच्छी बारिश दर्ज की गई।

इसके अलावा उडुपी, बजागोली, माला और होस्मारू जिले में गरज और बिजली के साथ भारी मात्रा में बारिश हुई। शनिवार की शाम को हेब्री में भी भारी बारिश हुई।

कोटेश्वर, कलावारा, बिदकल कट्टे, मोलाहल्ली, हलाडी, गोलियांगडी और मदमक्की में भी अच्छी बारिश हुई। उडुपी शहर और मणिपाल में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। सिद्दापुरा, होसंगाडी, येदामोगे, हल्लीहोल, अजरी, अम्पारू, शंकरनारायण, हलादी, गोलियांगडी, बेल्वे, हेंगावल्ली और अमासेबैलु इलाकों में भारी बारिश हुई। सुब्रमण्य, बिलिनेले, नेट्टाना, कोम्बारू और आसपास के इलाकों में आधे घंटे तक बारिश हुई। कदबा के कुछ हिस्सों में भी बारिश हुई। बारिश के कारण बेल्टांगडी में सड़क कीचड़ से भर गई थी क्योंकि एनएच चौड़ीकरण कार्य के लिए खोदी गई मिट्टी को सड़क के किनारे ढेर कर दिया गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग चार किमी क्षेत्र खोदा हुआ है, और सड़क फिसलन भरी होने के कारण मोटर चालकों को अपने वाहनों को नियंत्रित करने में कठिनाई हो रही थी।

दपरे यात्रियों को पानी उपलब्ध कराने के लिए कर रहा विभिन्न उपाय

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण पश्चिम रेलवे तीन मंडलों के सभी स्टेशनों पर यात्रियों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी गर्मी के मौसम और संभावित लू की आशंका में, एसडब्ल्यूआर ने रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की उपलब्धता की समीक्षा की है और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी मंडलों पर कार्रवाई की गई है।

इस प्रकार यात्रियों को स्थापित मानदंडों के अनुरूप स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सभी प्रयास किये जा रहे हैं। संभावित चिलचिलाती गर्मी के महीनों के दौरान अपने प्रयासों को और मजबूत करने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। उन उपायो में सुनिश्चित किया जा रहा है कि यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए सभी मौजूदा वॉटर कूलर कार्यशील रहें, मौजूदा आपूर्ति की पूर्ति के लिए महत्वपूर्ण स्टेशनों पर पानी के टैंकर तैनात किए गए, सभी स्टेशनों (हॉल्ट स्टेशनों सहित) पर मटका (मिट्टी के पानी के बर्तन) उपलब्ध कराए जा रहे हैं, गैर सरकारी संगठनों और स्काउट्स एवं स्वयं सहायता समूह के सहयोग से विशेषकर सामान्य श्रेणी के डिब्बों के निकट ठंडे पेयजल का वितरण किया जा रहा है। सभी प्लेटफार्मों पर पानी की उपलब्धता की पुष्टि करने के लिए स्टेशनों पर नियमित जांच करने की योजना बनाई गई है। स्टेशनों पर सभी खानपान इकाइयों और पेंट्री कार, ट्रेन साइड वेंडिंग जैसी मोबाइल इकाइयों को पीने के पानी का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इस प्रकार दक्षिण पश्चिम रेलवे सभी यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन सक्रिय उपायों का उद्देश्य पूरे गर्मी के मौसम में स्टेशनों पर स्वच्छ पेयजल की आसान पहुंच की गारंटी देना है।

लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का मामला

भाजपा के पूर्व विधायक संजय पाटिल के आवास पर महिला कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेलगावी लोकसभा चुनाव मैदान में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक बातें करने वाले पूर्व भाजपा विधायक संजय पाटिल के आवास का शनिवार देर रात महिला कार्यकर्ताओं ने घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बेलगावी के हिंडालगा में आयोजित भाजपा सम्मेलन में पार्टी नेताओं की मौजूदगी में बोलते हुए संजय पाटिल ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक बातें कहीं थी। यह नारी समाज का अपमान है।

महिला कार्यकर्ताओं ने आक्रोश जताते हुए कहा कि संजय पाटिल पहले भी तीन-चार बार इसी तरह के अपमानजनक बयान देकर महिलाओं का अपमान कर चुके हैं। देर रात तक संजय पाटिल के घर के सामने विरोध प्रदर्शन करने वाली महिलाओं ने कहा कि संजय पाटिल को घर से बाहर आना चाहिए और हमारे सवालों का जवाब देना चाहिए। मंत्री का अपमान करने के लिए संजय पाटिल को माफी मांगनी चाहिए। पुलिस से मांग की गई कि पूर्व विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। इस मौके पर महिलाओं ने संजय पाटिल के चित्र पर साड़ी, कंगन और फूल चढ़ाकर आक्रोश व्यक्त किया। महिलाओं के विरोध का वीडियो बना रहे संजय पाटिल के दोस्त को प्रदर्शनकारी महिलाओं ने थप्पड़ मार दिया। बेलगावी के डीसीपी रोहन जगदीश मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाया।

ओक्कालिगा मठ का अपना इतिहास और विरासत: डीवी सदानंद गौड़ा

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व केंद्रीय मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए धार्मिक केंद्रों का इस्तेमाल करने वालों को देशद्रोही कहकर हमला बोला है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चाहे ओक्कालिगा मठ हो या कोई अन्य धार्मिक केंद्र, ये समाज सेवा के केंद्र हैं। ऐसे में क्या राजनीति के लिए बोलना सही है।

किसी भी मठ की अनावश्यक आलोचना करना और उसे राजनीति में घसीटना किसी के लिए भी उचित नहीं है। ओक्कालिगा मठ का अपना इतिहास और विरासत है। उन्होंने कहा कि किसी को भी उस मठ का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। श्री बालगंगाधरनाथ स्वामीजी, जो पिछले स्वामीजी थे, केवल ओक्कलिगा तक ही सीमित नहीं थे बल्कि पूरे समुदाय का नेतृत्व करते थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्वामी भी उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। जब मैंने आदिचुंचनगिरी मठ का दौरा किया, तो मुझे आखिरी समय पर आने का निर्देश दिया गया। मैं इसलिए चुप हूं कि बेकार की बातें न करूं। मठों और मठाधीशों के प्रति समाज अपना सम्मान रखता है। उन्होंने कहा कि इसे बचाना जरूरी है। दुख की बात है कि पिछले 4 दिनों से ओक्कालिगा और ओक्कालिगा मठ को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है। श्री आदिचुंचनगिरी मठ शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी गतिविधियों में लगा हुआ है। एक सामुदायिक व्यक्ति के रूप में मैं असहमत हूं। दक्षिण कर्नाटक के लगभग 10 जिलों में अपने आत्मसम्मान के साथ रह रहे हैं। इस समुदाय के लोग प्रधानमंत्री और मंत्री बने हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी राजनेता केम्पेगौड़ा का नाम लिए बिना राजनीति नहीं करता है।

पूर्व भाजपा विधायक संजय पाटिल का मेरे खिलाफ बयान पूरे नारी कुल का अपमान: लक्ष्मी हेब्बालकर

बोलते समय अपनी जीभ पर नियंत्रण रखना चाहिए

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने चेतावनी दी है कि भाजपा नेताओं को सार्वजनिक बैठकों में बोलते समय अपनी जीभ पर नियंत्रण रखना चाहिए। पूर्व भाजपा विधायक संजय पाटिल का मेरे खिलाफ बयान पूरे नारी कुल का अपमान है। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती के मौके पर बेलगावी में अंबेडकर के पुतले पर माला चढ़ाने के बाद मीडिया से बात की। जब संजय पाटिल ने मेरे खिलाफ बोला तो मंच पर मौजूद वरिष्ठ नेता इसे रोक सकते थे। मैं राज्य की महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती हूं। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ बीजेपी ने संजय पाटिल के जरिए बयान दिलवाया था। मंत्री ने कहा यह मेरा अपमान नहीं, बल्कि संपूर्ण नारी कुल का अपमान है। यह

पूरे समाज का अपमान है। इससे महिलाओं के स्वाभिमान पर असर पड़ा है। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि उनके बयान का खंडन करने के लिए पूरे राज्य की महिलाओं को बुलाया जाएगा। पूरा समाज मेरे साथ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पूरे नेता मेरे साथ हैं। भाजपा महिला विकास और सशक्तिकरण की विरोधी है। यही कारण है कि वे जहां भी जाते हैं, हमारी सरकार की पांच गारंटी योजनाओं के बारे में दुष्प्रचार कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी बहुत वरिष्ठ हैं, उन्हें गारंटी योजनाओं के बारे में बात करना बंद कर देना चाहिए। एसी कमरे में बैठ कर मुश्किल का पता नहीं चलता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने गारंटी योजनाओं के बारे में दुष्प्रचार कर खुद को महिला विरोधी बताया है। कुमारस्वामी के इस बयान पर कि गारंटी योजनाओं के कारण गांव की लड़कियां भटक रही हैं, उन्होंने कहा कुमारस्वामी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि गांव की कौन सी महिला भटक गई है। उन्होंने कहा कि गांव की लड़कियों के बारे में हल्की बातें करना बंद करें। कांग्रेस ने किसी स्वार्थ के लिए योजना नहीं बनाई है। लोग भाजपा की मन:स्थिति के बारे में जानते हैं। मंत्री ने आलोचना करते हुए कहा कि बीजेपी का एजेंडा झूठ बोलना है। चिक्कोडी और बेलगावी लोकसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की जीत निश्चित है। कुछ लोग दिवास्वप्न देख रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस सरकार गिर जाएगी। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में 135 सीटों पर जीत हासिल की है। ऐसे में भी कुछ लोग कह रहे हैं कि सरकार गिर जाएगी। उन्होंने इसकी आलोचना करते हुए इसे महज दिवास्वप्न बताया। चुनाव के बाद मैं पूर्व मंत्री मुरुगेश निरानी के बारे में बात करूंगी। उनको समाज ने पहले ही जवाब दिया है। बेलगावी उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजू सेठ ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा बीजेपी ऐसे बयानों की निंदा क्यों नहीं करती? राष्ट्रीय महिला आयोग क्या कर रहा है? विधायक ने कहा कि वे बेलगावी जिले की दोनों सीटें जीतकर भाजपा को करारा जवाब देंगे। इस मौके पर बेलगावी उत्तर के विधायक राजू सेठ, विधान परिषद सदस्य चन्नराजा हट्टिहोली, कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार मृणाल हेब्बलकर और अन्य मौजूद थे।

भाजपा कार्यालय में डॉ. अम्बेडकर जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रदेश भाजपा कार्यालय जगन्नाथ भवन में रविवार को भारत रत्न डॉ बी. आर. अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने बाबा साहब के चित्र का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्य सचिव शरणु ताशिकेरे, विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी, एससी मोर्चा के राज्य अध्यक्ष सीमेंट मंजू, राज्य प्रवक्ता एच. वेंकटेश डोड्डेरी एवं अन्य नेता उपस्थित थे।

सीएम सावंत से किया आग्रह

तोड़फोड़ रोक विस्थापित कन्नडिगाओं का पुनर्वास करे गोवा सरकार: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गोवा के सांगोल्डा में कन्नडिगा निवासियों के घरों के विध्वंस पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। कांग्रेस के मुख्यमंत्री ने अपने गोवा भाजपा समकक्ष डॉ. प्रमोद पी सावंत से विकल्प उपलब्ध होने तक आगे की तोड़फोड़ को तुरंत रोकने की अपील की है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने गोवा के मुख्यमंत्री से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की है कि सभी विस्थापित व्यक्तियों को पर्याप्त पुनर्वास मिले। मुख्यमंत्री ने कहा यह महत्वपूर्ण है कि हम प्रत्येक प्रभावित परिवार की गरिमा और स्थिरता बनाए रखें।

पीएम मोदी समेत 18 पूर्व मुख्यमंत्री लड़ रहे चुनाव

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा के लिए होने जा रहे चुनावों में सभी बड़ी राजनीतिक पार्टियों ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर भी अपना विश्वास जताया है। इन चुनावों में पीएम नरेंद्र मोदी सहित 18 पूर्व मुख्यमंत्री चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से कई को एक दशक से भी ज्यादा का अनुभव है। जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक के तीन-तीन पूर्व मुख्यमंत्री मैदान में हैं जबकि मध्य प्रदेश से दो पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और शिवराज सिंह चौहान चुनाव लड़ रहे हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार लोकसभा चुनाव मैदान में हैं। 13 साल तक मुख्यमंत्री रहे नरेंद्र मोदी एक बार फिर वाराणसी से चुनावी मैदान में हैं। वर्तमान में भी मोदी वाराणसी से सांसद हैं। वर्ष 2019 के चुनाव में मोदी इस लोकसभा सीट पर 63.62 फीसदी मत हासिल करके विजयी रहे थे। मोदी कैबिनेट में शामिल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। भाजपा ने उन्हें इस बार भी लखनऊ लोकसभा क्षेत्र से चुनाव में उतारा है। राजनाथ सिंह 28 अक्टूबर, 2000 से 8 मार्च, 2002 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। वह भी लखनऊ से सांसद भी हैं। 2019 में राजनाथ सिंह को 6.33 लाख से अधिक वोटों के साथ संसद पहुंचे थे।

केंद्रीय कैबिनेट में शामिल दो और केंद्रीय मंत्री जो कभी राज्यों के मुख्यमंत्री रहे, लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और जहाजरानी मंत्री सर्वानंद सोनोवाल शामिल हैं। मुंडा झारखंड और सोनोवाल असम के मुख्यमंत्री रहे हैं। सोनोवाल वर्तमान में राज्यसभा के सदस्य हैं। मुंडा झारखंड की खूंटी और सोनोवाल असम की डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाए गए हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भाजपा ने विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीतने के बाद फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाया।

खास बात यह है कि 16 साल से अधिक मुख्यमंत्री रहे शिवराज ने राजनीति से संन्यास की घोषणा भी कर दी थी लेकिन पार्टी ने अब उन्हें विदिशा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। भाजपा में शायद शिवराज ही ऐसे पहले नेता होंगे जो संन्यास के बाद भी चुनाव मैदान में हैं। शिवराज विदिशा से पांच बार सांसद रह चुके हैं। मध्य प्रदेश के एक दशक तक मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह को कांग्रेस ने चुनाव मैदान में उतारा है। वर्तमान में राज्यसभा के सदस्य दिग्विजय सिंह को कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की राजगढ़ सीट से टिकट दिया है। दिग्विजय सिंह राजगढ़ से दो बार सांसद रह चुके हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से अचानक इस्तीफा दिलाकर भाजपा ने उन्हें करनाल से लोकसभा चुनाव के मैदान में उतारा है। दो बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के तीन पूर्व मुख्यमंत्री चुनाव मैदान में हैं। गुलाम नबी आजाद राजौरी अनंतनाग सीट से लोकसभा उम्मीदवार हैं। आजाद 2 नवंबर, 2005 से 11 जुलाई, 2008 तक जम्मू कश्मीर के कांग्रेस पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री रहे। वर्तमान में वे डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के अध्यक्ष हैं और इसी पार्टी के निशान पर चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बारामूला के चुनाव मैदान में हैं। उमर 5 जनवरी, 2009 से 8 जनवरी, 2015 तक मुख्यमंत्री रहे।

इस बार नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और उमर के पिता फारूक अब्दुल्ला चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजोरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। विपक्षी गठबंधन में शामिल पीडीपी और नैशनल कॉन्फ्रेंस का जम्मू कश्मीर और लद्दाख में सीटों को लेकर समझौता नहीं हो पाया। महबूबा मुफ्ती 4 अप्रैल, 2016 से 20 जून, 2016 तक जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री रही हैं।

जम्मू-कश्मीर की तरह कर्नाटक से भी तीन पूर्व मुख्यमंत्री चुनाव मैदान में हैं। राज्य में भाजपा ने दो पूर्व मुख्यमंत्रियों को बसवराज बोम्मई और जगदीश शेट्टार मैदान में उतारा है। पार्टी ने शेट्टार को बेलागावी और बोम्मई को हावेरी लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, जनता दल (सेकु) के नेता एचडी कुमारस्वामी मांड्या से चुनाव लड़ेंगे। इनके अलावा जो पूर्व मुख्यमंत्री चुनाव मैदान में हैं, उनमें त्रिवेंद्र सिंह रावत, भूपेश बघेल, जीतन राम मांझी, बिप्लब कुमार देब शामिल हैं। भाजपा ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रहे त्रिवेंद्र सिंह रावत को हरिद्वार लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस ने राजनांदगांव से टिकट दिया है। वहीं, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी गया सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसी तरह त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को भाजपा ने पश्चिम त्रिपुरा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है।

पंजाब में वीएचपी के स्थानीय अध्यक्ष की हत्या

आनंदपुर साहिब, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

पंजाब के आनंदपुर साहिब के नंगल में विश्व हिंदू परिषद के स्थानीय अध्यक्ष विकास प्रभाकर की हत्या कर दी गई। हत्यारे ने दुकान के अंदर घुसकर शाम को प्रभाकर पर हमला किया। बताया जा रहा है कि विकास प्रभाकर पर किसी नुकीले हथियार से हमला किया गया है, उनके सिर पर काफी गहरी चोट है।

हत्या किसने की, किस उद्देश्य के साथ की, अभी तक ये साफ नहीं है। जो सीसीटीवी फुटेज वारदात का सामने आया है, उसमें आरोपियों की शक्ल दिखाई नहीं दे रही है। अभी के लिए पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है, लोग काफी सहमे हुए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि विकास प्रभाकर को करीब 3 महीने पहले ही वीएचपी का स्थानीय अध्यक्ष बनाया गया था। लेकिन शनिवार शाम को काफी बेरहमी से उनकी हत्या कर दी गई।

जिस समय में वे दुकान पर थे, तब उन पर हमला हुआ। चश्मदीदों के मुताबिक उनका शरीर खून से लथपथ दुकान के अंदर ही पड़ा हुआ था और स्थानीय लोगों ने ही उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हमले से पंजाब सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। भाजपा के जिला महामंत्री अशोक सरीन विक्की ने पंजाब सरकार की कठोर शब्दों में निंदा की है, उन्होंने दो टूक कहा है कि पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने कहा

सनातन धर्म का पतन हुआ तो भारत का पतन तय

चेन्नई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सनातन धर्म का पतन हुआ तो भारत का भी पतन होना तय है। क्योंकि भारत सनातन धर्म के आधार पर कार्य करता है। असमानता किसी भी तरह की हो सनातन धर्म यही कहता है कि हम सब एक हैं। यह कहना है कि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि का। वह अडयार में श्री पद्मनाभस्वामी कल्याण मंडपम में शंकर विजयम महोत्सव में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने भारत के वसुधैव कुटुंबकम की भावना पर बोलते हुए एनडीए के 10 वर्ष के कार्यकाल की तारीफ की और कहा कि जहां 10 साल पहले कोई भारत को गंभीरता से नहीं लेता था, वहीं स्थिति आज उसके ठीक उलट है। आज दुनिया में कोई भी निर्णय भारत के बगैर नहीं लिया जाता है। जी-20 ने सबको इस बात का अहसास कराया है कि दुनिया एक परिवार है।

भारत की महत्ता को बताते हुए राज्यपाल रवि कहते हैं ये कोई राजनीतिक शब्द नहीं है। ये एक राष्ट्र है। भारत का जन्म केवल उसी के लिए नहीं हुआ है, बल्कि दुनिया को रौशनी देने के लिए भारत का जन्म हुआ है। भारत पूरी तरह से राजनीति से परे है। विदेशी उपनिवेशवाद और मुगलों के हमलों से भारत पीड़ित रहा तो 1000 सालों तक सनातनी मठों ने भारत को जीवित बनाए रखा। हमारे ऋषि हजारों सालों से भारत एक राष्ट्र के विचार और पहचान को विकसित कर रहे हैं।

गौरतलब है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही थी। उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए कहा था कि इसे खत्म करना ही होगा।

अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की गई है। जानकारी के अनुसार, दो हमलवार बाइक पर सवार होकर आए थे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। घटना सुबह करीब साढ़े चार बजे की है। इससे पहले सलमान खान को कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई कई बार सलमान खान को जान से मारने की धमकी दे चुका है।

एक टेलिवजन इंटरव्यू में उसने खुलेआम कहा था कि उसके जीवन का लक्ष्य सलमान खान को मारना है। उसने अभिनेता-गायक गिप्पी ग्रेवाल के कनाडा स्थित आवास पर भी हमला किया था और कहा था कि सलमान खान के साथ उनके करीबी संबंधों के कारण हमला किया गया था। लॉरेंस बिश्नोई की धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने सलमान खान की सुरक्षा की समीक्षा की थी।

सलमान खान के पास फिलहाल वाई प्लस सुरक्षा है। पिछले साल सलमान खान के ऑफिस में एक धमकी भरा ईमेल भी भेजा गया था। सलमान के करीबी प्रशांत गुंजालकर को रोहित गर्ग से धमकी भरा मेल मिला था। ईमेल के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बरार और रोहित गर्ग के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

हैदरी मस्जिद में गूंजा हर-हर मोदी, घर-घर मोदी

भोपाल, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

हर-हर मोदी, घर-घर मोदी, अबकी बार 400 पार, मोदी है तो मुमकिन है, यह वो नारा है जो सामान्यतया अधिकतर लोगों की जुबान पर रहता है। लेकिन, अगर ये नारे किसी इस्लामिक इबादतगाह दरगाह या मस्जिद से लगे तो थोड़ी हैरानी होती है। ये हैरानी इसलिए कि कथित लिबरल और वापमंथी जबरन भाजपा और पीएम मोदी को मुस्लिम विरोधी साबित करने के लिए नरैटिव गढ़ने की कोशिशों में लगे रहते हैं। हालांकि, उनका मंसूबा एक बार फिर से उस वक्त ध्वस्त हो गया, जब मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित हैदरी मस्जिद में लोकसभा चुनाव-2024 से पहले पीएम मोदी के नाम के नारे गूंजने लगे।

भोपाल की अलीगंज स्थित हैदरी मस्जिद में भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान जब वो वहां पहुंचे तो उनकी मौजूदगी में पीएम मोदी के समर्थन में नारेबाजी मुस्लिमों ने की। ये नारेबाजी करने वाले बोहरा समाज के मुस्लिम हैं। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक स्वर में अबकी बार 400 पार और मोदी है तो मुमकिन है के नारे लगाए। स्पष्ट है कि भोपाल में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 7 मई को वोटिंग होगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में इस बार के लोकसभा चुनाव में कुल 4 चरणों में वोटिंग होगी, जिसमें 5 करोड़ 63 लाख 40 हजार 64 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। खास बात ये है कि चार माह पहले जब प्रदेश में विधानसभा का चुनाव हुआ था तब प्रदेश में केवल 5 करोड़ 60 वोटर थे, लेकिन चार माह के अंदर मतदाताओं की संख्या करीब साढ़े 3 लाख बढ़ गई है। इनमें से 2 करोड़ 89 लाख 51 हजार 705 पुरुष और 2 करोड़ 73 लाख 87 हजार 122 महिलाएं हैं, जो कि अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगी।

21 हजार फुट ऊंचे सियाचिन हिमखंड पर कब्जे के 40 साल

भारतीय सेना के नाम हैं ऐतिहासिक युद्ध की जीत

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 अप्रैल। दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धस्थल सियाचिन हिमखंड पर 40 साल के कब्जे के दौरान 21 हजार फुट की ऊंचाई पर आज तक सिर्फ एक ही लड़ाई हुई है। यह लड़ाई दुनिया की अभी तक की पहली और आखिरी लड़ाई थी जिसमें एक बंकर में बनी पोस्ट पर कब्जा जमाने के लिए जम्मू के कैप्टन बाना सिंह को परमवीर चक्र दिया गया था। उस पोस्ट का नाम भी उन्हीं के नाम पर रखा गया है। आज पूरे 40 साल हो गए दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धस्थल सियाचिन हिमखंड पर भारतीय सेना के कब्जे को। यह विश्व का सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित युद्धस्थल ही नहीं बल्कि सबसे खर्चीला युद्ध मैदान भी है।

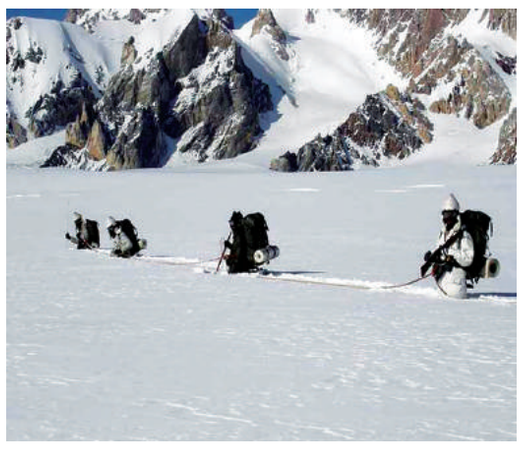

दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनाई गई इस एकमात्र सैनिक पोस्ट पर कब्जे का अभियान शुरू हुआ तो 1987 के मई महीने में चुने गए 60 सैनिकों की टीम का बाना सिंह भी हिस्सा बने थे। बाना सिंह को जब परमवीर चक्र मिला था तो पाकिस्तान डिफेंस रिव्यू में भी उनकी बहादुरी के चर्चे हुए थे जिसमें लिखा गया था, वह बहादुरी जिसकी कोई मिसाल नहीं है।

26 जून 1987 को अंततः 21000 फुट की ऊंचाई पर बनाई गई पाकिस्तानी पोस्ट पर कब्जा कर बहादुरी की गाथा लिखने पर कैप्टन बाना सिंह को बतौर इनाम परमवीर चक्र तो मिला ही, इस पोस्ट का नाम भी उनके नाम पर ही रख दिया गया। विश्व के इतिहास में यह पहला और आखिरी मौका था कि इतनी ऊंचाई पर कोई युद्ध लड़ा गया था। पर इस जीत के लिए भारतीय सेना को बहुत कीमत चुकानी पड़ी थी। 22 जून को शुरू हुए ऑपरेशन में उसके कई अफसर और जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। कारण स्पष्ट था। गोलाबारी के साथ साथ मौसम की परिस्थिति उनके कदम रोक रही थी। कई बार इस ऑपरेशन को बंद करने की बात भी हुई और इरादा भी जगा था। लेकिन कमान हेडक्वार्टर से एक ही संदेश था, या तो जीत हासिल करना या जिन्दा वापस नहीं लौटना। और वीरगति को प्राप्त हुए सैनिकों ने इस संदेश को भगवान का आदेश मान कर उसका मान रखा था।

कैप्टन बाना सिंह को परमवीर चक्र मिला था और आज वे जम्मू के सीमावर्ती गांव रणवीर सिंह पुरा में रहते हैं। वे अपने मिशन के बारे में बयान करते हुए बताते हैं कि यह बात सियाचिन हिमखंड पर भारतीय फौज के कब्जे के तीन साल बाद की है। 1987 में पाकिस्तानी सेना ने 21 हजार फुट की ऊंचाई पर कब्जा कर एक बंकर रूपी पोस्ट का निर्माण कर लिया था। मुहम्मद अली जिन्ना के नाम पर बनाई गई यह पोस्ट भारतीय सेना के लिए समस्या पैदा रही थी और खतरा बन गई थी क्योंकि वे वहां से गोलियां बरसा कर नुकसान पहुंचाने लगे थे।

इस ऑपरेशन में चीता हेलिकाप्टरों ने अहम भूमिका निभाई थी। करीब 400 बार उन्होंने उड़ानें भर कर और दुश्मन के तोप-खाने से अपने आप को बचाते हुए जवानों और अफसरों को बंकर के करीब पहुंचाया था। इस लड़ाई का एक कड़वा और दिल दहला देने वाला सच यह था कि 21000 फुट की ऊंचाई पर शून्य से 60 डिग्री नीचे के तापमान में भारतीय जवानों ने तीन दिन भूखे पेट रह कर फतह हासिल की थी और पाकिस्तानी बंकर में मोर्चा संभालने वाले 6 पाकिस्तानियों को मारने के बाद बचे हुए भारतीय जवानों ने पाकिस्तानी स्टोव को जला कर पाकिस्तानी चावल पका कर भूख शांत की थी।

रणनीतिक रूप से जरूरी है सियाचिन पर भारत का कब्जा

जम्मू, 14 अप्रैल (ब्यूरो)। ऑपरेशन मेघदूत के 40 साल बाद भी यह महसूस किया जा रहा है कि रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है सियाचिन ग्लैशियर पर भारत का कब्जा। यह विजय भारतीय सेना के शौर्य, नायकत्व, साहस और त्याग की मिसाल है। विश्व के सबसे ऊंचे और ठंडे माने जाने वाले इस रणक्षेत्र में आज भी भारतीय सैनिक देश की संप्रभुता के लिए डटे रहते हैं। ऑपरेशन 1984 से 2002 तक चला था, यानी पूरे 18 साल तक। भारत और पाकिस्तान की सेनाएं सियाचिन के लिए एक दूसरे के सामने डटी रहीं। जीत भारत की हुई। आज भारतीय सेना 70 किलोमीटर लंबे सियाचिन ग्लेशियर, उससे जुड़े छोटे ग्लेशियर, 3 प्रमुख दर्रों (सिया ला, बिलाफोंद ला और म्योंग ला) पर कब्जा रखती है। इस अभियान में भारत के करीब एक हजार जवान शहीद हो गए थे। हर रोज सरकार सियाचीन की हिफाजत पर करोड़ो रुपए खर्च आती है। सियाचिन लड़ाई के लिए पाकिस्तान ही जिम्मेदार है जिसने अपने मानचित्रों में पाक अधिकृत कश्मीर की सीमा को एलओसी के अंतिम छोर एनजे-9842 से सीधी रेखा खींच कर कराकोरम दर्रे तक दिखाना आरंभ किया था। तब भारत सरकार ने 12-13 अप्रैल 1984 की रात को ऑपरेशन मेघदूत आरंभ कर उस पाक सेना को इस हिमखंड से पीछे धकेलने का अभियान आरंभ किया। भारत सरकार ने इसके बाद कभी भी सियाचिन हिमखंड से अपनी फौज को हटाने का इरादा नहीं किया क्योंकि पाकिस्तान इसके लिए तैयार ही नहीं है। नतीजतन आज जबकि इस हिमखंड पर सीजफायर से गोलाबारी की नियमित प्रक्रिया तो रुकी हुई है, लेकिन प्रकृति से जूझते हुए भारतीय सेनास के जवान अभी तक डटे हुए हैं।

गढ़वाल, हरिद्वार और टिहरी गढ़वाल में सीएम योगी की जनसभाएं

जिन्होंने राम को नकारा, जनता उन्हें नकारेगी : योगी

श्रीनगर, रुड़की, देहरादून, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तराखंड की तीन लोकसभाओं के लिए प्रचार अभियान की कमान संभाली। इस दौरान अपने गृह जनपद पौड़ी गढ़वाल सहित हरिद्वार लोकसभा और गढ़वाल लोकसभा के लिए उन्होंने विजय संकल्प रैलियों को संबोधित किया। योगी जहां भी चुनावी रैलियों में पहुंचे वहां जनता ने उनका बुलडोजर बाबा की जय के गगनभेदी नारों से स्वागत किया। उन्होंने गढ़वाल लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी, हरिद्वार लोकसभा सीट से प्रत्याशी एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत और टिहरी गढ़वाल सीट से भाजपा प्रत्याशी माला राजलक्ष्मी शाह के पक्ष में भारी मतदान की अपील की। उत्तराखंड की तीनों रैलियों में योगी आदित्यनाथ के निशाने पर सीधे-सीधे कांग्रेस रही। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व को नकारने का काम किया, इस चुनाव में जनता उन सभी को नकारने जा रही है। योगी ने यह भी कहा कि देश की कमान इस वक्त प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत हाथों में, जिन्होंने पूरी दुनिया में भारत के सम्मान को बढ़ाया है। यह भी कहा कि मोदी सरकार में हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का कोई सानी नहीं है।

पौड़ी गढ़वाल में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी जन्मभूमि की लोकसभा सीट पर चुनावी समर में उतरे। यहां उन्होंने लोगों से भावनात्मक संवाद भी किया तो देवभूमि उत्तराखंडवासियों से कमल खिलाने का आह्वान भी। गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के एनआईटी श्रीनगर में विजय संकल्प रैली में सीएम योगी ने भाजपा उम्मीदवार अनिल बलूनी के लिए जनसमर्थन मांगा। कांग्रेस योगी के निशाने पर रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। जब 500 वर्ष का इंतजार समाप्त करके अयोध्या में आज प्रभु राम का मंदिर बन गया तो कांग्रेसियों के स्वर बदल गए, वे अब कहते हैं कि राम सबके हैं। यह कांग्रेसी बहुरूपिये हैं।

वे कहते थे देश के संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमानों का है तो फिर 1947 में विभाजन क्यों कराया। यह सवाल किसी ने कांग्रेसियों से क्यों नहीं पूछा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश लोकसभा की सभी 80 सीट पीएम मोदी के हवाले करने जा रहा है।

योगी ने कहा कि आज अपनी जन्मभूमि की लोकसभा सीट पर संवाद बनाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। वहीं यह भी कहा कि कभी-कभी कुछ लोगों को गफलत होती है, वे लोग मानते हैं कि यूपी में अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की जो नीति है, उससे ऐसा न हो कि वे उत्तराखंड आ जाएं। मैं आश्वस्त करता हूं कि माफिया व अपराधियों को इस लायक छोड़ूंगा ही नहीं कि उप्र की सीमा क्रास कर पाएं।

रुड़की में हरिद्वार लोकसभा सीट के लिए विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज देश मजबूर नहीं बल्कि मजबूत हाथों में है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव नेशन फर्स्ट और फैमिली फर्स्ट की सोच वालों के बीच में है। आज सारा देश इस बात को कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे और जिस कांग्रेस ने श्रीराम के अस्तित्व को नकारा, हम उसको नकारेंगे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के राजनीतिक जीवन के समर्पण और त्याग की सराहना करते हुए कहा कि हरिद्वार में भाजपा की जीत ऐतिहासिक होनी चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने जनता को भरोसा दिलाया कि अगले पांच साल में अयोध्या की तर्ज पर ही हरिद्वार का भी विकास होगा। उन्होंने रैली के जरिए ही संविधान शिल्पी भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की पावन जयंती पर नमन किया। कहा कि स्वतंत्र भारत में बाबा साहब को पहली बार मोदी सरकार ने सम्मान दिया है।

सरकार ने पंचतीर्थ बनाकर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। उन्होंने कहा कि देश में हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का कोई सानी नहीं है। विकसित भारत की संकल्पना पर आधारित भाजपा का संकल्प पत्र इस बात को दोहरा रहा है कि हमें हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना है। उन्होंने बताया कि अगले पांच साल में देश में तीन करोड़ गरीबों को मकान दिया जाएगा।

टिहरी गढ़वाल में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस के लोग कहते थे कि राम हुए ही नहीं और जब मोदी जी के नेतृत्व में राम मंदिर बन गया तो कहते हैं कि राम सबके हैं। इसके बाद भी अयोध्या में भगवान राम के महोत्सव से भाग गए थे, वे कहते थे कि उनका सेक्युलिरज्म खतरे में पड़ जाएगा। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में एक ही आवाज है- जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। सारी बीमारी की एक ही दवा-राम नाम। जब कांग्रेस का राम पर विश्वास ही नहीं था तो आप काम से गए। लोग कहते हैं कि हम वहीं जाएंगे, जो सही मायने में राम को लाए हैं। राम को लाने वाले मोदी जी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टिहरी गढ़वाल से सांसद व भाजपा प्रत्याशी माला राज्यलक्ष्मी शाह के लिए वोट मांगा। बन्नू ग्राउंड पर आयोजित विशाल जनसभा में सीएम ने यहां से फिर कमल खिलाने की अपील की। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की 85 सीटें मोदी के गले का हार बनेंगी। पूरे देश में विश्वास पैदा हुआ है। सीएम ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र के सम्मुख पुष्प भी अर्पित किया।

पुलिस हिरासत में टॉर्चर से आसाराम की मौत

ग्रामीणों में भीषण आक्रोश, भारी पुलिस बल तैनात

लखीमपुर खीरी, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

लखीमपुर खीरी के मितौली क्षेत्र के पकरिया जलालपुर में बच्ची की हत्या के मामले में पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में लिए गए गांव के ही आसाराम (48) की मौत हो गई। परिजनों ने थर्ड डिग्री से मौत का आरोप लगाते हुए शनिवार को लखीमपुर-मैगलगंज मार्ग पर कस्ता चौराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। छह घंटे तक हंगामा हुआ। इस मामले में पिपरझला पिकेट प्रभारी समेत दो पुलिसकर्मियों पर हत्या और अवैध रूप से हिरासत में रखने का मुकदमा दर्ज होने के बाद लोग शांत हुए।

आसाराम को छह घंटे तक पुलिस हिरासत में रखा गया था। इस दौरान क्या हुआ, यह तो पुलिस ही जाने लेकिन आसाराम की मौत के बाद गढ़ी गई पुलिस की कहानी का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जिला अस्पताल के रिकॉर्ड ने कर दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली और जिला अस्पताल की इमरजेंसी के रजिस्टर में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर की ओर से दर्ज विवरण में स्पष्ट लिखा गया है कि अस्पताल में आसाराम को बेहोशी की अवस्था में लाया गया। चर्चा है कि मितौली थाने में ही आसाराम बेहोश हो गया था। पुलिस टीम रात 9.50 बजे सीएचसी मितौली पहुंची। यहां से रेफर होने के बाद देर रात करीब 11 बजे पुलिस टीम आसाराम को लेकर जिला अस्पताल पहुंची। यहां इमरजेंसी के रजिस्टर में आसाराम को मृत अवस्था में लाने का जिक्र है।

दोनों पहलुओं पर गौर करें तो पुलिस ने कई अहम बातें छिपाईं। शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे से लेकर रात करीब नौ बजे तक यानी करीब साढे.सात घंटे आसाराम पुलिस की अवैध रूप से हिरासत में था। इस दौरान उसके साथ क्या हुआ, यह पुलिस ही जानती है लेकिन उसके शरीर पर चोटों के निशान पुलिस की बर्बरता की गवाही दे रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि थाने में उसके साथ मारपीट की गई, करंट भी लगाया गया। हालांकि पुलिस के हवाले से मिली पोस्टर्माटम रिपोर्ट की जानकारी के अनुसार, आसाराम के शरीर पर चोटों के निशान नहीं थे। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने खुद इसकी पुष्टि की। वहीं मौत की वजह स्पष्ट न होने पर बिसरा सुरक्षित किया गया।

आसाराम के बेटे रोहित व केपी सिंह ने आरोप लगाया कि मितौली थाना परिसर में पुलिस ने आसाराम को बेरहमी से पीटा। करंट भी लगाया, जिससे उनकी मौत हो गई। जब मौत हो गई, तब हम लोगों को सूचना दी। रात में ही पुलिस ने शव परिजनों को बीमारी से मौत होने की बात कहते हुए सौंप दिया था। सुबह गांव में तनाव फैल गया।

आसाराम के पास मात्र ढाई बीघे जमीन बताई जा रही है। वह अपनी पत्नी माया देवी व बेटों का भरण पोषण मेहनत मजदूरी कर करता था। आसाराम के तीन बेटों में रोहित शादीशुदा हैं, जबकि केपी व अंकित अभी अविवाहित हैं।

पुलिस ने पिकेट प्रभारी और हेड कांस्टेबल के खिलाफ हत्या और अवैध रूप में कैद में रखने की धाराओं में रिपोर्ट तो दर्ज कर ली लेकिन अपने ही थाने की पिकेट के प्रभारी के नाम की जगह अज्ञात लिख दिया। इतना ही नहीं, आसाराम को थाने लाने वाले और उससे पूछताछ करने वालों का जिक्र भी गोलमोल तरीके से किया।

पता चला है कि मितौली थाने के दो सिपाहियों ने आसाराम से पूछताछ की थी। इसमें पूछताछ करने के दौरान बेरहमी से पीटने के लिए चर्चित सिपाही भी शामिल था। मृतक की पीठ पर गहरे निशानों से स्पष्ट है कि उस पर कई डंडे तोड़े गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार पुलिस ने तहरीर लिखवाने में भी खेल किया। जिस पिकेट प्रभारी को सब जानते हैं, उसे पुलिस ने अज्ञात में लिखवा दिया। मारपीट करने वाले सिपाही का नाम नामजद नहीं कराया है, जबकि एफआईआर में जस्सी का जिक्र है।

पिकेट प्रभारी के साथ दो अन्य अज्ञात सिपाहियों के आसाराम को ले जाने की बात का भी जिक्र एफआईआर में किया गया है। परिजन हंगामा करने के दौरान पुलिस पर एक लाख रुपए लेने का आरोप लगा रहे थे लेकिन तहरीर में उसका जिक्र नहीं किया। मितौली थाने के इंस्पेक्टर राजू राव ने बताया है कि पिकेट प्रभारी का नाम लालचंद है, उसके साथ हेड कांस्टेबल पर गंभीर आरोप लगाया है। प्रकरण की जांच वह स्वयं करेंगे।

रायबरेली और अमेठी में कांग्रेस को कोई रियायत नहीं

बसपा ने दोनों जगह प्रत्याशी घोषित किए

सुल्तानपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

देश की बहुचर्चित रायबरेली और अमेठी सीट पर यदि गांधी परिवार के सदस्य राहुल गांधी या प्रियंका गांधी चुनाव लड़ते हैं तो भी बसपा उनके साथ कोई रियायत नहीं करेगी। बसपा वहां से मजबूत और जिताऊ प्रत्याशी मैदान में उतारेगी।

रविवार को सुल्तानपुर आए बसपा के मुख्य सेक्टर प्रभारी पूर्व सांसद घनश्याम खरवार ने यह जानकारी देते हुए कहा कि दोनों सीटों पर प्रत्याशी तय हो गए हैं, जिनका जल्द ही ऐलान हो जाएगा। रायबरेली में कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी इस बार चुनाव मैदान में नहीं उतर रही हैं। ऐसे में यहां से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के चुनाव मैदान में उतरने की चर्चाएं हैं। वहीं, अमेठी सीट पर विपक्षी गठबंधन की ओर से कांग्रेस ने अभी किसी नाम का ऐलान नहीं किया है किंतु कांग्रेस नेता दावा करते हैं कि यहां पर राहुल गांधी ही चुनाव लड़ेंगे।

इसके साथ ही यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि अभी तक दोनों सीटों पर प्रत्याशी न घोषित करने वाली बसपा यहां गांधी परिवार को वॉकओवर दे सकती है किंतु बसपा में अयोध्या, देवीपाटन, आजमगढ़ और वाराणसी के मुख्य सेक्टर प्रभारी पूर्व सांसद घनश्याम चंद्र खरवार ऐसी किसी संभावना से इन्कार करते हैं।

वे कहते हैं कि उन्होंने कांग्रेस और भाजपा दोनों की सरकारें देखी हैं। दोनों ने ही हमारे समाज को लूटा है। किसी ने गरीबों और किसानों के लिए काम नहीं किया है। एनडीए और विपक्षी गठबंधन से बसपा की विचारधारा बिल्कुल अलग है। इसलिए पार्टी सभी 80 सीटों पर मजबूत प्रत्याशी तय कर चुकी है जिन्हें लड़ाया जा रहा है और बसपा भारी जीत हासिल करने जा रही है।

राम नवमी पर्व को लेकर अयोध्या धाम में सुरक्षा के कड़े प्रबंध

लखनऊ, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

500 वर्षों बाद अयोध्या में भगवान राम के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। इसके बाद यह पहला अवसर है जब अयोध्या में श्रीराम नवमी का पर्व मनाया जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से इसको धूमधाम से वृहद स्तर पर मनाने की तैयारी की गई है। माना जा रहा है कि लाखों लोग इस अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचेंगे। ऐसे में बड़े पैमाने पर यहां सुरक्षा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण पर्व को सकुशल संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन से लेकर दर्शन और श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान एवं आंकलन करने के लिए भी योजना बनाई है। उल्लेखनीय है कि अयोध्या धाम में रामनवमी के उपलक्ष्य में 9 अप्रैल से रामनवमी मेला का शुभारंभ हो चुका है जो रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल तक जारी रहने वाला है। यहां 25 लाख श्रद्धालुओं की संभावना है।

रामनवमी मेला के अवसर पर संपूर्ण मेला क्षेत्र को कुल 7 जोन तथा 39 सेक्टर में विभाजित किया गया है। वहीं, यातायात व्यवस्था को 2 जोन तथा 11 क्लस्टर में विभाजित कर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है। मेला के दौरान संपूर्ण मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए 11 अपर पुलिस अधीक्षक, 26 पुलिस उपाधीक्षक, 150 निरीक्षक, 400 उप निरीक्षक, 25 महिला उप निरीक्षक, 1305 मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 270 महिला मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 15 कंपनी पीएसी, 2 कंपनी बाढ़ राहत, 1 टीम एसडीआरएफ व 1 टीम एटीएस की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई है। प्रत्येक जोन में पुलिस व्यवस्था के प्रभारी एक अपर पुलिस अधीक्षक तथा प्रत्येक सेक्टर के प्रभारी अधिकारी एक पुलिस उपाधीक्षक/निरीक्षक बनाए गए हैं।

इसके अलावा मंदिर परिसर व बाह्य संपूर्ण मेला क्षेत्र को 24द7 ड्यूटी लगाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। रामपथ पर कुल 15 ड्रॉप डाउन बैरियर लगाकर व 13 होल्डिंग एरिया बनाकर सुरक्षित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। संपूर्ण मेला क्षेत्र में 50 स्थानों पर पीए सिस्टम स्थापित किए गए हैं व विभिन्न स्थानों पर स्थापित 111 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यलो जोन कंट्रोल रूम से निरंतर निगरानी की जा रही है।

पुलिस प्रशासन की ओर से मेले के लिए पुलिस व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस से नयाघाट पुलिस चौथी तक मेला नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। श्रद्धालुओं के आने वाले मार्गों मुख्यतः साकेत पेट्रोल पंप से लता चौक होते हुए सरयू घाट से हनुमानगढ़ी एवं हनुमान गढ़ी से कनक भवन व रामलला मंदिर को विभिन्न जोन एवं सेक्टर में विभाजित कर पुलिस बल का व्यवस्थापन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सरयू नदी व राम की पैड़ी पर सुरक्षा के लिए जल पुलिस, विभिन्न मंदिरों व मेला क्षेत्र में पुलिस एवं पीएसी बल की व्यवस्था की जाएगी। अयोध्या धाम में चारों तरफ विभिन्न स्थानों पर 24 एएनपीआर कैमरों के माध्यम से वाहनों एवं श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन एवं प्रोजेक्शन किया जाएगा। गोंडा सीमा पर लगाए गए कैमरों के माध्यम से वाहनों एवं श्रद्धालुओं के इनफ्लो और आउटफ्लो का एनालिसिस किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अयोध्या धाम में स्थापित सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी विभिन्न स्थलों पर भीड़ का आंकलन व विभिन्न ट्रैफिक डायवर्जन की आवश्यकता का आंकलन एवं निर्णय किया जाएगा। अयोध्या धाम क्षेत्र में विभिन्न कंट्रोल रूम में स्थापित कुल 560 कैमरों के माध्यम से श्रद्धालुओं के मूवमेंट को मॉनिटर किया जाएगा। इसके साथ ही 2 टीथर्ड ड्रोन्स एवं 8 एरियल ड्रोन्स के माध्यम से विभिन्न रास्तों, गलियों व पार्किंग का रीयल टाइम एनालिसिस किया जाएगा।

हेल्थ

कान के बहने से बढ़ सकती हैं परेशानियां...

ऐसा कई कारणों से हो सकता है। कान में से पस, खून या सफेद-पीले रंग के द्रव्य के रूप में निकलने वाला पदार्थ किसी अंदरूनी मुसीबत की ओर इशारा भी कर सकता है। जरूरत है इस पर ध्यान देकर उचित सलाह लेने की। कान के बहने या कान से किसी प्रकार के द्रव्य के निकलने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कान के भीतर एक तरह का ड्रेनेज सिस्टम होता है जिसके कारण अक्सर वैक्स यानी मोमनुमा मैल बाहर निकलता है और यह एक सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन इसकी जगह जब मवाद, खून या अन्य सफेद-पीले या भूरे रंग का पदार्थ निकलता है और बार-बार देखने में आता है तो यह कान के भीतर किसी असामान्य चीज की ओर संकेत हो सकता है।

अनेक कारण

जब किसी भी तरह का वायरस या बैक्टीरिया कान के मध्य भाग में पहुंचता है तो यह तकलीफ पनप सकती है। इसके कारण उस स्थान पर फ्लूइड बनना शुरू हो जाता है और परेशानी के साथ ही कान बहना भी आरम्भ हो सकता है।

स्विमर्स इयर

ओटाइटिस एक्सटर्ना यानी स्विमर्स इयर कैनाल में फंगस या बैक्टीरिया के कारण होने वाले इन्फेक्शन के कारण पनपता है। पानी के संपर्क में बहुत समय तक रहने के कारण यह समस्या होती है। इसके कारण नमी कानों के भीतर जाकर इयर कैनाल की दीवारों को क्षति पहुंचाना शुरू कर देता है।

आघात या ट्रॉमा

कान की सफाई करते वक्त या किसी अन्य स्थिति में कान के अंदरूनी हिस्से को अचानक पहुंचने वाला आघात भी कान बहने की वजह बन सकता है। अक्सर कान को साफ करते समय या आदतन कान में कोई वस्तु गहरे भीतर तक डालने से अंदरूनी हिस्से को क्षति पहुंचती है और इससे कान से डिस्चार्ज होना शुरू हो सकता है। इसके अलावा कोई अन्य आघात भी कान बहने का कारण बन सकता है।

अन्य कारण

कान के बहने के पीछे अन्य कारणों में शामिल हैं-कान के अंदर की हड्डियों में होने वाली क्षति, ट्यूमर, कोई चोट, किसी बाहरी वस्तु का कान में अंदर चले जाना, सिर पर लगने वाली कोई चोट, एक्जीमा आदि।

रखें इस तरह खयाल

कान बहने की सूरत में निकलने वाले पदार्थ को बाहर से ही हल्के से साफ करें। अपने मन से ही कोई दवाई डालने की बजाय डॉक्टर के बताए इयर ड्रॉप का ही उपयोग करें। अपने साथ हमेशा साफ धुला कपड़ा रखें और उसका ही इस्तेमाल करें। प्रिस्क्राइब की गई एंटीबायोटिक्स का डोज पूरा करें और सतर्कता रखें।

टमाटर से स्वास्थ्य और सौंदर्य लाभ

अध्ययनों के अनुसार मटर में उपस्थित विटामिन के मस्तिष्क के तंत्रिका तंत्र की क्षति को सीमित करता है जो बदले में कुछ गम्भीर बिमारियों जैसे अल्जाइमर और अर्थराइटिस से सुरक्षा देता है। इसलिये इन सभी समस्याओं से बचने के लिये मटर को नियमित उपभोग करने की कोशिश करें।

अति उत्साहित होना भी हो सकता है हानिकारक...

जी हां! अगर आपके आसपास कोई व्यक्ति या परिचित जिनमें सामान्य से अधिक उत्साह, असामान्य उल्लास, चिड़चिड़ापन, अति आत्मविश्वास आदि नजर आए तो उसे सामान्य न समझें, उन्हें तुरंत मनोवैज्ञानिक को दिखाएं या दिखाने की सलाह दें। क्योंकि यह सभी लक्षण हाइपोमेनिया नामक मनोवैज्ञानिक बीमारी के हैं। हाइपोमेनिया मन, मूड और व्यवहार की वो अवस्था है जिसे अधिक उत्साह, असामान्य उल्लास, चिड़चिड़ापन आदि के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। हाइपोमेनिया मूड बदलने की वो दशा है जिसमें सामान्यत: व्यक्ति का मूड बदलता रहता है और इसमें व्यक्ति विशिष्ट कार्यों के लिए बेहद ऊर्जावान, बातूनी प्रवृत्ति का होना व आमतौर पर अति आत्मविश्वास से पूर्ण क्रियात्मक विचारों से भरपूर रहता हैं। हाइपोमेनिक व्यवहार वैसे उत्पादकता और उत्साह को उत्पन्न करता है लेकिन यह अगर खतरनाक या अनुचित व्यवहार में संलग्न हो तो परेशानी का कारण बन सकता हैं।

लक्षण

हाइपोमेनिया के लक्षण की अगर हम बात करें तो इसका कोई एक लक्षण विशेष नहीं है, कई हो सकते हैं। दिए गए निम्न लक्षण यदि मरीज के स्वभाव में पहले से निहित नहीं हैं लेकिन बाद में विकसित होते हैं तो हाइपोमेनिया की आशंका हो सकती है। हाइपोमेनिया के लक्षणों में शामिल हैं-

» चिड़चिड़ापन और आक्रामकता बढ़ना
» चरम और तीव्र खुशी की भावना
» जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास या उच्च अनुभव करना
» आत्म सम्मान की भावना और आत्मविश्वास अत्याधिक बढ़ना
» कम नींद में होने के बावजूद फ्रेश अनुभव करना
» बातूनी होना और अधिक तेजी से बोलना
» विचारों-ऊर्जा से भरा महसूस करना
» स्वयं के महत्व की अतिरंजित भावना
» बेचैन रहना और आराम करने में कठिनाई होना
» एकाग्रता में कमी और आसानी से विचलित होना
» सामाजिक गतिविधि में वृद्धि होना।

हाइपोमेनिया के कारण

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जटिल होती हैं और आमतौर पर महसूस किया जाता है कि एक विशेष कारण के बजाय कारकों के संयोजन से होती हैं। संभावित कारणों में शामिल हैं-

» उच्च स्तर का तनाव
» नींद की कमी और लंबी उड़ान से जेट लेग की समस्या
» मादक पदार्थों का उपयोग जैसे- दवाएं या अल्कोहल
» फैमिली हिस्ट्री- यदि परिवार के किसी सदस्य को बाइपोलर डिसऑर्डर रहा हो तो हाइपोमेनिया होने की आशंका रहती है।

हेल्थ

चमत्कारी उपाय, पैर की मोच होगी झटपट ठीक

कई बार चलते-चलते अचानक से हमारा पैर मुड़ जाता है और बाद में पता चलता है कि पैर में मोच आ गई है। ऐसे में रोगी को दर्द भी बहुत ही असहनीय होता है। लेकिन आज हम कुछ ऐसे उपाय आपको बताएंगे जो बहुत ही जल्द आपका पैर ठीक कर देंगे।

1. बर्फ : थोड़े से बर्फ के टुकड़ों को किसी एक कपड़े में रखकर सूजन वाले जगह पर लगाएं। इससे सूजन कम हो जाती है और दर्द धीरे-धीरे कम होने लगता है।

2. फिटकरी : एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच फिटकरी मिलाकर इसका सेवन करें। इसका सेवन करने से मोच काफी जल्दी ठीक हो जाएगी।

3. हल्दी : दो चम्मच हल्दी में थोड़ा सा पानी मिला कर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को हल्का गर्म करके मोच वाली जगह पर लगाएं। फिर 2 घंटे के बाद पैरों को गुनगुने पानी से धो लें। जब तक तक दर्द कम म हो नियमित रूप से इस लेप को दिन में दो बार लगा सकते हैं। इसको लगाने के बाद जगह पर ज्यादा हिलाए-डुलाए नहीं। हल्दी का एन्टी-इन्फ्लैमेंटरी गुण सूजन को कम करने में बहुत मदद करता है।

4. चूना : शहद और चूने दोनों को बराबर मात्रा में मिला कर मोच वाली जगह पर हल्की मालिश करें।

मीठी मिश्री के ये अनोखे फायदे नहीं जानते होंगे आप

मिश्री का सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि इससे याददाश्त बढ़ती है और यह शरीर को ठंडा रखती है।

1. गले की खराश और खांसी : खांसी हो या गला खराब ऐसे में मिश्री का सेवन है बहुत ही लाभदायक। गला खराब होने पर जो गले में तेज दर्द होता है यह उससे भी राहत देता है। खांसी आने पर उस रोगी को मिश्री का टुकड़ा चूसने को दें। जिससे थोड़ी ही देर में खांसी गायब।

2. लू से बचाव : मिश्री में मिठास और ठंडक दोनों ही गुण होते हैं। इसलिए बहुत ज्यादा गर्मी में शर्बत में इसे घोलकर पीने से लू से बचा जा सकता है। इससे शरीर में स्फूर्ती का एहसास होता है और कुछ देर के लिए गर्मी से राहत मिलती है। क्योंकि यह ग्लूकोज के रूप में शरीर को ऊर्जा देती है।

3.मुंह के छाले : मुंह के छाले होने पर मिश्री को इलायची के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को मुंह के छालों पर लगाएं। झटपट ठीक होंगे छाले।

4. नकसीर : नकसीर होने पर मिश्री को पानी में मिलाकर सूघंने पर आराम मिलता है।

5. मर्दाना कमजोरी : केसर और दूध के साथ मिश्री का सेवन करने से सैक्स पावर बढती है।

6.खून की कमी : केसर और मिश्री मिले गुनगुने दूध का सेवन करने से शरीर में एनर्जी आती है। जिससे शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ती है।

7. हाथों या पैरों में जलन : मक्खन और मिश्री को बराबर मात्रा में मिलाकर लगाने से हाथों-पैरों की जलन दूर होती है।

8. आंखे और सिर की कमजोरी : आंखों की नजर कमजोर हो या सिर दर्द की शिकायत तो बस मिश्री,सौंफ और बादाम बराबर मात्रा में लेकर पीस लें। फिर इस पाउडर को सुबह शाम गर्म दूध के साथ लें।

आप स्वयं को हेल्दी, फिट और सही आकार में रखने के लिए जिम जाते हैं। परन्तु क्या आपने कभी सोचा है कि यदि आप जिम में कुछ बातों का ध्यान न रखें तो यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है।

जिम जाने के दौरान रखें इन बातों का खयाल...

आप स्वयं को हेल्दी, फिट और सही आकार में रखने के लिए जिम जाते हैं। परन्तु क्या आपने कभी सोचा है कि यदि आप जिम में कुछ बातों का ध्यान न रखें तो यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। इस लेख में बताया गया है कि यदि आप नियमित तौर पर जिम जाते हैं और कुछ विशेष बातों का ध्यान नहीं रखते तो आप कुछ बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। यदि आप जिम में नंगे पैर चलते हैं तो आपके पैरों में फंगस होने का खतरा होता है। इसके अलावा आपके नाखूनों में भी फंगस हो सकता है। फंगस के कारण आपके पैर के ऊपर, साइड और नीचे की त्वचा निकलने लगती है।

उपचार

इससे बचने के लिए जिम में हमेशा जूते पहनें और अपने पैरों को सूखा रखें। इसके अलावा यदि आप इससे पहले से ही ग्रसित हैं तो एंटी फंगल क्रीम और लोशंस का उपयोग करें। ऐसा माना जाता है कि कोल्ड और फ्लू का वायरस तीन से अधिक महीनों तक रह सकता है। जिम में आप सभी उपकरण शेयर करते हैं और यही कारण है कि इससे ग्रस्त होने का खतरा अधिक होता है। इन वायरसों से स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए इस बात का ध्यान रखें कि उपकरण का उपयोग करने से पहले उसे पोंछ लें।

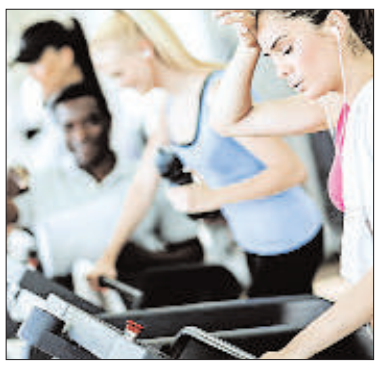

प्लैनटर वॉट की समस्या

यदि आप जिम में नंगे पैर घूमते हैं या किसी की त्वचा के संपर्क में आते हैं तो आपको प्लैनटर वॉर्ट (पैर के तलुओं में आने वाली गाँठ) की समस्या भी हो सकती है। यह एचपीवी वायरस के कारण होता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर की सलाह लें। यदि आप जिम में सावधान नहीं रहे तो आपको ई कोली या हेपिटाईटिस ए हो सकता है। यह मल या मुंह के माध्यम से स्थानांतरित होता है। वे लोग जो बाथरूम जाने के बाद हाथ ठीक से नहीं धोते उनके द्वारा यह जिम के उपकरणों तक पहुँच जाता है और अन्य किसी व्यक्ति को यह हो सकता है। इन बीमारियों के कारण डायरिया, उल्टी, ऐंठन की समस्या हो सकती है। यदि आप ऐसी समस्याओं से परेशान हैं तो डॉक्टर की सलाह अवश्य लें क्योंकि इससे आगे चलकर अधिक तकलीफ हो सकती है।

दवाइयों से नहीं, इन तरीकों से कंट्रोल करें अपना बढ़ा हुआ बीपी!

तनावभरी जिंदगी के कारण हाई ब्लड प्रेशर की समस्या दिनों-दिन बढ़ रही हैं। हर दूसरे व्यक्ति को हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत है। इसके कारण कई गंभीर बीमारियां होने का खतरा रहता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने पर सिर दर्द, चक्कर आना आदि परेशानियों होनी लगती है। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए लोग न जाने कितनी दवाइयों का सेवन करते हैं। आप बिना दवाइयों के भी इसे कंट्रोल में रख सकते है।

1. टमाटर : टमाटर में विटामिन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करने से खून की धमनियों में फैटी एसिड नहीं जमता।

2. लहसुन : ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए लहसुन बहुत फायदेमंद है। इसका सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है।

3. नमक का सेवन करें कम :पैकेड फूड्स में बहुत अधिक मात्रा में नमक होता है। ऐसे में इनका सेवन न करें। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है।

4. केला : केले में मौजद विटामिन और मिनरल्स किडनी के लिए बहुत फायदेमंद होते है। ये तत्व किडनी को ढंग से काम करने में मदद करते हैं।

5. चुकंदर और मूली : चुंकदर और मूली अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। इसमें हाई बीपी कम होता है।

6. व्यायाम : सेहतमंद रहने के लिए व्यायाम करना बहुत जरूरी है। कार्डियो करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

7. शराब: शराब का सेवन करने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है। अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है तो शराब का सेवन न करें।

रेसिपी

चॉकलेट लड्डू

सामग्री

250 ग्राम गिरी (घिसी हुई)
1 कप दूध
150 ग्राम चॉकलेट

विधि

सबसे पहले गैस पर एक पैन रखें। अब उसमें गिरी डाल दें और 2-3 मिनट के लिए उसे हिलाएं। अब इसमें दूध और चॉकलेट डाल कर मिश्रण को अच्छी तरह मिक्स कर लें। जब चॉकलेट पिघल जाए तो मिश्रण को अच्छी तरह मिक्स कर लें। गैस बंद कर दें और मिश्रण को ठंडा होने दें। जब मिश्रण ठंडा हो जाए तब इसे गोल आकार में लड्डू जैसा बना लें। चॉकलेट लड्डू को आप ऊपर से रंगबिरंगी सोंफ डाल कर भी सजा सकते हैं। आपके चॉकलेट लड्डू तैयार है।

टमाटर का सूप

सामग्री

600 ग्राम टमाटर
1 इंच लम्बा टुकड़ा अदरक
1बड़ा चम्मच मक्खन
आधा कटोरी मटर
आधा कटोरी बारीक कटी हूई गाजर
नमक स्वादानुसार
आधा छोटा चम्मच काली मिर्च
थोड़ा सा कोर्न फ्लोर
1 बड़ा चम्मच क्रीम

विधि

टमाटर और अदरक को साफ पानी में अच्छी तरह धो लें और फिर 8-10 मिनिट तक इसे उबाल लें। अब इन्हें छान लें। एक पैन में मक्खन डाल कर गरम करें फिर इसमें मटर और गाजर डाल कर नरम होने तक भूनें। अब इसमें छना हुआ सूप और नमक, काली मिर्च डाल दें। फिर इसमें थोड़ा पानी मिलाएं और उबाल आने दें। फिर एक बाउल में कार्न फ्लोर को 2 चम्मच पानी में घोल लें लेकिन गुठलियां न पड़े इसका ध्यान रखें। अब इस घोल को सूप में मिला लें और इसे धीमी आंच पर उबालें। सूप तैयार है इसके ऊपर क्रीम डालकर परोसें।

संपादकीय

संकल्प-पत्र में दिखा विश्वास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब दिल्ली स्थिति कार्यालय से लोकसभा चुनाव-2024 के लिए भाजपा का घोषणा-पत्र ''भाजपा का संकल्प-मोदी की गारंटी' जारी कर रहे थे, तब उनके चेहरे पर आत्मविश्वास झलक रहा था। भाजपा के कार्यकर्ता भी उत्साहित थे। वहीं, भाजपा के घोषणा-पत्र की प्रतीक्षा कर रहे देश के नागरिक भी आश्वस्त हुए होंगे कि भाजपा ने विकास को अपना मुख्य आधार बनाया है। चूँकि भाजपा ने अपना घोषणा-पत्र लोगों के सामने प्रस्तुत करने से पहले अपने 10 वर्ष के कार्यकाल का हिसाब भी दिया। भाजपा ने लोगों को याद दिलाया कि उन्होंने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा किया है। संकल्प पत्र की पहली प्रति गुजरात, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से आए तीन लोगों को दी गई। ये वे लोग हैं, जिन्हें मोदी सरकार की पिछली किसी न किसी योजना का लाभ मिला है। यानी भाजपा ने संदेश देने का काम किया है कि उसके द्वारा किया गया कार्य केवल कागजों तक सीमित नहीं है अपितु धरातल तक पहुँचा है। ये लाभार्थी उसके प्रमाण हैं। याद रखें कि लोकसभा चुनाव-2019 में भाजपा को जो अप्रत्याशित विजय मिली थी, उसका एक प्रमुख कारण सरकार की योजना के लाभार्थी ही थे। एक समय में असंभव दिखनेवाले कार्यों को भी मोदी सरकार ने करके दिखाया है, इसलिए लोगों को विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी घोषणा-पत्र में जो वादे कर रहे हैं, वे चुनावी वादे नहीं है। भाजपा की सरकार उन्हें पूरा करने के सभी प्रयत्न करेगी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने, राम मंदिर बनाने और समान नागरिक संहिता लागू करने के भाजपा के वादों पर पहले कांग्रेस के लोग ही उपहास उड़ाया करते थे। क्योंकि कांग्रेस के नेताओं को लगता था कि ये वादे केवल ख्याली पुलाव हैं, इन्हें साकार करना संभव नहीं है। परंतु दृढ़ इच्छाशक्ति की मोदी सरकार ने एक के बाद एक बड़े निर्णय लेकर साबित कर दिया कि यदि संकल्प शुभ हों तो उन्हें साकार करने का वातावरण भी बन जाता है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध भी मोदी सरकार जिस प्रकार की कार्रवाई कर रही है, उसकी कल्पना भी नहीं की जाती थी। यही माना जाता था कि भ्रष्टाचार की कार्रवाई केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रह जाती है। किसी भी नेता को जेल नहीं जाना पड़ता। परंतु, मोदी सरकार ने जाँच एजेंसियों को स्वतंत्रता देकर उन्हें कठोर कार्रवाई के लिए अवसर दे दिया है। अपने घोषणा पत्र में भाजपा ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही कार्रवाई को जारी रखने का आश्वासन दिया है। भाजपा के घोषणापत्र का समग्रता से विचार किया जाए, तो उसने प्रत्येक वर्ग को अपने दायरे में लिया है। सबकी बेहतरी के लिए कुछ न कुछ वादे घोषणा पत्र में किए गए हैं। कहना होगा कि भाजपा का यह घोषणा-पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभ - युवाशक्ति, नारीशक्ति, गरीब और किसान, इन सभी को सशक्त करता है। इन चारों वर्गों पर पिछले कुछ समय से प्रधानमंत्री मोदी जोर दे रहे हैं। दरअसल, समाज को विभिन्न प्रकार से विभाजित करके देखने की अपने इन चार वर्गों में देखने से सबके उत्थान की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर लोगों को गहरा विश्वास है। इसलिए भाजपा ने अपने घोषणापत्र प्रधानमंत्री के हाथों ही जारी कराया। प्रधानमंत्री मोदी ने संकेत दिया कि उनकी सरकार चार जून को परिणाम आने के तुरंत बाद 'संकल्प पत्र' पर काम शुरू कर देगी। देखना होगा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंट पर विश्वास करके जनता किस प्रकार का जनादेश देती है।

> भाजपा ने अपना घोषणा-पत्र लोगों के सामने प्रस्तुत करने से पहले अपने 10 वर्ष के कार्यकाल का हिसाब भी दिया। भाजपा ने लोगों को याद दिलाया कि उन्होंने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा किया है। संकल्प पत्र की पहली प्रति गुजरात, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से आए तीन लोगों को दी गई। ये वे लोग हैं, जिन्हें मोदी सरकार की पिछली किसी न किसी योजना का लाभ मिला है। यानी भाजपा ने संदेश देने का काम किया है कि उसके द्वारा किया गया कार्य केवल कागजों तक सीमित नहीं है अपितु धरातल तक पहुँचा है। ये लाभार्थी उसके प्रमाण हैं। याद रखें कि लोकसभा चुनाव-2019 में भाजपा को जो अप्रत्याशित विजय मिली थी, उसका एक प्रमुख कारण सरकार की योजना के लाभार्थी ही थे। एक समय में असंभव दिखनेवाले कार्यों को भी मोदी सरकार ने करके दिखाया है, इसलिए लोगों को विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी घोषणा-पत्र में जो वादे कर रहे हैं, वे चुनावी वादे नहीं है। भाजपा की सरकार उन्हें पूरा करने के सभी प्रयत्न करेगी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने, राम मंदिर बनाने और समान नागरिक संहिता लागू करने के भाजपा के वादों पर पहले कांग्रेस के लोग ही उपहास उड़ाया करते थे।

समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

ललित गर्ग

> मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है।

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने

उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है। देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है। भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं – "जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई"। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें। राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाठशाला के प्रधानाचार्य की तरह अपने दल के कार्यकर्ताओं को पाठ पढ़ाया कि वह झूठे एवं बेबुनियाद आरोपों की परवाह किए बिना तेजी से काम करें।

दृष्टि कोण

राष्ट्र निर्माण से जुड़े साधु समाज

मजबूत भारत-राष्ट्र निर्माण के लिए अनुषासित, चरित्रवान और संस्कारित समाज निर्माण की जरूरत है। इसके लिए साधु-संतों को आश्रमों से बाहर निकल कर आगे आना होगा। यह बात मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भगवत ने कही। यह बेहद महत्वपूर्ण बात है, क्योंकि आजकल ज्यादातर संत-समाज आश्रम बनाकर वहीं से संदेष देने का कार्य कर रहे हैं। याद रहे, शंकराचार्य ने साधु-संन्यासियों के सार्थक उपयोग के लिए ही चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की थी। इन मठों को ज्योर्तिमठ, श्रृंगेरी मठ्, गोवर्धन मठ और शारदा मठ के नामों से जाना जाता है। ये मठ धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे हैं। इतिहास गवाह है आजादी की लड़ाई में अखाड़ों से जुड़े बाबाओं ने महारानी लक्ष्मीबाई, नाना साहब और तात्या टोपे के साथ अंग्रेजों से युद्ध भी लड़े थे। कुछ साल पहले महाराष्ट्र के भोईरपाड़ा शिरडी के साई बाबा मंदिर न्यास और सुजलान कंपनी के सयुक्त प्रयासों के फलस्वरूप पवनचक्की परियोजनाओं से 14 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया था। यह बिजली महाराष्ट्र बिजली बोर्ड को बेच भी दी गई। न्यास ने 15 करोड़ का निवेश कर यह उपलब्धि हासिल की। न्यास पवन चक्कियों की संख्या बढाकर लागत राशि 6 साल के भीतर निकाल लेने की भी उम्मीद रखता है। राष्ट्र निर्माण से जुड़ी बुनियादी समस्याओं के समाधान की दिशा में किसी धार्मिक न्यास द्वारा की गई यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि अनेक संत अपने आश्रमों में संस्कृत विद्यालय, भंडार, अस्पताल और गौषालाएं चला रहे हैं। मानव शक्ति के रूप में भारत के पास विशाल साधु समाज है। जिसे अब तक आंतरिक चेतना एवं अतीन्द्रीय शक्तियों के नियंत्रण का ही मुख्य कारक एवं प्रतीक माना जाता रहा है। यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण संबंधी विकास कार्यों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं के हल में जुट जाएं तो राष्ट्र का बहुत भला हो सकता है। क्योंकि इस समाज के साथ अपार शारीरिक बल होने के साथ धार्मिक न्यासों की संपत्ति के रूप में अकूत आर्थिक बल भी है। दिवंगत जयगुरु देव बाबा के पास 1200 करोड़ की संपत्ति सार्वजनिक हुई है। सत्य सांई बाबा के पास भी अकूत दौलत के भण्डार मिले हैं। हालांकि सांई न्यास करीब 500 ग्रामों को अपनी ओर से पेयजल उपलब्ध कराता है और हजारों लोगों को शिक्षा व स्वास्थ्य की मुफ्त सेवा भी करता है। भ्रष्टाचार के चलते भारत का संस्थागत एवं प्रशासनिक ढ़ांचा गड़बड़ा हुआ है। ऐसे में मानवीय पक्षों को उभारते हुए धार्मिक ट्रस्ट और उनका संरक्षक साधु समाज विकास कार्यों से जुड़कर राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में सार्थक हस्तक्षेप कर सकता है। क्योंकि हताशा से भरी इस दुनिया में धर्म ही ऐसा इकलौता क्षेत्र है, जिसमें निर्विवाद रूप से उत्तरोत्तर विकास होता जा रहा है। भारत के मंदिरो, गुरुद्वारों, मस्जिदों और गिरिजाघरों में भक्तों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और भक्त सामथ्र्य से ज्यादा दिल खोलकर दान भी दे रहे है। भारत के हर परिर्वतनकारी युग में मठ, मंदिरों और साधुओं ने सास्कृतिक चेतना का नवजागरण कर राष्ट्र निर्माण को नया मोड़ देते हुए समय-समय पर उदात्त भावनाओं और मंगलकारी सिद्धान्तो का प्रतिपादन किया है। जिससे धर्म दीर्घकालीक सत्ताधारियों के राजनीतिक लाभ का हितपोषक न बना रहे। यही कारण है कि विश्वामित्र चाणक्य, महावीर, बुद्ध, जगतगुरू शंकरचार्य, गुरूनानक देव, चैतन्य महाप्रभु, दयानंद सरस्वाती, महर्षि अरविंद, विवेकानंद और ज्योतिबा फुले जैसे राष्ट्रप्रेमी स्वप्न दृष्टाओं ने इस देश को आततायी विदेशी अतिक्रमणकारियों से लड़ने की शक्ति देने के साथ अज्ञान, भूख, अराजकता और असमान समाजिक ढ़ांचे से जूझने की भी चुनौती व प्रेरणा आम जनमानस को दी। मध्ययुग के अंधकार से भारतीय जनमानस को कबीर, तुलसी, सूर, रैदास, दादू, मलूकदास और नानक देव जैसे संत कवियों ने ही उबारकर नवयुग के निर्माण की आधारशिला रखी थी। स्वतत्रता पूर्व भारत में करीब 60 लाख साधु थे लेकिन वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर एक करोड़ के ऊपर पहुंच गई है। हालांकि साधु समाज की इस गणना में रोगी, भिखारी, बाजीगर, सपेरे, नट, मदारी, लावारिस और अपाहिज भी शुमार हैं। इनकी संख्या 80 प्रतिशत है। पहुंचा हुआ साधु इन्हें साधु नहीं मानता। ऐसे ही साधुओं की बदौलत घर्म और नैतिकता का मूलमंत्र खंडित हो रहा है।

कुछ अलग

पर्यावरणीय जवाबदेही

यह जानते हुए भी कि प्रकृति के साथ इंसानी क्रूरता से उपजे ग्लोबल वार्मिंग संकट ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है, हमारी सरकारें इस गंभीर चुनौती के मुकाबले को लेकर उदासीन नजर आती हैं। आज दुनिया में हर साल करोड़ों लोगों को अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखे, बाढ़ व चक्रवातों की वजह से विस्थापन का दंश झेलना पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर खेतों में खाद्यान्न उत्पादकता में कमी आई है। साथ ही लाखों लोगों को अपने जीवन से हर साल हाथ धोना पड़ता है। लेकिन विकसित देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन पर बड़े सम्मेलनों के आयोजन के अलावा इस संकट से निपटने के लिये युद्धस्तर पर कोई कोशिश होती नजर नहीं आती। सिर्फ जुबानी जमाखर्च के अलावा कोई ठोस पहल विकसित व विकासशील देशों के स्तर पर अब तक नहीं हुई है। यही वजह है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभाव के प्रति सरकारी निष्क्रियता को चुनौती देने वाली स्विस वृद्ध महिलाओं द्वारा दायर याचिका पर यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला सरकारों की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऐतिहासिक आदेश इस बात पर बल देता है कि जलवायु परिवर्तन प्रभावों से सुरक्षा मांगना एक मौलिक मानव अधिकार है। निस्संदेह फैसला पूरे यूरोप के लिये एक नजीर होनी चाहिए। यह फैसला बताता है कि जलवायु संकट से निपटने की तत्काल जरूरत है। सरकारों को जलवायु अनुकूल नीतियों को लागू करने में दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी होगी। साथ ही सरकारों को जवाबदेह बनाने वाले सार्वजनिक दबाव व नागरिक सक्रियता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। निस्संदेह नागरिकों की जागरूकता को कमतर नहीं आंका जा सकता। जाहिर बात है कि यदि लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता व प्रत्याशा को जलवायु संकट बुरी तरह प्रभावित कर रहा हो तो सरकारें कैसे उदासीन बनी रह सकती हैं। तमाम अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन से जहां हमारी खाद्य शृंखला खतरे में है, वहीं तमाम तरह के नये-नये घातक रोग सामने आ रहे हैं। जिनसे निपटने के लिये तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। निश्चित रूप से यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला पूरे विश्व के लिये मार्गदर्शक साबित हो सकता है। हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसले में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जीवन रक्षा को हमारे संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों की श्रेणी में रखा था। कोर्ट ने माना था कि जलवायु परिवर्तन का असर सीधा जीवन के अधिकार पर पड़ता है। अदालत ने एक फैसले में कहा था कि जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से बचने के लिये नागरिकों के अधिकारों की दृष्टि से स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला यूरोपीय व अमेरिकी देशों की जलवायु नीतियों को भी नया आकार प्रदान करने में सहायक होगा। यह फैसला जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकारों के अंतर्संबंध को प्रदर्शित करते हुए बताता है कि पर्यावरणीय संकट के कारण हाशिये पर आने वाले समुदायों को तत्काल संरक्षण प्रदान करने की जरूरत है। पर्यावरण के स्तर पर उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियां समाज में हाशिये पर रहने वाले समाजों को असंगत रूप से प्रभावित करती हैं। साथ ही सामाजिक असमानता को बढ़ाती हैं। भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में जनजातियों के सामने भोजन व पानी का संकट पैदा हो रहा है। इन उपेक्षित समुदायों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं।

देश दुनिया से

स्वस्थ भारत की जननी है आंगनबाड़ी केंद्र

> आंगनबाड़ी केंद्रों का सफलतापूर्वक संचालन इन्हीं कार्यकर्ताओं, सहयोगिनियों और सहायिकाओं के माधयम से मुमकिन होता है। कई बार कम वेतन और विषम परिस्थितियों के बावजूद इन कार्यकर्ताओं, सहयोगिनियों और सहायिकाओं ने देश के नौनिहालों के शारीरिक और मानसिक विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। अक्सर समाचारपत्रों में कई महीनों तक इनके वेतन रुके होने की ख़बरें आती रहती हैं। जिससे इनकी आर्थिक परेशानियों को समझा जा सकता है। इसके बावजूद यह समर्पण और सेवा भाव से बच्चों के विकास के लिए तत्पर नज़र आती हैं। दरअसल सभी आंगनबाड़ी केंद्र भारत सरकार की आईसीडीएस योजना के तहत संचालित होती है। यह दुनिया का सबसे बड़ा समुदाय आधारित कार्यक्रम है।

एक अप्रैल से राजस्थान की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहयोगिनियों और सहायिकाओं के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई है। इससे आंगनबाड़ी से जुड़े सदस्यों को काफी लाभ पहुंचेगा। इस वक्त पूरे राज्य में 62,020 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किये जा रहे हैं। जिसके माध्यम से लाखों बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कुपोषण मुक्त बनाया जा रहा है। इन आंगनबाड़ी केंद्रों का सफलतापूर्वक संचालन इन्हीं कार्यकर्ताओं, सहयोगिनियों और सहायिकाओं के माधयम से मुमकिन होता है। कई बार कम वेतन और विषम परिस्थितियों के बावजूद इन कार्यकर्ताओं, सहयोगिनियों और सहायिकाओं ने देश के नौनिहालों के शारीरिक और मानसिक विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। अक्सर समाचारपत्रों में कई महीनों तक इनके वेतन रुके होने की ख़बरें आती रहती हैं। जिससे इनकी आर्थिक परेशानियों को समझा जा सकता है। इसके बावजूद यह समर्पण और सेवा भाव से बच्चों के विकास के लिए तत्पर नज़र आती हैं। दरअसल सभी आंगनबाड़ी केंद्र भारत सरकार की आईसीडीएस योजना के तहत संचालित होती है। यह दुनिया का सबसे बड़ा समुदाय आधारित कार्यक्रम है। जिसके माध्यम से लक्षित समुदाय के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा में सुधार लाना है। 02 अक्टूबर 1975 को शुरू की गई इस योजना ने अब तक देश के ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कुपोषण से मुक्त बनाया है। यही कारण है कि केंद्र से लेकर सभी राज्यों की सरकारों ने समय समय पर न केवल इस योजना को प्रोत्साहित किया है बल्कि अन्य कई योजनाओं को इससे जोड़ा भी है। जिसका परिणाम है कि ज़मीनी स्तर पर इसके सकारात्मक नतीजे भी देखने को मिलते रहे हैं। हालांकि कई बार इन्हें बच्चों के पंजीकरण और उनकी उपस्थिति से जुड़ी समस्याओं का इन्हें सामना भी करनी पड़ती है। इसका एक उदाहरण राज्य के बीकानेर स्थित कालू गांव है। जिला मुख्यालय से 92 किमी और लूणकरणसर ब्लॉक से 20 किमी की दूरी पर स्थित इस गांव में पिछले कई वर्षों से संचालित 6 आंगनबाड़ी केंद्रों पर सुचारु रूप से लक्ष्यों को हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। पंचायत से उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस गांव की जनसंख्या करीब 10334 है। इतनी बड़ी आबादी वाला यह गाँव 9 वार्डों में विभाजित है। यहां अनुसूचित जाति की संख्या लगभग 14।5 प्रतिशत है। इन सभी 6 आंगनबाड़ी केंद्रों में 0 से 6 साल की उम्र के लगभग 400 बच्चे पंजीकृत हैं। जिन्हें पूरक आहार के तहत प्रतिदिन दलिया और खिचड़ी दी जाती है ताकि बच्चों को कुपोषण मुक्त बना कर उनका सर्वांगीण विकास किया जा सके। लेकिन अक्सर इन पंजीकृत बच्चों और उनकी नियमित उपस्थिति से संबंधित कमियां रह जाती हैं। कई बार पंजीकरण से काफी कम बच्चे केंद्र पर आते हैं। इस संबंध में आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 6 की कार्यकर्ता पार्वती देवी का कहना है कि "यहां कुल 55 बच्चों का पंजीकरण है। जिसमें 0 से 3 साल के 29 बच्चे और 3 से 6 साल के 26 बच्चे पंजीकृत हैं। लेकिन केंद्र पर नियमित रूप से केवल 6 बच्चे ही आते हैं।" पंजीकरण के बावजूद बच्चों की कम संख्या के सवाल पर पार्वती देवी बताती हैं कि 'दरअसल इस गाँव का अधिकतर परिवार आर्थिक रूप से बहुत कमजोर है। ज्यादातर माता पिता दैनिक मजदूरी करने शहर जाते हैं। जहां से उन्हें लौटने में अक्सर शाम और कभी कभी देर रात हो जाती है। इतनी देर तक आंगनबाड़ी केंद्र खुला नहीं रह सकता है। इसलिए वह अपने बच्चों को आंगनबाड़ी में छोड़ने की जगह अपने साथ कार्य स्थल पर ले जाते हैं। हालांकि जो बच्चे केंद्र पर आते हैं उन्हें हम खुद घर से लाते और फिर वापस छोड़ कर आते हैं। केंद्र पर बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए उन्हें पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यहां पर बच्चों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध है। उनके लिए पीने के साफ पानी और शौचालय की अच्छी व्यवस्था उपलब्ध है। लेकिन कम बच्चों की उपस्थिति सभी के लिए चिंता का विषय है।" वहीं आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 3 की कार्यकर्ता सुशीला देवी कहती हैं कि "इस केंद्र में कुल 87 बच्चों का पंजीकरण हुआ है। जिसमें 0 से 3 साल के 60 बच्चे और 3 से 6 साल के 27 बच्चे पंजीकृत हैं। लेकिन नियमित रूप से केवल 13 बच्चे ही केंद्र पर आते हैं। इसका कारण भी केंद्र संख्या 6 की तरह है।" वह बताती हैं कि केंद्र में बच्चों को पूरक पोषित आहार के रूप में 540 ग्राम दलिया, 480 ग्राम खिचड़ी और 540 ग्राम सादा दलिया दिया जाता है।

आप का नजरिया

छात्रों की दर्दनाक मौत

हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित कनीना में ड्राइवर की लापरवाही से एक निजी स्कूल की बस के पेड़ से टकराने के बाद हुई दुर्घटना में छह छात्रों की मौत हृदय विदारक है। दो भाइयों की मौत से उनके परिवार पर क्या गुजर रही होगी, अहसास करना कठिन नहीं है। इस तरह के हादसे हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरते हैं। इसे एक दुर्घटना कहने की बजाय आपराधिक लापरवाही कहना उचित होगा। जिसमें स्कूल प्रबंधन, चालक तथा प्रशासन की काहिली की बराबर की जिम्मेदारी है। एक खटारा बस को शराबी चालक द्वारा बेलगाम रफ्तार से दौड़ाना एक आपराधिक कृत्य ही कहा जाएगा। सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब ईद पर राष्ट्रीय अवकाश था तो स्कूल क्यों खोला गया था? सार्वजनिक अवकाश के दिन स्कूल खोलने पर प्रबंधकों की जवाबदेही तय की जानी चहिए। इस दुर्घटना में कई स्तर पर आपराधिक लापरवाही नजर आती है। ग्रामीणों के अनुसार कई साल पहले इस बस के फिटनेस प्रमाणपत्र की अवधि खत्म हो चुकी थी, इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करते हुए इसे सड़कों पर चलाया जा रहा था। स्कूल प्रबंधन मोटी फीस वसूलने में तो लगा रहता है लेकिन उसे ख्याल क्यों नहीं आया कि बस का फिटनेस प्रमाणपत्र छह साल पहले खत्म हो चुका है। क्यों नहीं देखा कि ऐसे वाहन से तमाम बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है? सवाल उठना लाजिमी है कि बस की हालत और चालक की आदतों को देखते हुए इन मासूमों के जीवन को खतरे में डालने की स्थिति क्यों पैदा होने दी गई? सवाल पुलिस प्रशासन पर भी है कि क्यों बेलगाम गति से चलने वाले वाहनों की निगरानी का कोई तंत्र काम नहीं कर रहा है? विडंबना है कि हर हादसे के बाद शासन-प्रशासन चुस्ती दिखाता है और कुछ समय बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। कमोबेश इस घटना के बाद भी इसकी पुनरावृत्ति होगी। विडंबना यह है कि सरकारी स्कूलों की बदहाली से खिन्न होकर जागरूक अभिभावक अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यमों वाले प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। अभिभावकों की इसी सोच के चलते अनेक कारोबारियों, व्यापारियों तथा राजनेताओं ने बड़े नाम व चमक-दमक वाले निजी स्कूल खोल लिये हैं। लेकिन इन स्कूलों में शैक्षिक मानकों तथा छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं में घोर लापरवाही बरती जाती है। छात्रों से फीस तो मोटी ली जाती है लेकिन उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध नहीं करायी जाती। शिक्षकों को दिये जाने वाले वेतन को लेकर भी अकसर सवाल उठते रहते हैं। बेरोजगारी का आलम यह है कि कम वेतन व असुरक्षित सेवाओं के बावजूद शिक्षक व अन्य कर्मचारी मिल जाते हैं। कमोबेश यही स्थिति ड्राइवरों की भी है। चालक को इतना वेतन नहीं मिलता है कि प्रशिक्षित व अनुभवी चालक इन बसों में तैनात किये जा सकें। जिसका नतीजा महेंद्रगढ़ के कनीना में हुआ हादसा है। जिसके चालक पर आरोप है कि वह ड्यूटी के दौरान शराब पीकर नशे में बस को बेतहाशा दौड़ा रहा था। निस्संदेह, ऐसी स्थितियां ही दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। हमेशा की तरह शासन-प्रशासन ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है, परिवहन विभाग के किसी कनिष्ठ कर्मी को निलंबित किया है।

क्या चांदी के सिक्कों में दिखेंगे रामलला मुंबई सर्राफा बाजार में इन्हें लाने की अटकलें

नई दिल्ली,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुंबई सर्राफा बाजार में रामलला की छवि वाले चांदी के सिक्के जारी किए जाने की अटकलें लग रही हैं। सूत्रों के अनुसार कारोबारी जल्द ही ऐसे सिक्के लाकर इसे ऑफलाइन और ऑनलाइन बेचने की तैयारी कर रहे हैं। मुंबई के बुलियन बाजार से जुड़े कारोबारियों के अनुसार इन सिक्कों के डिजाइन, वजन और उपलब्धता को लेकर कारोबारियों के बीच सहमति बन गई है। अब इसे जल्द ही बाजार में पेश करने की तैयारी चल रही है। हालांकि, सर्राफा बाजार के कारोबारियों की ओर से अब तक इस बारे में आधिकारिक तौर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। बता दें कि विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर रामलला की तस्वीर अंकित चांदी के सिक्के पहले से ही बेचे जा रहे हैं।

सरकार भी जारी कर चुकी है श्रीराम से जुड़ी तीन स्मारिका सिक्के - 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद सरकार की ओर से भी रामलला से जुड़े तीन स्मारिका सिक्के जारी किए गए थे। फरवरी महीने में सरकार के स्वामित्व वाली सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के 19वें स्थापना दिवस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन्हें जारी किए थे। इन सिक्कों पर रामलला, राम जन्मभूमि मंदिर और अयोध्या की थीम अंकित थी। इन सिक्कों को 999 ग्राम शुद्ध चांदी से बनाया गया था।

कोटा में जारी किए गए थे श्रीराम मंदिर की तस्वीर वाले सिक्के - कोटा के श्री सर्राफा बोर्ड संस्था की ऐप व वेबसाइट कोटा सर्राफा डॉट इन की ओर से भी जनवरी में शुद्ध चांदी से बने राम मंदिर अंकित सिक्के जारी किए गए थे। राम मदिर की प्राण प्रतिष्ठा की खबरों के बीच व्यापारियों और ग्राहकों के बीच श्रीराम मंदिर अंकित चांदी के सिक्कों की बढ़ती डिमांड को देखते हुए इन्हें जारी किए गए थे।

ब्रिटिश काल में भी जारी किया गया था श्रीराम राम की तस्वीर अंकित सिक्का - खबरों अनुसार श्रीराम की तस्वीर अंकित सिक्का ब्रिटिश काल में भी जारी किया गया था। 161 साल पुराने इस सिक्के पर प्रभू श्रीराम के पूरे परिवार की छवि अंकित थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह सिक्का आज भी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के रमेश कोंडलकर के पास मौजूद है। कहा जाता है कि इस सिक्के को सन् 1862 में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन काल में जारी किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

पेप्सिको के उत्पाद बनाने वाली कंपनी ने गोरखपुर में लगाया कारखाना, ब्रोकरेज ने कहा- रॉकेट बनेगा शेयर

नई दिल्ली। दिग्गज बेवरेज कंपनी पेप्सिको के लिए बॉटल बनाने वाली वरुण बेवरेजेज की गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) फैक्ट्री से कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो गया है। कंपनी यहां सॉफ्ट ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक बनाती है। जयपुरिया फैमिली की प्रमोटेड कंपनी वरुण बेवरेजेज अपनी गोरखपुर वाले कारखाने में जूस और वैल्यू-एडेड डेयरी प्रोडक्ट्स का भी उत्पादन करेगी। गोरखपुर फैक्ट्री के बारे में क्या कहा कंपनी ने वरुण बेवरेजेज ने अपने गोरखपुर के ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट से उत्पादन शुरू होने की जानकारी देते हुए कहा कि वह इस फैसिलिटी में 1,100 करोड़ रुपये का और निवेश करेगी। कंपनी का कहना है कि वह 2024 में जूस और वैल्यू-एडेड डेयरी प्रोडक्ट्स सेगमेंट में प्रोडक्शन कैपिसिटी बढ़ाना चाहती है। वरुण बेवरेजेज कुल 6 देशों में कारोबार करती है। इनमें तीन भारतीय उपमहाद्वीप में हैं- भारत, श्रीलंका और नेपाल। इनकी कंपनी की कुल बिक्री में 83 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, बाकी 17 प्रतिशत कमाई तीन अफ्रीकी देशों- मोरक्को, जांबिया और जिम्बाब्वे होती है। वहीं, पेप्सिको की भारत में कुल बेवरेज बिक्री में वरुण बेवरेजेज की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक है। यह पेप्सिको के अधिकतर उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग, मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूटिंग करती है। इसमें कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक, कार्बोनेटेड जूस-बेस्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक, स्पोर्ट्स ड्रिंक और पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर शामिल हैं। वरुण बेवरेजेज के शेयर का हाल वरुण बेवरेजेज के शेयर 2.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,389.65 रुपये पर बंद हुए। इसने पिछले 6 महीने में 50 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले एक साल में निवेशकों को वरुण बेवरेजेज से 91 प्रतिशत का मुनाफा मिला है। कई ब्रोकरेज ने 1649 से 1799 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ वरुण बेवरेजेज को रेटिंग दी है।

देश के कई राज्यों पेट्रोल-डीजल की कीमत में हुआ बदलाव, ब्रेंट क्रूड 90.45 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड

85.66 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 90.45 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। हरियाणा में रविवार को पेट्रोल की कीमत में 30 पैसे और डीजल में 29 पैसे की तेजी आई है। पंजाब में पेट्रोल 30 पैसे और डीजल 34 पैसे महंगा हो गया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और गुजरात में पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। दूसरी ओर राजस्थान में पेट्रोल 39 पैसे और डीजल 34 पैसे सस्ता हो गया है। महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में 10 पैसे से ज्यादा की गिरावट है। केरल, गोवा और ओडिशा में भी पेट्रोल-डीजल के भाव गिरे हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 94.34 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.53 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.52 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पाइप बनाने वाली इस कंपनी ने निवेशकों को कर दिया मालामाल

मुंबई । शेयर बाजार में कुछ स्टॉक ने पहले निवेशकों का नुकसान कराया और फिर अब पैसा कमा कर दे रहे हैं। इसमें एक शेयर पाइप बनाने वाली कंपनी के हैं।कंपनी का नाम किसान मोल्डिंग्स लिमिटेड है। इस कंपनी के शेयर हर दिन अपर सर्किट लगा रहे हैं। एक साल के दौरान किसान मोल्डिंग्स के शेयर ने तगड़ा रिटर्न दिया है। एक साल में कंपनी के स्टॉक्स ने 741 फीसदी का रिटर्न दिया है। किसान मोल्डिंग्स के शेयर का 52वीं का लो लेवल 7.33 रुपये प्रति शेयर था, जो अब 72 रुपये के ऊपर कारोबार कर रहा है। इस अवधि के दौरान कंपनी ने 800 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। वहीं 29 जनवरी 2024 को इस कंपनी के शेयर 14 रुपये के भाव पर थे, जहां से अबतक निवेशकों को इस स्टॉक ने 400 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं एक जनवरी को किसान मोल्डिंग्स के शेयर इस साल1 जनवरी को 13 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहे थे। जनवरी से लेकर 10 अप्रैल 2024 तक इस शेयर ने 423 फीसदी का रिटर्न निवेशकों को दिया है। हालांकि पांच साल के दौरान इस स्टॉक में 46 फीसदी की तेजी आई है। 1995 से लेकर आज तक इस तक में सिर्फ 311 फीसदी की तेजी आई है।

एयरटेल का मार्केट-कैप एक हफ्ते में 19,029 करोड़ बढ़ा

टॉप-10 कंपनियों में से 7 की वैल्यू 59,404 करोड़ बढ़ी, एचडीएफसी की 23,170 करोड़ कम हुई वैल्यू

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

मार्केट वैल्यूएशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप पिछले हफ्ते 59,404.85 करोड़ बढ़ा है। इनमें एयरटेल का मार्केट कैप सबसे ज्यादा 19,029.37 करोड़ बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप अब 6.93 लाख करोड़ हो गया है।

वहीं,आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट-कैप 15,363.23 करोड़ बढ़कर 7.75 लाख करोड़ और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 10,250.02 करोड़ बढ़कर 19.86 लाख करोड़ हो गया है। इनके अलावा, टीसीएस, इंफोसिस और एसबीआई का भी मार्केट कैप बढ़ा है।

एचडीएफसी मार्केट-कैप एक हफ्ते में 23,170 करोड़ गिरा

जबकि, एचडीएफसी बैंक पिछले हफ्ते मार्केट का सबसे बड़ा लूजर रहा है। इस दौरान कंपनी की मार्केट वैल्यू में 23,170.58 करोड़ की कमी आई है। अब कंपनी का मार्केट कैप 11.54 लाख करोड़ रह गया है। इसके अलावा लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की वैल्यू 13,440.62 करोड़ और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड की 8,153.08 करोड़ कम हुई है।

12 अप्रैल को 793 अंक गिरकर बंद हुआ था बजार

शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 12 अप्रैल को गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 793 अंक की गिरावट के साथ 74,244 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 234 अंक की गिरावट रही, ये 22,519 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में गिरावट रही और सिर्फ 4 में तेजी देखने को मिली।

एनएसई के सभी सेक्टर में गिरावट

वहीं,एनएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली। पीएसयू बैंक, फार्मा, मीडिया और एफएमसीजी सेक्टर में 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही। बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज,आईटी, मेटल, प्रावेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। मार्केट कैप कैसे काम आता है किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।

कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

इस सप्ताह 21 भारतीय स्टार्टअप्स ने जुटाई 10 करोड़ डॉलर से अधिक की पूंजी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

इस सप्ताह देश में 21 स्टार्टअप्स ने लगभग 10.5 करोड़ डॉलर की नई पूंजी जुटाई।इनट्रैकर की रिपोर्ट के अनुसार, इसमें विकास-चरण के छह सौदे और प्रारंभिक-चरण के 12 सौदे शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, एक विकास-चरण स्टार्टअप और दो प्रारंभिक-चरण स्टार्टअप्स ने जुटाई गई राशि का खुलासा नहीं किया। लगभग 30 शुरुआती और विकास-चरण वाले स्टार्टअप्स ने इससे पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से लगभग 17.271 करोड़ डॉलर जुटाए थे। छह स्टार्टअप्स ने इस सप्ताह विकास-चरण सौदों के बीच 5.45 करोड़ डॉलर जुटाए। अनुपालन स्वचालन प्लेटफ़ॉर्म स्प्रिंटो ने दो करोड़ डॉलर की उच्चतम धनराशि प्राप्त की। इसके बाद बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) अपशिष्ट प्रबंधन और रीसाइक्लिंग मार्केटप्लेस रिसाइकल, हाउसिंग फाइनेंस फर्म एविओम एचएफसी, डिजिटल ऋणदाता एक्सियो और मेडिकल डायग्नोस्टिक्स प्लेटफॉर्म 5सी नेटवर्क ने क्रमशः 1.3 करोड़, एक करोड़, 60 लाख और तीन लाख डॉलर जुटाए।

इसके अलावा, इस सप्ताह के दौरान 12 शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स ने सामूहिक रूप से पांच करोड़ डॉलर की फंडिंग हासिल की।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्लाउड और प्लेटफॉर्म-एज-ए-सर्विस स्टार्टअप नेयसा इस सूची में सबसे ऊपर है। इसके बाद एआई-संचालित राजस्व सक्षम प्लेटफॉर्म जीटीएम बडी, अंडरवाटर विजुअल निरीक्षण सेवा प्रदाता प्लानिस टेक्नोलॉजीज और अंडरवाटर विजुअल निरीक्षण सेवा प्रदाता प्लानिस टेक्नोलॉजीज हैं।

सूची में बाल चिकित्सा व्यवहार और विकासात्मक स्वास्थ्य फर्म बटरफ्लाई लर्निंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म ऑटोनेक्स्ट ऑटोमेशन, फुल स्टैक आईवियर प्लेटफॉर्म, आईमाईआई, एल्डर केयर स्टार्टअप एज केयर लैब्स और हेल्थकेयर स्टार्टअप प्लैटिनमआरएक्स समेत अन्य शामिल हैं।

शहर-वार, बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप्स आठ फंडिंग सौदों के साथ सबसे आगे रहे, इसके बाद मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, चेन्नई, कानपुर और हैदराबाद रहे।

बॉर्नविटा पर सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को दी हिदायत, कहा- हेल्थ ड्रिंक्स कैटेगरी से हटाएं

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने ई-कॉमर्स कंपनियों को एडवाइजरी जारी कर उन्हें अपने पोर्टल और प्लेटफॉर्म्स पर बोर्नविटा समेत सभी ड्रिंक्स और बेवरेज को हेल्थ ड्रिंक्स की श्रेणी से हटाने का निर्देश दिया है। 10 अप्रैल को जारी अधिसूचना में मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सीआरपीसी अधिनियम 2005 की धारा 14 के तहत अपनी जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि देश में खाद्य कानूनों के तहत कोई भी ड्रिंक स्वास्थ्य पेय या हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में परिभाषित नहीं है। एनसीपीसीआर की ओर से की गई जांच के बाद यह बात सामने आई है बोर्नविटा में चीनी का स्तर स्वीकार्य सीमा से अधिक होता है। इससे पहले, एनसीपीसीआर ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की अपील की थी जो सुरक्षा मानकों और दिशानिर्देशों को पूरा करने में विफल रहे हैं। कुछ कंपनियों पर आरोप है कि वे पावर सप्लिमेंट्स

को स्वास्थ्य पेय के रूप में पेश कर रहे हैं। नियामक के अनुसार, देश के खाद्य कानूनों में स्वास्थ्य पेय (हेल्थ ड्रिंक्स) को परिभाषित नहीं किया गया है और इस नाम पर कुछ भी बेचना नियमों का उल्लंघन है। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में, एफएसएसएआई ने भी ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को डेयरी-आधारित या माल्ट-आधारित पेय पदार्थों को स्वास्थ्य पेय के रूप में लेबल नहीं करने का निर्देश दिया था। पिछले साल, शीर्ष बाल अधिकार निकाय एनसीपीसीआर ने मोंडेलेज इंडिया के स्वामित्व वाली ब्रांड बोर्नविटा को सभी भ्रामक विज्ञापनों, पैकेजिंग और लेबल को वापस लेने का निर्देश दिया था।

पीपीएफ में निवेश से तैयार होगा 1 करोड़ का फंड: इसमें मिल रहा 7.1 प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

नया वित्त वर्ष 2024-25 शुरू हो चुका है। बेहतर होगा कि आप फाइनेंशियल प्लानिंग भी अभी से शुरू कर लें, ताकि टैक्स छूट का अधिकतम लाभ उठा पाएं और अगली मार्च तक आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाए। अगर आप आसानी से बड़ा फंड तैयार करना चाहते है तो पब्लिक प्रॉविडेंट फंड स्कीम आपके इस काम को आसान बना सकती है।

इस स्कीम के तहत फिलहाल 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इसमें आपको टैक्स छूट का फायदा भी मिलता है। इसमें निवेश करके आप 1 करोड़ से ज्यादा का फंड तैयार कर सकते हैं। हम आपको इस स्कीम के साथ यह भी बता रहे हैं कि आप हर महीने कितना निवेश

करके कितना फंड तैयार कर सकते हैं।

500 रुपए में खोल सकते हैं अकाउंट

पीपीएफ अकाउंट खोलने के लिए आवश्यक न्यूनतम राशि 500 रुपए है। किसी वित्त वर्ष में न्यूनतम 500 रुपए जमा करने की जरूरत है, जबकि अधिकतम निवेश सीमा 1.5 लाख रुपए सालाना तय की गई है। 15 साल का रहता है मैच्योरिटी पीरियड पीपीएफ अकाउंट 15 साल में मैच्योर होता है। आप चाहे तो मैच्योरिटी के बाद पूरा पैसा निकाल सकते हैं।हालांकि अगर आपको पैसे की जरूरत नहीं है तो इसे 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।इसके लिए मैच्योरिटी पूरा होने के एक साल पहले ही बढ़ाना होगा। 5 साल का रहता है लॉक इन पीरियड हालांकि पीपीएफ अकाउंट खोलने वाले साल के बाद 5 साल तक इस खाते से पैसा नहीं निकाला जा सकता। ये अवधि पूरा होने के बाद फॉर्म 2 भर कर पैसा निकाला जा सकेगा। हालांकि 15 साल साल पहले पैसा निकालने पर आपके फंड से 1 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। हर महीने 12,500 रुपए निवेश करने पर मिलेंगे 1.02 करोड़ रुपए इस स्कीम के जरिए अगर आप 1 करोड़ रुपए का फंड तैयार करना चाहते हैं तो आपको 25 साल तक हर महीने 12,500 रुपए निवेश करने होंगे। वहीं अगर आप 10 हजार रुपए महीना निवेश करते हैं तो आपको 25 साल बाद लगभग 81.76 लाख रुपए मिलेंगे। यहां जानें इसमें निवेश करने पर आपको कितना फायदा होगा।

इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने के मामले में दूसरे नंबर पर रही कंपनी पर भ्रष्टाचार का केस, सीबीआई ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

चुनावी बॉन्ड खरीदने के मामले में दूसरे नंबर पर रही कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई सीबीआई ने की है।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बताया है कि मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट और इस्पात मंत्रालय के आठ अधिकारियों के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के मामले में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई 315 करोड़ रुपये की परियोजना के निष्पादन में हुई गड़बड़ियों के मामले में की गई है। सीबीआई ने शनिवार को यह जानकारी दी है।

कंपनी पर कथित तौर पर अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप

जांच एजेंसी ने बताया हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ कथित तौर पर रिश्वत देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस कंपनी ने 966 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड्स खरीदे थे और इस मामले में दूसरे नंबर पर रही थी।

सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि जगदलपुर एकीकृत इस्पात संयंत्र से संबंधित

कार्यों के सिलसिले में मेघा इंजीनियरिंग के 174 करोड़ रुपये के बिलों को मंजूरी देने के लिए कथित तौर पर 78 लाख रुपये की रिश्वत दी गई। सीबीआई के अनुसार रिश्वत स्वीकार करने के आरोप में एनआईएसपी और एनएमडीसी के आठ अधिकारियों और मेकॉन के दो अधिकारियों के नाम भी प्राथमिकी में शामिल किए गए हैं।

कंपनी के बॉन्ड्स को भाजपा, कांग्रेस व बीआरएस समेत कई पार्टियों ने भुनाए

चुनाव आयोग की ओर से बीते 21 मार्च को जारी आंकड़ों के अनुसार, मेघा इंजीनियरिंग का नाम चुनावी बॉन्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार कंपनी के रूप में सामने आया था। कंपनी ने 966 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड्स खरीदे थे। आंकड़ों के अनुसार कंपनी की ओर से भाजपा को सबसे अधिक 586 करोड़ रुपये दान किए गए थे।

कंपनी ने बीआरएस को 195 करोड़ रुपये, डीएमके को 85 करोड़ रुपये और वाईएसआरसीपी को 37 करोड़ रुपये का दान दिया है। कंपनी से टीडीपी को करीब 25 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 17 करोड़ रुपये मिले। जेडी-एस, जन सेना पार्टी और जेडी-यू को 5 करोड़ रुपये से लेकर 10 करोड़ रुपये तक की राशि कंपनी की ओर से दी गई थी।

जिस मामले में केस दर्ज किया गया वह क्या है यहां समझें

सार्वजनिक की गई प्राथमिकी के अनुसार, सीबीआई ने 10 अगस्त, 2023 को एकीकृत इस्पात संयंत्र जगदलपुर में इनटेक वेल और पंप हाउस और क्रॉस-कंट्री पाइपलाइन के कार्यों से संबंधित 315 करोड़ रुपये की परियोजना में कथित रिश्वत देने मामले में प्रारंभिक जांच शुरू की थी। यह परियोजना मेघा इंजीनियरिंग को सौंपी गई थी। प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के आधार पर, 18 मार्च को कथित रिश्वत मामले में एक नियमित मामला दर्ज करने की सिफारिश की गई थी जो 31 मार्च को दायर की गई।

सीबीआई ने एनआईएसपी और एनएमडीसी लिमिटेड के आठ अधिकारियों- सेवानिवृत्त कार्यकारी निदेशक प्रशांत दास, निदेशक (उत्पादन) डीके मोहंती, डीजीएम पीके भुइयां, डीएम नरेश बाबू, वरिष्ठ प्रबंधक सुब्रो बनर्जी, सेवानिवृत्त सीजीएम (वित्त) एल कृष्ण मोहन, महाप्रबंधक (वित्त) के राजशेखर, प्रबंधक (वित्त) सोमनाथ घोष को नामजद किया है। इन पर कथित तौर पर 73.85 लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप है।

सीबीआई ने प्राथमिकी में मेकॉन लिमिटेड के दो अधिकारियों -एजीएम (अनुबंध) संजीव सहाय और डीजीएम (अनुबंध) के इलावरसू का भी नाम लिया है। इन पर कथित तौर पर 174.41 करोड़ रुपये के भुगतान के बदले 5.01 लाख रुपये लेने का आरोप है। ये भुगतान सुभाष चंद्र संगरा, महाप्रबंधक, एमईआईएल, मेघा इंजीनियरिंग और अन्य अज्ञात लागों को 73 चालान के जरिए किया गया था। चंद्रा और मेघा इंजीनियरिंग को भी मामले में आरोपी बनाया गया है।

मुक्केबाजी में आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर के लिए अमित पंघाल भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता अमित पंघाल ने बैंकाक में 25 मई से दो जून तक होने वाले आखिरी ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिये भारतीय मुक्केबाजी टीम में वापसी की है। पिछले महीने इटली में ओलंपिक क्वालीफायर में खराब प्रदर्शन के बाद पांच मुक्केबाजों को दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिये टीम में जगह नहीं मिली है। भारत के हाई परफॉर्मेंस निदेशक बर्नार्ड डुन्ने को भी पद छोड़ना पड़ा।

विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किले) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किलो), छह बार के एशियाई चैम्पियनशिप पदक विजेता शिवा थापा (63.5 किलो), मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन लक्ष्य चाहर (80 किलो) और 2022 राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता जे लम्बोरिया (60 किलो) को टीम में जगह नहीं मिली है। विश्व चैम्पियनशिप 2019 रजत पदक, 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2024 स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक विजेता पंघाल के पास दूसरे ओलंपिक में जगह पक्की करने का यह आखिरी मौका है।

राष्ट्रीय चैम्पियन सचिन सिवाच (57 किलो) को भी टीम में जगह मिली है। हिमाचल प्रदेश के अबिनाश जामवाल 63.5 किलो वर्ग में थापा की जगह खेलेंगे जबकि अभिमन्यु लाउरा ने 80 किलो में लक्ष्य की जगह ली है। अभी तक भारत के किसी भी पुरूष मुक्केबाज ने ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है। अभी तक निकहत जरीन (50 किलो), प्रीति पंवार (54 किलो) परवीन हुड्डा (57 किलो) और लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) ही ओलंपिक कोटा हासिल कर सकी हैं। महिला वर्ग में अंकुशिता बोरो इटली में 66 किलो में कोटा हासिल नहीं कर सकी जो 60 किलो में उतरेंगी।

टीम :

पुरूष : अमित पंघाल (51 किलो), सचिन सिवाच जूनियर (57 किलो), अबिनाश जामवाल (63.5 किलो), निशांत देव (71 किलो), अभिमन्यु लाउरा (80 किलो), संजीत (92 किलो) और नरेंदर बरवाल (प्लस 92 किलो)

महिला : अंकुशिता बोरो (60 किलो), अरूंधति चौधरी (66 किलो)।

न्यूज ब्रीफ

कंधे की चोट के कारण 7-10 दिनों तक एक्शन से बाहर धवन

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन कंधे की चोट के कारण 7 या 10 दिनों के लिए मैदान से बाहर हो सकते हैं।

पीबीकेएस के क्रिकेट विकास प्रमुख संजय बांगड़ ने इसकी पुष्टि की है। अगर धवन एक हफ्ते के लिए बेंच पर बैठते हैं तो वह आईपीएल 2024 के दो पीबीकेएस घरेलू मैच, मुंबई इंडियंस के खिलाफ (18 अप्रैल) और गुजरात टाइटंस (21 अप्रैल) से चूक सकते हैं। संजय बांगर ने कहा, कंधे में चोट के कारण धवन टीम से बाहर हैं। इसलिए, मैं कहूंगा कि उसके कुछ दिनों के लिए खेल से बाहर रहने की संभावना है। एक अनुभवी सलामी बल्लेबाज, शिखर जैसा कोई, जिसके पास खेलने का अनुभव है ऐसे विकेट पर टीम के लिए बेहद अहम हो जाता है। धवन राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ पीबीकेएस के मैच में भी नहीं खेल पाए। सैम करन ने उनकी जगह टीम की कप्तानी संभाली। बांगड़ ने किंग्स की तीन विकेट से हार के बाद कहा, हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि वह उपचार के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देता है, लेकिन फिलहाल ऐसा लगता है कि वह कम से कम सात से 10 दिनों के लिए मैदान से बाहर हो सकता है। धवन की अनुपस्थिति में राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ पंजाब की टीम की कमान सैम करन के पास थी। जब करन टॉस करने आए तो यह थोड़ा सा चौंकाने वाला फ़ैसला लगा था, क्योंकि जितेश शर्मा ने सीज़न की शुरुआत से पहले चेन्नई में कप्तानों के सम्मेलन में भाग लिया था।

जेक फ्रेजर ये सिर्फ ट्रेलर... संकट में आया गिल का रिकॉर्ड

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 22 साल के जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल डेब्यू किया।

जेक फ्रेजर को आईपीएल नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को रूप में दिल्ली ने अपने साथ जोड़ा था। अपने आईपीएल करियर की दूसरी ही गेंद पर जेक फ्रेजर ने छक्के से अपना खाता खोला। उनका दूसरा स्कोरिंग शॉट भी छक्का था। उनका दूसरा छक्का 96 मीटर लंबा था। युवा विदेशी बल्लेबाजों के लिए भारतीय सरजमीन पर में आकर रन बनाना इतना आसान नहीं होता। कई बल्लेबाज आते हैं लेकिन स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट जाते हैं। लेकिन जेक फ्रेजर के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने आईपीएल के सबसे कंजूस गेंदबाजों में शामिल क्रुणाल पंड्या की ही खबर ले ली। क्रुणाल के खिलाफ हैट्रिक छक्का जड़ने के साथ ही उन्होंने सिर्फ 31 गेंदों पर डेब्यू मैच में ही फिफ्टी ठोक दी। जेक फ्रेजर ने 35 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेली, जिसकी हर जगह चर्चा हो रही है। लेकिन यह सिर्फ ट्रेलर है। मैकगर्क इससे कहीं ज्यादा खतरनाक बैटिंग कर सकते हैं। प्रोफेशनल क्रिकेट का सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड मैकगर्क के ही नाम है। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में शतक ठोका था। उसके पहले सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। गेल ने आईपीएल में 30 गेंदों पर सेंचुरी ठोकी थी। अब उनके आईपीएल में आने यह यह रिकॉर्ड भी खतरे में है। लखनऊ की पिच पर गेंदबाजों के लिए भी मदद थी। इसके बाद भी मैकगर्क ने तेजी से रन बनाए।

अक्षय भाटिया राउंड 3 के अंत में फिसले, शेफ़लर ऑगस्टा में एकल बढ़त पर

ऑगस्टा। भारतीय अमेरिकी अक्षय भाटिया को 16-17 पर दो होल के मामले में तीन शॉट का नुकसान उठाना पड़ा और इसके साथ ही उन्होंने एक साल पहले साहिथ थीगाला की तरह शीर्ष -10 में जगह बनाने का मौका खो दिया भाटिया (72-75-72) पहले से ही पीजीए टूर पर दो बार विजेता, 5-ओवर और संयुक्त-28 थे, जबकि एक अन्य भारतीय अमेरिकी साहिथ थीगाला ने लगातार तीसरा 74 का शॉट लगाकर 6-ओवर और संयुक्त-36वां स्थान प्राप्त किया, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी शेफ़लर ने बैक नाइन में दो-दो बर्डी और बोगी के साथ रोलर-कोस्टर खेला, इसके अलावा अपने दूसरे नाइन में एक ईगल और एक डबल लगाया. 66-72-71 के साथ वह अब 7-अंडर और एकल बढ़त पर हैं. शेफ़लर से पीछे दो बार के मेजर विजेता, कॉलिन मोरीकावा (6-अंडर) हैं और उनका पीछा मैक्स होमा (5-अंडर), नौसिखिया लुडविग एबर्ग (4-अंडर) और ब्रायसन डीचैम्ब्यू (3-अंडर) कर रहे हैं. पांच बार के मास्टर्स विजेता टाइगर वुड्स ने ऑगस्टा नेशनल में अपना सबसे खराब 82 का स्कोर किया, क्योंकि एक दिन पहले रिकॉर्ड संख्या में सीधे कट लगाने के बाद वह लीडरबोर्ड में नीचे खिसक गए।

रोहित का शतक हुआ बेकार, चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 20 रनों से हराया

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (69), शिवम दुबे नाबाद (66) रन और आखिरी ओवर में महेन्द्र सिंह धोनी के चार गेंदों में (20) रनों की छक्कों वाली पारियों और उसके बाद मथीशा पथिराना ने 14 रन देकर चार विकेट की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 29वें मुकाबले में मुम्बई इंडियंस को 20 रनों से हरा दिया। रोहित शर्मा की 105 रनों की नाबाद शतकीय पारी पर महेन्द्र सिंह धोनी की चार गेंदों में 20 रनों की पारी पड़ी भारी। यह ही 20 रन मुम्बई की हार का कारण बने।

मुम्बई इंडियंस ने 207 रनों के लक्ष्य का पीछा हुए अच्छी शुरुआत की। रोहित शर्मा और इशान किशान की सलामी जोड़ी पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। आठवें ओवर में इशान किशन को पथिराना ने शार्दुल के हाथों कैच आउट कराकर मुम्बई को पहला झटका दिया। इशान किशन ने 15 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से (23) रन बनाये। इसके बाद सूर्यकुमार यादव बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। तिलक वर्मा ने 20 गेंदों में (31) रनों की पारी खेली। कप्तान हार्दिक पंड्या (2), मोहम्मद नबी (2) रन, टिम डेविड (13) रन, रोमारियो शेफर्ड (1) रन बनाकर आउट हुये। इस दौरान रोहित शर्मा एक छोर थामे हुए लगातार रन बनाते रहे। रोहित ने 63 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए नाबाद (105) रनों की पारी खेली लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। मोहम्मद नबी चार रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी और 20 रन से मुकाबला हार गई।

चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से मथीशा पथिराना ने 14 रन देकर चार विकेट लिये। तुषार देशपांडे और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (69), शिवम दुबे नाबाद (66) रन और आखिरी ओवर में महेन्द्र सिंह धोनी के चार गेंदों में (20) रनों की छक्कों वाली पारियों की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने मुम्बई इंडियंस को जीत के लिए 207 रनों का लक्ष्य दिया था। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (5) रन का विकेट दूसरे ही ओवर में गवां दिया। इसके बाद आठवें ओवर में रचिन रविंद्र 16 गेंदों में (21) रन बनाकर पवेलिय लौट गये। ऋतुराज और शिवम ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिये 90 रन जोड़े। ऋतुराज गायकवाड़ ने 40 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए (69)रन बनाये। शिवम दुबे 38 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (66) रन पर नाबाद रहे। डैरिल मिचेल 14 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुये। महेन्द्र सिंह धोनी ने आखिरी चार गेंदों में नाबाद 20 रन ठोकर टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। चेन्नई की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 206 का स्कोर खड़ा किया। मुम्बई की ओर से हार्दिक पंड्या ने दो विकेट लिये। गेराल्ड कोएत्जी, श्रेयस गोपाल एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

कोलकाता की लखनऊ पर इंडियन प्रीमियर लीग में पहली जीत

8 विकेट से हराया, सॉल्ट का नाबाद अर्धशतक स्टार्क ने तीन विकेट लिए

कोलकाता, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

कोलकाता नाइटराइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में पहली बार लखनऊ सुपर जायंट्स को हराया। कोलकाता की 17वें सीजन की यह चौथी जीत है। सीजन के 28वें मैच में रविवार को कोलकाता ने लखनऊ को 8 विकेट से हराया।

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कोलकाता ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। लखनऊ ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 161 रन बनाए। जवाब में कोलकाता ने 15.4 ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कोलकाता की तरफ से ओपनर फिल सॉल्ट ने नाबाद अर्धशतक (89 रन) लगाया।

लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से लेफ्ट हैंड बैटर निकोलस पूरन ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 32 बॉल पर 45 रन की पारी खेली। उनके अलावा कप्तान केएल राहुल ने 39 और आयुष बडोनी ने 29 रन बनाए। कोलकाता की तरफ से मिचेल स्टार्क ने तीन विकेट झटके। वैभव अरोड़ा, आंद्रे रसेल, वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन को एक-एक विकेट मिला।

टारगेट का पीछा करने उतरी कोलकाता के लिए ओपनर फिल सॉल्ट ने नाबाद अर्धशतक लगाया। उन्होंने 47 बॉल पर 89 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 38 रन बनाए। सुनील नरेन ने 6 और अंगकृष रघुवंशी 7 रन बनाए। लखनऊ की ओर से दोनों विकेट मोहसिन खान ने लिए।

टी20 वर्ल्ड कप खेलेंगे युजवेंद्र चहल पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बड़ी भविष्यवाणी करते हुए कही यह बात

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजों ने आईपीएल 2024 के 27वें मैच में दमदार प्रदर्शन किया। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर राजस्थान ने पंजाब को किंग्स को सिर्फ 147/8 पर रोक दिया। केशव महाराज ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट चटकाए। वहीं, युजवेंद्र चहल को एक विकेट मिला।

युजवेंद्र चहल ने प्रभसिमरन को आउट कर आईपीएल में अपने कुल विकेटों की संख्या को 200 के और करीब पहुंच दिया। भारतीय स्टार स्पिनर युवजवेंद्र चहल के नाम आईपीएल में 198 विकेट दर्ज हो गए हैं। वह इस लिस्ट में टॉप पर हैं। उसके आप-पास भी कोई नहीं है। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व गेंदबाज ड्वेन ब्रावो 183 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

वसीम जाफर ने की बड़ी भविष्यवाणी

आईपीएल 2024 में अभी तक खेले 6 मैचों में युजवेंद्र चहल 11 विकेट ले चुके हैं। उनके सिर पर फिलहाल पर्पल कैप सजी हुई है। युजवेंद्र चहल के प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर ने बड़ी भविष्यवाणी की है। जाफर का मानना है कि वह टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

100 टी20 विकेट से मात्र 4 कदम दूर

बता दें कि युजवेंद्र चहल ने भारत के लिए अभी तक 80 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान 25.9 और 8.19 की इकॉनमी से 96 विकेट लिए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में युजवेंद्र चहल एक बार पांच विकेट लेने का कमाल कर चुके हैं। युजवेंद्र चहल अपने शानदार प्रदर्शन के बावजूद साल 2021 और 2022 टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेल पाए थे।

भारतीय महिला पहलवानों का जलवा, राधिका को मिला रजत, शिवानी को कांस्य पदक

बिश्केक, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने जलवा बिखेरा। राधिका ने 68 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि शिवानी पवार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। एशियाई चैंपियनशिप में राधिका का यह दूसरा पदक है।

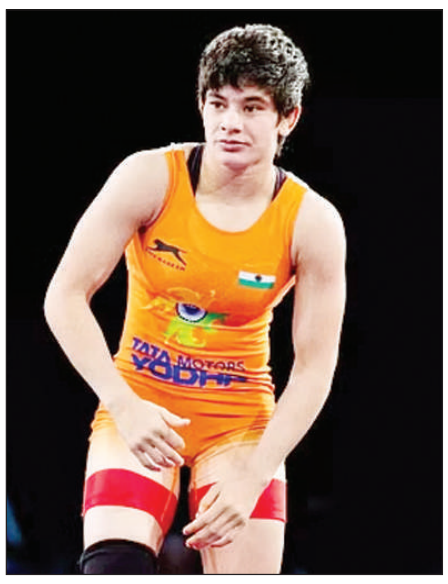

राधिका ने 2022 में भी जीता था रजत

पिछले साल अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली राधिका 2022 सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में भी दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने कजाखस्तान की अलबीना के को पहले मुकाबले में तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। इसके बाद किर्गिस्तान की गुलनूरा ताशतांबेकोवा को मात दी। हालांकि, उन्हें स्वर्ण पदक के मुकाबले में जापान की नोनोका ओजाकी से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा।

क्वार्टर फाइनल में मिली हार के बाद शिवानी ने की वापसी

भारत की एक अन्य पहलवान शिवानी पवार को 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जिकि फेंग से हार गईं थी, लेकिन चीन की इस पहलवान के फाइनल में पहुंचने के बाद उन्होंने रेपचेज के जरिये कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बना ली। उन्होंने मंगोलिया की ओट्गोनजार्गल डोल्गोज्राव को 9-7 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, 55 किग्रा वर्ग में तमन्ना को क्वलीफिकेशन दौर में जापान की मोए कियूका ने 9-0 से हराया, लेकिन कियूका के फाइनल में पहुंचने से तमन्ना भी पदक की दौड़ में शामिल हो गईं। वह हालांकि मौके का फायदा नहीं उठा सकीं और रेपचेज राउंड में उन्हें चीन की मिन यांग से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा।

अन्य भारतीय पहलवानों को मिली हार

भारत के पास रेपचेज के जरिये अन्य वर्गों में पदक हासिल करने का मौका था, लेकिन अन्य पहलवान इस मौके का फायदा नहीं उठा सके। पुष्पा यादव (59 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा) भी उन्हें हराने वाली पहलवानों के फाइनल में पहुंचने से पदक की दौड़ में शामिल हो गई थीं, लेकिन इन दोनों भारतीय पहलवानों को हार का सामना करना पड़ा और वे पदक जीतने में नाकाम रहीं। कांस्य पदक के प्लेऑफ में पुष्पा को कजाखस्तान की डायना कयूमोवा ने 11-8 से हराया, जबकि प्रिया को भी कजाखस्तान की एल्मिरा सिज्डीकोवा ने मात दी।

राजस्थान ने मैच तो जीता लेकिन की एक बड़ी गलती: फिंच

मुल्लांपुर,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स पर तीन विकेट की जीत के साथ आईपीएल 2024 में अपनी पांचवीं जीत हासिल की। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के 2021 पुरुष टी20 विश्व कप विजेता कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम ने एक बड़ी गलती की जिसके कारण उन्हें अंतिम ओवरों में थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ी।

महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में, आरआर ने धीमी पिच पर पीबीकेएस को 147/8 पर रोकने में अच्छी गेंदबाजी की।

जवाब में आरआर 115/5 पर संकट में था लेकिन शिमरोन हेटमायर ने 10 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए, जिसमें एक चौका और तीन छक्के लगाए जिसमें विजयी रन भी शामिल थे, जिससे आरआर जीत की राह पर लौट आया और खुद को तालिका में शीर्ष स्थान पर मजबूत किया।

फिंच ने क्रिकेट स्पोर्ट्स पर लाइव शो में कहा, मुझे लगा कि राजस्थान ने अंतिम ओवरों में कुछ ज्यादा ही करने के लिए छोड़ दिया था। वे पारी के मध्य भाग में खुद को आगे नहीं कर पाए। यहां से दोनों टीमों के पास मौका था। उन्हें वास्तव में बॉउंड्री हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

सैम करन ने अंत में इस बारे में बात की कि यह सिर्फ एक कठिन स्लॉग था, जिसकी उन्हें उम्मीद थी, लेकिन आपको यह नहीं भूलना चाहिए कि वह हेटमायर बार-बार दबाव में खुद को शांत दिखाते हैं और यह बात निश्चित रूप से इस मैच में भी दिखाई दी।

उन्होंने इस टूर्नामेंट में पांच मैचों में केवल 25 गेंदें खेलीं। इसलिए दबाव में इतना शांत रहना और रोवमैन पॉवेल को शामिल करना और कुछ बाउंडरी के साथ इसमें योगदान देना, जब उन्हें वास्तव में रन रेट को पटरी पर लाने के लिए इसकी आवश्यकता थी और उन्हें आधा मौका देना असाधारण था। लेकिन मुझे लगता है कि टीमें इस पर विचार करेंगी। उन्होंने मैदान पर कुछ मौके गंवाए, इसलिए वे खुद को किक कर रहे होंगे।

जबकि आरआर ने ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर तनुश कोटियन के साथ शुरुआत करके आश्चर्यचकित कर दिया, जिन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी पहली टी20 पारी में 31 गेंदों में 24 रन बनाए, यशस्वी जयसवाल ने महत्वपूर्ण रूप से 28 गेंदों में 39 रन बनाने का समय निकाला। यशस्वी को रनों के बीच देखना बहुत अच्छा था। मुझे लगता है कि वह उस दिग्गज की बात सुन रहा था क्योंकि वह इंतजार कर रहा था। उसने कोई अवांछित जोखिम भरा शॉट नहीं खेला। वह गेंद की योग्यता के साथ खेला। इसलिए यह अच्छा था देखिए और ये राजस्थान रॉयल्स के लिए अच्छा रहा। आरआर अब ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करने के लिए कोलकाता की यात्रा करेगी, जबकि पीबीकेएस पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस की मेजबानी के लिए अपने घरेलू स्थल पर रहेगा।

स्टोर रूम में रखे गत्तों में छिपकर बचाई जान, सिडनी मॉल में चाकूबाजी पर भारतीय कपल ने सुनाई आपबीती

सिडनी, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में स्थित वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल में हुई चाकूबाजी की घटना से हर कोई आतंकित है। इस घटना में जहां छह लोगों की मौत हो गई वहीं, नौ महीने के बच्चे समेत कई लोग घायल हो गए। हालांकि एक महिला पुलिस कर्मी ने हमलावर को मार गिराया। उसने इस घटना को क्यों अंजाम दिया इसकी वजह अभी साफ नहीं है। जब मॉल में यह हमला हुआ उस वक्त वहां एक भारतीय कपल भी मौजूद था। भारतीय कपल ने मौके की भयावहता को बताते हुए कहा कि जब यह हुआ हमने गत्ते में छिपकर अपनी जान बचाई। मंजर था खौफनाक –भारतीय कपल ने बताई आपबीती भारतीय कपल शोई घोषाल और देबाशीष चक्रवर्ती ने बताया कि जब मॉल में हमला हुआ उस वक्त वे दोनों वेस्टफील्ड शॉपिंग सेंटर में ही थे। हमने लोगों को भागते हुए देखा। शुरू में हमें लगा कि आग लग गई है, लेकिन फिर हमने लोगों को कहते हुए सुना कि कोई व्यक्ति वहां लोगों को चाकू मार रहा है। इसके बाद हमने वहां एक स्टोर रूम में रखे गत्तों में छिपकर अपनी जान बचाई। उस दौरा 20 से 25 लोग वहां छिपे हुए थे। घोषाल ने बताया उस दौरान लोग काफी डरे हुए और रो रहे थे। इसके बाद लोगों ने पुलिस को फोन कर हालात की जानकारी दी। इसके बाद उन लोगों को मॉल के आपातकालीन निकास के माध्यम से निकाला गया। शोई घोषाल ने कहा, यह बहुत ही भयानक था। जब आपके दिमाग में चलता है कि आप पीड़ितों में से एक हो सकते हैं। हम आभारी हैं कि हम सुरक्षित हैं। हमले के पीड़ित के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। यह उनके परिवारों के लिए भयानक है। हमले में छह लोगों की मौत पुलिस ने बताया कि इस हमले में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पांच महिलाओं और एक पुरुष शामिल है। चार महिलाओं और पुरुष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं पांचवीं महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिडनी के आसपास के अस्पतालों में आठ लोगों की चोटों का इलाज किया जा रहा है, जिनमें एक नौ महीने का बच्चा भी शामिल है। हमलावर की पहचान नहीं हो पाई न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने हमलावर की पहचान नहीं की है लेकिन कहा है कि हमलावर की उम्र 40 वर्ष थी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने इस घटना को लेकर दुख जताया है। ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने कहा कि यह दुखद घटना है। इसमें कई लोगों के हताहत होने की सूचना मिली है। घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं।

न्यूज ब्रीफ

इस्राइल के साथ यूएस मजबूती से खड़ा है, ईरान के मिसाइल हमले के बाद बाइडन ने दिलाया भरोसा

वाशिंगटन । ईरान की तरफ से मानवरहित हवाई यान (यूएवी) हमले के बाद व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के आधिकारिक प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने कहा, ईरान ने इस्राइल के खिलाफ हवाई हमला शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति बाइडन को उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम पूरी जानकारी दे रही है। व्हाइट हाउस में बाइडन बैठक भी करेंगे। राष्ट्रपति बाइडन की टीम इस्राइली अधिकारियों के साथ-साथ अन्य साझेदारों और सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया है कि इस्राइल की सुरक्षा के मुद्दे पर अमेरिका मजबूती से समर्थन कर रहा है। ईरान-इस्राइल तनाव पर अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, मध्य पूर्व की घटनाओं पर चर्चा करने के लिए उन्होंने अपने इस्रायली समकक्ष, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हानेग्बी से बात की। सुलिवन के मुताबिक उन्होंने इस्राइली समकक्ष को उनके देश की सुरक्षा के मामले में अमेरिका की तरफ से दृढ़ प्रतिबद्धता का भरोसा दिलाया है।

फलस्तीन समर्थक रिद्धि पटेल बोली- सबको मार दूंगी, तत्काल गिरफ्तारी, पीएम मोदी के लिए भी कर चुकी बदजुबानी

न्यूयॉर्क । इस्राइल के खिलाफ लड़ाई में फलस्तीन का समर्थन नहीं करने पर सबको मारने की धमकी देने वाली रिद्धि पटेल को जेल में डाल दिया गया है। हिंदू विरोधी एक्टिविस्ट रिद्धि पीएम नरेंद्र मोदी के लिए भी अपशब्दों का प्रयोग कर चुकी है। अमेरिका में जब उसे अदालत में पेश किया गया तो वह रोने लगी। मामला अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित बेकर्सफील्ड में सामने आया है। सिटी काउंसिल की बैठक में भारतीय मूल की अमेरिकी रिद्धि ने वहां के मेयर को ही हत्या की धमकी दे डाली। यही नहीं, उसने सिटी काउंसिल के सदस्यों को हत्या की धमकी दी जो फलस्तीन के खिलाफ थे। उसने काउंसिल के सदस्यों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि हर पीड़ित को अत्याचारी के खिलाफ प्रदर्शन का अधिकार है और अच्छा होगा कि कोई गिलोटिन से तुम सबका गला काट दे। नवरात्रि का भी किया जिक्र रिद्धि पटेल ने नवरात्रि का भी जिक्र किया। उसने कहा कि कुछ वर्षों में उसने बैठक में कभी मेटल डिटेक्टर नहीं देखा, इतनी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था नहीं देखी, ये सब इसीलिए किया जा रहा है ताकि फलस्तीनियों को अपराधी साबित किया जा सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रिद्धि ने सदस्यों से कहा, तुम लोग सभी भयानक इंसान हो और यीशु ने तुम्हें खुद ही मार डाला होता।

थाईलैंड में मनाया गया सोंगक्रन वॉटर फेस्टिवल: लोगों ने प्लास्टिक की बंदूकों और पानी भरी बाल्टियों से वाटर फाइट की

थाईलैंड। थाईलैंड में सोंगक्रन वॉटर फेस्टिवल मनाया गया। इसे न्यू ईयर की शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। यह फेस्टिवल 13 से 15 अप्रैल तक मनाया जाएगा जिसमें की 13 अप्रैल को नेशनल हॉलिडे था। सोंगक्रन फेस्टिवल 150 साल से मनाया जा रहा है और थाई संस्कृति में पानी से लड़ाई का खास महत्व है। मान्यता है की सोंगक्रन के दौरान पानी डालना शुभ होता है इसलिए लोग एक-दूसरे से पानी से लड़ाई करते हैं। लड़ाई में प्लास्टिक की बंदूकों का इस्तेमाल होता है। यह फेस्टिवल सफाई, श्रद्धा और सौभाग्य का प्रतीक है। इसमें बुद्ध की मूर्तियों पर साफ-सुगंधित पानी छिड़कते हैं।

कनाडा में भारतीय छात्र की हत्या अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी

परिवार ने कनाडाई सरकार से शव को भारत भेजने में मदद मांगी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।कनाडा के वैनकूवर में 24 साल के भारतीय छात्र चिराग अंतिल की मौत हो गई। वैनकूवर पुलिस ने बताया कि चिराग के पड़ोसियों ने गोलियां चलने की आवाज सुनी थी। इसके बाद पुलिस को उसकी कार से शव बरामद हुआ। फिलहाल इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। चिराग का परिवार हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है। उसके परिजन उसके शव को भारत ले जाने के लिए क्लाउड फंडिंग के जरिए पैसे जुटा रहे हैं। उन्होंने कनाडा की सरकार से चिराग के शव को भारत भेजने के लिए मदद की अपील की है।

चिराग 2 साल पहले सितंबर 2022 में पढ़ाई के लिए कनाडा गया था। उसने हाल ही में कनाडा की एक यूनिवर्सिटी से एमबीए पूरा किया था। इसके बाद उसे वर्क परमिट मिला था। चिराग के रूममेट ने उसके परिजनों को बेटे की मौत की जानकारी दी। रूममेट ने बताया, चिराग अपनी 14 घंटे की शिफ्ट पूरी करने के बाद ऑफिस से घर पहुंचा था। इसके बाद उसने खाना खाया और घूमने के लिए बाहर निकला। वो जैसे ही अपनी कार में बैठा, किसी ने उसे गोली मार दी। हमें नहीं पता कि यह किसने और क्यों किया।

एनएसयूआई बोली– विदेश मंत्रालय मामले की जांच पर नजर रखे

कांग्रेस के छात्र विंग एनएसयूआई के चीफ वरुण चौधरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके विदेश मंत्रालय से चिराग के परिवार के लिए मदद की अपील की है। वरुण ने लिखा– हम

विदेश मंत्रालय से जांच पर नजर रखने और चिराग के परिजनों की मदद की अपील करते हैं। भारतीय छात्र चिराग को न्याय जरूर मिलना चाहिए। चिराग के भाई रोमित ने कनाडा की सिटी न्यूज को बताया कि चिराग बहुत ही खुशमिजाज व्यक्ति था। उसके सबसे अच्छे संबंध थे। घटना से कुछ समय पहले ही उसकी परिजनों से बात हुई थी। वह बेहद शांत था और किसी से झगड़ा नहीं करता था।

विदेश में भारतीयों की मौत से जुड़े दूसरे मामले...

1– 7 अप्रैल 2024: कुछ दिन पहले ही अमेरिका के ओहायो में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई थी। हैदराबाद का रहने वाला 25 साल का मोहम्मद अब्दुल अरफात पिछले 3 हफ्तों से गायब था। न्यूयॉर्क में मौजूद भारतीय एंबेसी के मुताबिक, अब्दुल को किसी ने अगवा कर लिया था। किडनैपर्स ने हैदराबाद में रह रहे उसके पिता से करीब 1 लाख रुपए की फिरौती भी मांगी थी। साथ ही धमकी दी थी कि अगर पैसे नहीं मिले या पुलिस को खबर दी गई तो वे अब्दुल की किडनी बेच देंगे।

2– फरवरी 2024 : शिकागो में एक भारतीय छात्र पर हमला हुआ था। घटना का एक वीडियो सामने आया था। इसमें 3 हमलावर छात्र का पीछा करते नजर आए थे। इसके बाद तीनों ने उसे बुरी तरह पीटा था, फोन छीन लिया था और भाग गए थे। छात्र खून से लथपथ नजर आया था।

3– फरवरी 2024: भारतीय छात्र श्रेयस की मौत ओहायो में हुई। मौत की वजह सामने नहीं आ सकी। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय कॉन्सुलेट ने श्रेयस की मौत के बारे में जानकारी देते हुए कहा था– श्रेयस रेड्डी बेनिगर बिजनेस की पढ़ाई कर रहा था। उसकी मौत की खबर से दुखी हैं। इस मामले में पुलिस की जांच चल रही है।

4– 16 जनवरी 2024 : अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में एक भारतीय छात्र विवेक सैनी की हत्या कर दी गई थी। फॉक्स न्यूज के मुताबिक 25 साल के छात्र विवेक के सिर पर एक बेघर शख्स ने हथौड़े से 50 बार वार किया था। विवेक एक फूड मार्ट में काम करता था। उस स्टोर के बाहर एक बेघर शख्स आता था। विवेक और स्टोर के बाकी कर्मचारियों ने इस बेघर शख्स को रहने के लिए जगह दी थी। वह यहीं रहता था, लेकिन 16 जनवरी को विवेक ने जब उसे जगह खाली करने के लिए कहा तो वो गुस्से में आ गया और उसने विवेक की हत्या कर दी। रविवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

अफगानिस्तान में बाढ़ से 33 लोगों की मौत

काबुल,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में पिछले तीन दिनों में भारी बारिश, हिमपात और बाढ़ के कारण 33 लोगों की जान चली गई और 27 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के प्रवक्ता मुल्ला जनान सैक ने रविवार को यह जानकारी दी। काबुल सहित अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से लगभग आधे में शुक्रवार से भारी बारिश या हिमपात हो रहा है, जिससे देश के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई है, जिससे जान-माल की भी क्षति हुई है।

श्री सैक ने कहा,परवान, उरुजगान और पंजशीर समेत कई प्रांतों में भारी बारिश, हिमपात और बाढ़ के कारण 33 लोगों की जान चली गई और 27 अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि बाढ़ के कारण 600 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

साथ ही, अचानक आई बाढ़ ने देश में 1,950 एकड़ कृषि भूमि और 75 किलोमीटर लंबी सड़कें भी नष्ट कर दी हैं। इसके अलावा 200 से अधिक मवेशियों की भी मौत हो गई है।

उन्होंने कहा कि सहायता एजेंसियों ने अधिकारियों के सहयोग से 22,851 बाढ़ प्रभावित परिवारों को मानवीय सहायता प्रदान की है और प्रभावित क्षेत्रों में सहायता की आपूर्ति की प्रक्रिया जारी है।

अमेरिका-ब्रिटेन में रूस की धातुओं के व्यापार पर प्रतिबंध, धातु बाजारों पर पड़ सकता है असर

वॉशिंगटन, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

बीते दो साल से ज्यादा समय से जारी यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका और ब्रिटेन ने रूसी मूल की धातुओं के व्यापार पर प्रतिबंधों का एलान किया है। इसके साथ ही दोनों देशों ने इन धातुओं का आयात भी रोक दिया है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि इन वस्तुओं पर प्रतिबंधों को रूस के निर्यात राजस्व को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रतिबंध वैश्विक धातु एक्सचेंज और डेरिवेटिव ट्रेडिंग पर लागू किए जाएंगे। मॉस्को एल्यूमीनियम, तांबा और निकल जैसी प्रमुख धातुओं का निर्यात करता है।

यह कदम वॉशिंगटन द्वारा यूक्रेन में जारी सैन्य कार्रवाइयों के लिए मॉस्को को दंडित करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस फैसले से तांबा, एल्यूमीनियम व निकल के प्रमुख वैश्विक आपूर्तिकर्ता के बतौर रूस की स्थिति को देखते हुए धातु बाजारों पर बड़ा असर पड़ सकता है।

बीस अरब डॉलर की सालाना आय होगी प्रभावित अमेरिका और ब्रिटेन ने रूस से सोने, गैस और हीरे पर पहले ही प्रतिबंध लगाया हुआ है। अब वित्त मंत्रालय की मौजूदा कार्रवाई से रूस की करीब 20 अरब डॉलर की वार्षिक कमाई प्रभावित होगी।

रूसी रक्षा आधार बढ़ा रहा चीन

यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच, रूस का रक्षा औद्योगिक आधार बढ़ाने में चीन पूरी मदद कर रहा है। सीएनएन ने बाइडन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा कि दोनों देश रूस के अंदर ड्रोन का उत्पादन करने के लिए साझा रूप से भी काम कर रहे हैं। चीन के समर्थन से यूक्रेन पर हमला जारी रखने की रूसी क्षमता पर अहम प्रभाव पड़ रहा है।

मालदीव से रवाना हो चुका भारतीय सैन्यकर्मियों का दूसरा जत्था, बोले राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू

माले, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के साथ द्विपक्षीय समझौते के तहत हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले भारतीय सैन्य कर्मियों का दूसरा समूह नौ अप्रैल को मालदीव से रवाना हो गया है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने यह घोषणा की।

इस महीने के अंत में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवारों के लिए एक अभियान कार्यक्रम के दौरान मुइज्जू ने यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया ने मुइज्जू के हवाले से कहा, ''पहली टीम जा चुकी है। नौ अप्रैल को दूसरे प्लेटफॉर्म से भी सैनिक हटा लिए गए हैं।

'एडिशन डॉट न्यूज पोर्टल' ने मुइज्जु के हवाले से अपनी खबर में कहा, ''एक ही प्लेटफार्म बचा है। जैसा कि दोनों देशों ने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, उन्हें (बाकी भारतीय सैन्य कर्मियों को) भी 10 मई से पहले वापस बुला लिया जाएगा। वे चले जायेंगे।'' इस देश से भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी पर न तो मालदीव रक्षा मंत्रालय और न ही भारत ने कोई टिप्पणी की है।

मालदीव सरकार के अनुसार, 88 भारतीय सैनिक मालदीव में एक हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान को संचालित करने के लिए तैनात थे। भारतीय सैनिकों का पहला समूह 11 मार्च को मालदीव से रवाना हुआ था।

न तो मालदीव रक्षा मंत्रालय और न ही भारत ने इस देश से भारतीय सैन्य कर्मियों की ताजा वापसी पर टिप्पणी की है। मालदीव सरकार के अनुसार, 88 भारतीय सैनिक मालदीव में अद्दू और लामू कधधू में हेलीकॉप्टर और हनीमाधू में एक डोर्नियर विमान संचालित करने के लिए तैनात थे। भारतीय सैनिकों का पहला जत्था 11 मार्च को मालदीव से रवाना हुआ था।

पिछले साल नवंबर में मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से मालदीव और भारत के बीच संबंध खराब हुए हैं, जबकि चीन के साथ करीबी संबंध बरकरार हैं। उन्होंने जनवरी में चीन की यात्रा भी की थी और राष्ट्रपति शी

जिनपिंग समेत शीर्ष चीनी नेताओं से मुलाकात की थी। चीन और मालदीव ने हाल ही में एक रक्षा सहयोग समझौते और कई अन्य बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए।

मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत का प्रमुख समुद्री पड़ोसी है। यह देश सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) और नरेंद्र मोदी सरकार की पड़ोसी पहले की नीति जैसी पहलों में एक विशेष स्थान रखता है।

भारत-अमेरिका में वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा

वॉशिंगटन, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में हुई प्रगति को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के साझा प्रयासों पर भी चर्चा की गई। भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा और अमेरिकी रक्षा उप मंत्री कैथलीन हिक्स ने इस समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर खासतौर पर बातचीत की।

क्वात्रा इस सप्ताह अमेरिका में हैं, जहां वह अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे और रक्षा एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने हिक्स के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति को लेकर अपने साझा प्रयासों पर कहा कि यहां सुरक्षा और स्थिरता प्रमुख चुनौती है और इससे निपटने के लिए संयुक्त कोशिशें जरूरी हैं।

अमेरिकी रक्षा मुख्यालय (पेंटागन) के प्रवक्ता एरिक पैहोन ने बताया, क्वात्रा और हिक्स ने भारत-अमेरिकी रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की प्राथमिकताओं पर जोर देते हुए द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग के अमल के तरीकों को अहम बताया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार दोनों अधिकारियों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में प्रमुख रक्षा साझेदारी में ऐतिहासिक तेजी को भी रेखांकित किया।

लड़ाकू जेट इंजन, बख्तरबंद वाहन उत्पादन की सराहना

क्वात्रा और हिक्स ने लड़ाकू जेट इंजन और बख्तरबंद वाहनों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के प्रयासों की सराहना की। साथ ही अमेरिकी व भारतीय उद्यमियों व निवेशकों के बीच नवाचार तथा साझेदारी को बढ़ावा देने की कोशिशों को सराहा।

सैन्य भागीदारी का दायरा बढ़ाने पर चर्चा

पेंटागन प्रवक्ता एरिक पैहोन ने कहा कि क्वात्रा और हिक्स ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा-स्थिरता बढ़ाने के साझा प्रयासों के साथ सैन्य भागीदारी का दायरा बढ़ाने के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र चीन के आक्रामक बर्ताव व खुले- स्वतंत्र हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता पर भी बात की।

रक्षा व ऊर्जा मंत्रालय के अफसरों से भी मुलाकात

अपनी अब तक की यात्रा के दौरान क्वात्रा ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी पर सर्वाधिक जोर दिया। क्वात्रा ने प्रबंधन एवं संसाधन के लिए उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा, कर्ट कैंपबेल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, रक्षा मंत्रालय और ऊर्जा मंत्रालय के प्रमुख अफसरों से भी चर्चा की।

निवेश बढ़ाने पर जोर

भारतीय दूतावास ने कहा, इन चर्चाओं में भारत-अमेरिकी संबंधों, बढ़ते रक्षा और वाणिज्यिक संबंधों, लचीली आपूर्ति श्रृंखला और समकालीन क्षेत्रीय विकास के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की गई। भारत-अमेरिकी व्यापार परिषद ने कहा, क्वात्रा ने निवेश बढ़ाने, नवाचार-प्रौद्योगिकी बढ़ाने पर जोर दिया।

चैत्र नवरात्र के सातवें दिन करें इस चमत्कारी स्तोत्र का पाठ, शत्रुओं का होगा नाश

इस दिन जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां काली की पूजा की जाती है। चैत्र नवरात्र के सातवें दिन साधक मां की कठिन भक्ति करते हैं। इसके लिए निशा काल में कठिन साधना करते हैं। मां की भक्ति करने वाले साधकों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही तंत्र सीखने वाले साधक को विशेष विद्या की प्राप्ति होती है।

चैत्र नवरात्र का सातवां दिन मां काली को समर्पित होता है। इस दिन जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां काली की पूजा की जाती है। चैत्र नवरात्र के सातवें दिन साधक मां की कठिन भक्ति करते हैं। इसके लिए निशा काल में कठिन साधना करते हैं। मां की भक्ति करने वाले साधकों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही तंत्र सीखने वाले साधक को विशेष विद्या की प्राप्ति होती है। सनातन शास्त्रों में मां काली की महिमा का गुणगान किया गया है। चिरकाल में महादानव रक्तबीज के संहार हेतु जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा ने मां काली का रूप धारण किया था। अतः साधक श्रद्धा भाव से मां काली की पूजा-उपासना करते हैं। अगर आप भी जगत जननी मां काली को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो चैत्र नवरात्र के सातवें दिन विधि-विधान से मां की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय इस चमत्कारी स्तोत्र का पाठ करें।

स्तोत्र

करालवदनां घोरांमुक्तकेशींचतुर्भुताम्।
कालरात्रिंकरालिंकादिव्यांविद्युत्मालाविभूषिताम्।।
दिव्य लौहवज्रखड्ग वामाघोर्ध्वकराम्बुजाम्।
अभयंवरदांचैवदक्षिणोध्र्वाघ:पाणिकाम्।।
महामेघप्रभांश्यामांतथा चैपगर्दभारूढां।
घोरदंष्टाकारालास्यांपीनोन्नतपयोधराम्।।
सुख प्रसन्न वदनास्मेरानसरोरूहाम्।
एवं संचियन्तयेत्कालरात्रिंसर्वकामसमृद्धिधदाम्।।
हीं कालरात्रि श्रींकराली चक्लींकल्याणी कलावती।
कालमाताकलिदर्पध्नीकमर्दीशकृपन्विता।।
कामबीजजपान्दाकमबीजस्वरूपिणी।
कुमतिघन्कुलीनार्तिनशिनीकुल कामिनी।।
क्लींहीं श्रींमंत्रवर्णेनकालकण्टकघातिनी।
कृपामयीकृपाधाराकृपापाराकृपागमा।।

महाकाली स्तोत्र

अनादिं सुरादिं मखादिं भवादिं,
स्वरूपं त्वदीयं न विन्दन्ति देवाः ।।
जगन्मोहिनीयं तु वाग्वादिनीयं,
सुहृदपोषिणी शत्रुसंहारणीयं ।
वचस्तम्भनीयं किमुच्चाटनीयं,
स्वरूपं त्वदीयं न विन्दन्ति देवाः ।।

महाकाली स्तोत्र

इयं स्वर्गदात्री पुनः कल्पवल्ली,
मनोजास्तु कामान्यथार्थ प्रकुर्यात ।
तथा ते कृतार्था भवन्तीति नित्यं,
वरूपं त्वदीयं न विन्दन्ति देवाः ।।
सुरापानमत्ता सुभक्तानुरक्ता,
लसत्पूतचित्ते सदाविर्भवस्ते ।
जपध्यान पुजासुधाधौतपंका,
स्वरूपं त्वदीयं न विन्दन्ति देवाः ।।
चिदानन्दकन्द हसन्मन्दमन्द,
शरच्चन्द्र कोटिप्रभापुन्ज बिम्बं ।
मुनिनां कवीनां हृदि द्योतयन्तं,
स्वरूपं त्वदीयं न विन्दन्ति देवाः ।।
महामेघकाली सुरक्तापि शुभ्रा,
कदाचिद्विचित्रा कृतिर्योगमाया ।
न बाला न वृद्धा न कामातुरापि,
स्वरूपं त्वदीयं न विन्दन्ति देवाः ।।
क्षमास्वापराधं महागुप्तभावं,
मय लोकमध्ये प्रकाशीकृतंयत् ।
तवध्यान पूतेन चापल्यभावात्,
स्वरूपं त्वदीयं न विन्दन्ति देवाः ।।
यदि ध्यान युक्तं पठेद्यो मनुष्य,
स्तदा सर्वलोके विशालो भवेच्च ।
गृहे चाष्ट सिद्धिर्मृते चापि मुक्ति,
स्वरूपं त्वदीयं न विन्दन्ति देवाः ।।

चैत्र नवरात्र के सातवें दिन भद्रावास योग का हो रहा है निर्माण

चैत्र नवरात्र के सातवें दिन जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां काली की पूजा-उपासना की जाती है। साथ ही विशेष कार्य में सिद्धि हेतु व्रत-उपवास रखा जाता है। इस दिन तंत्र-मंत्र सीखने वाले साधक निशा काल तक कठिन साधना करते हैं। मां काली के उपासकों की सभी मनोकामनाएं यथाशीघ्र पूर्ण हो जाती हैं। साथ ही आय, आयु, सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र नवरात्र के सातवें दिन भद्रावास का योग बन रहा है। इस योग में मां की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं।

शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि सुबह 11 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 15 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट पर समाप्त होगी। इसके बाद नवमी तिथि शुरू होगी। जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां काली की पूजा निशा काल में होती है। अतः निशा काल में पूजा की जाएगी। तंत्र सीखने वाले साधक के लिए यह दिन विशेष होता है। इस दिन दुख हरने वाली मां काली की पूजा करने से सकल मनोरथ सिद्ध होते हैं।

भद्रावास योग

ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र नवरात्र के सातवें दिन दुर्लभ भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से हो रहा है, जो संध्याकाल 08 बजकर 39 मिनट तक है। इस समय में मां काली की पूजा करने से सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस दौरान भद्रा स्वर्ग में रहेंगी। भद्रा के स्वर्ग में रहने के दौरान भूलोक पर उपस्थित समस्त जीव जंतु एवं मानव का कल्याण होता है।

सूर्योदय और सूर्यास्त का समय

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 56 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 46 मिनट पर
चन्द्रोदय- सुबह 10 बजकर 08 मिनट पर
चंद्रास्त- देर रात 12 बजकर 57 मिनट पर

पंचांग

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 27 मिनट से 05 बजकर 12 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 21 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 45 मिनट से 07 बजकर 08 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 59 मिनट से 12 बजकर 43 मिनट तक

अशुभ समय

राहु काल - सुबह 05 बजकर 10 मिनट से 06 बजकर 46 मिनट तक

गुलिक काल - दोपहर 03 बजकर 34 मिनट से 05 बजकर 10 मिनट तक

वार्षिक अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होगी, इस दिन से शुरू हो जाएगा रजिस्ट्रेशन

अमरनाथ मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून से शुरू होगी और 19 अगस्त को समाप्त हो जाएगी। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने रविवार को यह घोषणा की।

बोर्ड ने कहा कि 52 दिनों तक चलने वाली यात्रा के लिए अग्रिम पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हो जाएगा।

वार्षिक यात्रा दो मार्गों से होती है। एक मार्ग अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग है, जबकि दूसरा गांदेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग।

चैत्र नवरात्रि पर तुलसी माता की इस तरह की जा सकती है पूजा

तुलसी के पौधे को पवित्र माना जाता है और घर घर में तुलसी के पौधे की पूजा की जाती है। नवरात्रि में शक्ति की प्रतीक देवियों की पूजा की जाती है।

तुलसी के पौधे को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है इसलिए नवरात्रि में तुलसी के उपाय विशेष लाभकारी होते हैं। अभी चैत्र नवरात्रि चल रही है। नवरात्रि के दौरान तुलसी के उपाय करने माता दुर्गा के साथ-साथ माता लक्ष्मी का भी आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। आइए जानते हैं चैत्र नवरात्रि में करने चाहिए कौन से तुलसी उपाय और उनसे क्या लाभ हो सकता है।

घर मे लगाएं तुलसी का पौधा

अगर आपके घर में तुलसी का पौधा नहीं है तो चैत्र नवरात्रि तुलसी का पौधा लगाने का सबसे अच्छा अवसर है। नवरात्रि के दौरान तुलसी का पौधा लगाना बहुत शुभ माना गया है। तुलसी के पौधे को घर के ईशान कोण मे लगाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है।

दीपक जलाएं

नवरात्रि के दौरान माता दुर्गा की पूजा और दीपक जलाने के बाद तुलसी के सामने भी दीपक जलाएं। सुबह शाम तुलसी के पौधे के सामने दीपक जलाने से माता दुर्गा के साथ माता लक्ष्मी भी कृपा प्रदान करती हैं।

सेहत संबंधी परेशानियां दूर

नवरात्रि के दौरान विधि-विधान से तुलसी की पूजा करनी चाहिए। इससे परिवार के सदस्यों की सेहत संबंधित परेशानियां दूर होती हैं और आरोग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गुरुवार का उपाय

नवरात्रि के दौरान गुरुवार को पानी के साथ-साथ कच्चा दूध अर्पित करना चाहिए। इससे सभी तरह के ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है।

कन्या पूजन के दौरान इन बातों का रखें विशेष ध्यान, वरना नहीं मिलेगा व्रत का पूर्ण फल

कन्या पूजन नवरात्र के दौरान किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। यह हर साल अष्टमी और नवमी तिथि को किया जाता है। इसे कुमारिका पूजन भी कहा जाता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, नवरात्र के दौरान कन्या पूजन करने से जीवन में सौभाग्य आता है। साथ ही माता दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है।

ऐसे में अगर आप दुर्गा माता के साथ इस पवित्र अनुष्ठान को कर रहे हैं, तो आपको इस दौरान कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। आइए उन नियमों के बारे में जानते हैं -

कन्या पूजन में इन चीजों का रखें ध्यान

* कन्या पूजा के लिए कन्याओं को भाव से आमंत्रित करें।
* इस दिव्य पूजन के दौरान मन में किसी प्रकार की हीन भावना न लाएं।
* कन्याओं के बीच भेदभाव न करें।
* पूजा के दौरान काली चीजों का उपयोग न करें।
* कन्याओं का पूरे परिवार सहित उनका स्वागत करें।
* पवित्र स्थान पर कन्याओं को बिठाएं।
* कन्याओं के माथे पर अक्षत, फूल और कुमकुम का तिलक लगाएं।
* माता रानी का ध्यान करके सभी कन्याओं को भोजन कराएं।
* भोजन के बाद कन्याओं को क्षमता अनुसार उपहार और दक्षिणा दें।
* अंत में कन्याओं का आशीर्वाद उनका पैर छूकर लें।

कन्या पूजन से जुड़ी मान्यता

इस दिन भक्त व्रत रखते हैं और छोटी-छोटी कन्याओं को अपने घर पर आमंत्रित करते हैं। यह अनुष्ठान माता रानी के प्रति आभार व्यक्त करने का एक खास तरीका है। इस दिन लोग शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा करते हैं और कन्याएं देवी दुर्गा के इन नौ दिव्य रूपों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

कंजक के दौरान भैरव बाबा के रूप में एक लड़के को भी बुलाया जाता है। ऐसा माना जाता है जो जातक इस पूजा को करते हैं उन्हें नवरात्र का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

हनुमान जयंती पर ये तीन चीजें घर लाना माना जाता है बेहद शुभ

संकटमोचन हर लेंगे सारे संकट

हनुमान जी संकटमोचक कहलाते हैं। उनकी भक्ति करने वाले भय, पीड़ा और सभी तरह की परेशानियां से मुक्ति मिल जाती है। चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को हनुमान जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 23 अप्रैल मंगलवार को है। हनुमान जयंती के मंगलवार को होने के कारण इसका बहुत महत्व है। ऐसे में इस वर्ष हनुमान जयंती उपाय करने से बहुत लाभ प्राप्त हो सकता है। इस दिन कुछ खास चीजें घर लाने से हनुमान जी की कृपा से सभी प्रकार की परेशानियों से मुक्ति मिल सकती है। आइए जानते हैं हनुमान जयंती के दिन क्या लाना होगा शुभ।

हनुमान जी का प्रिय अस्त्र गदा

गदा हनुमान जी का प्रिय अस्त्र है। हनुमान जी की हर प्रतिमा में उनके हाथ में गदा जरूर होता है। हनुमान जयंती के दिन छोटी सी गदा घर लाना बहुत शुभ प्रभाव वाला हो सकता है। घर में गदा होने से हनुमान जी प्रसन्न होकर कृपा करते हैं। हनुमान जयंती के दिन घर में गदा लाने से घर की नकारात्मकता दूर हो जाएगी। गदा को घर में पूर्व की दिशा में रखना चाहिए।

वानर की प्रतिमा

हनुमान जयंती के दिन वानर की प्रतिमा लानी चाहिए। वानर सेना ने भगवान राम को लंका विजय करने में मदद की थी इसलिए वे भगवान श्रीराम के विशेष प्रिय हैं। घर में वानर की प्रतिमा लाना कल्याणकारी प्रभाव वाला माना जाता है। इस उपाय से श्रीराम भक्त बजरंगबली सभी परेशानियों को दूर करते हैं।

तांबेको छोटा सा फरसा

हनुमान जयंती के दिन तांबे को छोटा सा फरसा घर लाना चाहिए। इस उपाय से वास्तु दोष और कुंडली दोष से मुक्ति मिल सकती है।

हनुमान जयंती का महत्व

हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी की उपासना विधि-विधान से की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस विशेष दिन पर हनुमान जी की पूजा करने से बल, बुद्धि, विद्या, धन, ऐश्वर्य प्राप्त होता है। समस्याएं व परेशानियां दूर होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति कमजोर है, उन्हें हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी की उपासना जरूर करनी चाहिए।

चंडिका मंदिर में मां सती के नेत्र की होती है पूजा

बिहार के मुंगेर जिले में सुप्रसिद्ध मां चंडिका मंदिर में मां सती के एक नेत्र की पूजा की जाती है और श्रद्धालुओं को नेत्र संबंधी विकार से मुक्ति मिलती है। मुंगेर जिला मुख्यालय से करीब दो किलोमीटर पूरब गंगा किनारे पहाड़ी गुफा में अवस्थित मां चंडिका का मंदिर लाखों भक्तों के लिए 'आस्था' का केन्द्र बना हुआ है। ऐसी मान्यता है कि इस स्थल पर माता सती की बाईं आंख गिरी थी। यहां आंखों के असाध्य रोग से पीड़ित लोग पूजा करने आते हैं और यहां से काजल लेकर जाते हैं। लोग मानते हैं कि यह काजल नेत्ररोगियों के विकार दूर करता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शंकर जब अपनी पत्नी सती के मृत शरीर को लेकर तीनों लोकों में घूम रहे थे तब संपूर्ण सृष्टि भयाकूल हो गयी थीं तभी देवताओं के अनुरोध पर भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर को खंडित किया था। जहां-जहां सती के शरीर का खंड गिरा उसे शक्तिपीठ माना गया। मुंगेर का चंडिका मंदिर भी शक्तिपीठ के रूप में शामिल है।

नेत्र रोग से पीड़ित भक्तगण चंडिका मंदिर में नेत्र-रोग से मुक्ति की आशा लेकर आते हैं। सामाजिक मान्यता है कि कोई भी भक्त निराश नहीं लौटता है। संतान की चाहत और जीवन की अन्य इच्छाओं की पूर्ति के लिए भक्त राज्य के कोने-कोने से इस मंदिर में पहुंचते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के काजल से हर प्रकार के नेत्रविकार दूर होते हैं। दूर-दूर से पीड़ित भक्तजल यहां मंदिर का काजल लेने पहुंचते हैं।

नवरात्र-पूजा के दौरान नवमी तक इस मंदिर में भक्तों की भीड़ देखने को मिलती हैं। कतार में लगकर भक्त इस व्यवस्था से मां चंडिका के नेत्र पर जल-अर्पण करते हैं।मंदिर में भगवान शंकर, माता पार्वती, नौ ग्रह देवता, मां काली और मां संतोषी और भगवान हनुमान के अलग-अलग मंदिर भी हैं, जहां भक्तजन पूजा-अर्चना करते हैं। सामान्य दिनों में प्रत्येक मंगलवार को मंदिर में काफी संख्या में भक्तजन पहंचते हैं। मंदिर के पूर्व और पश्चिम में शमशान है। इसी कारण इस मंदिर को शमशान चंडिका' के रूप में भी जाना जाता है। नवरात्र पूजा के दौरान तांत्रिक यहां तंत्र-सिद्धि के लिए भी जमा होते हैं।

इस मंदिर का इतिहास महाभारत काल से भी जुड़ा बताया जाता है। ऐसी जनश्रुति है कि अंग देश के राजा कर्ण मां चंडिका के भक्त थे और हर दिन खौलते हुए तेल की कड़ाह में कूदते थे। इस प्रकार अपनी जान देकर वह मां चंडिका की पूजा किया करते थे। माता उनके इस बलिदान से अत्यंत प्रसनन हो जाती थी और हर रोज वह राजा कर्ण को जीवित कर देती थीं। इसके अलावा माता कर्ण को सवा मन सोना भी देती थीं। राजा कर्ण उस सोने को मुंगेर के कर्ण चैड़ा पर ले जाकर गरीबों में बांट देते थे। इस बात की जानकारी उज्जैन के राजा विक्रमादित्य को मिली। एक दिन राजा विक्रमादित्य वेश बदलकर अंग देश पहुंच गए। उन्होंने देखा कि महाराजा कर्ण ब्रह्म मुहूर्त में गंगा स्नान कर मां चंडिका के सामने रखे खौलते तेल के कड़ाह में कूद जाते हैं और माता उनके अस्थि-पंजर शरीर पर अमृत छिड़ककर उन्हें पुनर्जीवित कर देती हैं। माता उन्हें पुरस्कार स्वरूप सवा मन सोना भी देती थीं। एक दिन चुपके से राजा विक्रमादित्य राजा कर्ण के आगमन के पहले ही मंदिर पहुंच गए और खौलते तेल के कड़ाह में कूद गए। बाद में रोजाना की भांति मां ने उन्हें जीवित कर दिया। उन्होंने लगातार तीन बार कड़ाह में कूदकर अपना शरीर समाप्त किया और माता ने उन्हें हर बार जीवित कर दिया। चौथी बार माता ने उन्हें रोका और वर मांगने को कहा। राजा विक्रमादित्य ने माता से सोना देनेवाला थैला और अमृत कलश मांग लिया। ऐसी मान्यता है कि माता ने दोनों चीज देने के बाद वहां रखे कड़ाह को उलट दिया और उसी के अन्दर विराजमान हो गईं।

बड़े मियां छोटे मियां ने दुनियाभर में मचाया बवाल

दो दिनों में 50 करोड़ के पार हुई फिल्म

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियांऴ ईद के मौके पर रिलीज हुई थी। फिल्म का अजय देवनग की स्पोर्ट्स ड्रामा मैदानऴ से क्लैश हुआ था। हालांकि कमाई के मामले में मैदानऴ बड़े मियां छोटे मियांऴ पर भारी पड़ रही है। वहीं वर्ल्डवाइड भी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म धमाल मचा रही है। चलिए जानते हैं बड़े मियां छोटे मियांऴ ने दुनियाभर में रिलीज के दो दिनों में कितना कलेक्शन कर लिया है।बड़े मियां छोटे मियांऴ में एक्शन भी है और कॉमेडी भी। इसी के साथ ये फिल्म दर्शकों को एंटरटेनमेंट की फुल डोज दे रही है। हालांकि फिल्म को क्रिटक्स और ऑडियंस से मिला जुला रिस्पॉन्स मिला था बावजूद इसके ये फिल्म दमदार कमाई कर रही है। वर्ल्डवाइड भी बड़े मियां छोटे मियांऴ का जादू चल गया है। वहीं अब फिल्म की रिलीज के दो दिनों की वर्ल्डवाइड कमाई के आंकड़े भी आ गए हैं।इसके मुताबिक अक्षय और टाइगर की फिल्म ने दो दिन में ही हाफ सेंचुरी लगा दी है। प्रोडक्शन हाउस पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिकबड़े मियां छोटे मियांऴ ने रिलीज के दो दिनों में वर्ल्डवाइड

55।14 करोड़ की कमाई कर ली है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड 36।33 करोड़ की कमाई की थी।बड़े मियां छोटे मियांऴ की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कमाई की रफ्तार थोड़ी धीमी है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन डबल डिजीट में कारोबार किया था लेकिन दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन आधा रह गया। फिल्म की कमाई की बात करें तो सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक बड़े मियां छोटे मियांऴ ने रिलीज के पहले दिन 15।65 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 7।6 करोड़ की कमाई की। इसी के साथ बड़े मियां छोटे मियांऴ की दो दिनों की कुल कमाई अब 23।25 करोड़ रुपये हो गई है।अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ ने अहम रोल प्ले किया है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी एक दिलचस्प खलनायक की भूमिका में हैं। बड़े मियां छोटे मियांऴ को वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी, हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है। इसे मुंबई, लंदन, अबू धाबी, स्कॉटलैंड और जॉर्डन जैसी लोकेशन पर शूट किया गया है।

सायरा नहीं इस एक्ट्रेस को अपनी दुल्हन बनाना चाहते थे दिलीप कुमार

इस वजह से अधूरा रह गया पहला प्यार

दिलीप कुमार और सायरा बानो की लव स्टोरी दुनियाभर में मशहूर है। दिलीप कुमार अपने दौर की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक के प्यार में गिरफ्तार हो गए थे। पर क्या आप जानते हैं सायरा बानो पर मर मिटने से पहले दिलीप कुमार का दिल एक खूबसूरत हसीना के लिए धड़कता था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दिलीप कुमार कामिनी कौशल से प्यार किया करते थे। दोनों ने 1948 की फिल्म शहीद में साथ काम किया था। वैसे तो दिलीप कुमार की जिंदगी से जुड़े ढेरों किस्से सोशल मीडिया पर पढ़ने और सुनने को मिल जाएंगे, लेकिन एक्टर की जिंदगी से जुड़ा यह राज कम ही लोगों को पता है।

कहते हैं कि इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान दिलीप कुमार और कामिनी कौशल एक दूसरे के करीब आ गए थे। दोनों शादी भी करना चाहते थे, लेकिन यह हो पाना असंभव था क्योंकि कामिनी पहले से ही शादीशुदा थीं। कहते हैं कि कामिनी कौशल की बहन की मौत के बाद बच्चों की परवरिश के लिए उनकी शादी उनके बहनोई से करवा दी गई थी। ना चाहते हुए भी मजबूरी में कामिनी को यह शादी करनी पड़ी थी। ऐसे में जब घरवालों को कामिनी और दिलीप की नजदीकियों की भनक लगी तो बहुत हंगामा हुआ।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कामिनी कौशल ने दिलीप कुमार को उनसे दूर रहने की धमकी दी थी। कहते हें कि घरवालों के दबाव के बाद ही कामिनी कौशल और दिलीप कुमार ने अपने रिश्ते पर हमेशा के लिए पूर्ण विराम लगा दिया। इसके बाद दिलीप कुमार को खुद से 22 साल छोटी सायरा बानो से प्यार हुआ, जिससे बाद में उन्होंने शादी भी की।

फिल्म डंक-वन्स बिटन ट्वाइस शाइ से हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं निधि अग्रवाल

एक्ट्रेस निधि अग्रवाल अपनी अपकमिंग ओटीटी डेब्यू फिल्म डंक - वन्स बिटन ट्वाइस शाइ को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। वह पहली बार बिकनी अवतार में नजर आएंगी।एक्ट्रेस थोड़े अंतराल के बाद हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। वह पिछली बार 2017 में हिंदी फिल्म मुन्ना माइकल में नजर आईं थीं।प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित इस फिल्म में सुचित्रा कृष्णमूर्ति और विनय पाठक के साथ तुषार कपूर और शिविन नारंग भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।डंक के बारे में बात करते हुए निधि ने कहा: तेलुगु, तमिल और हिंदी में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के बाद अब मैं एक छोटे अंतराल के बाद हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हूं और साथ ही दक्षिणी फिल्म परिदृश्य पर भी अपना दबदबा बना रही हूं।एक्ट्रेस ने कहा कि उनके पास रोमांचक परियोजनाओं की भरमार है।उन्होंने कहा, मैं वर्तमान में महान पवन कल्याण और राजा साब के साथ एक मनोरम पीरियड फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में काम कर रही हूं। जहां मैं प्रतिभाशाली प्रभास के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं।निधि ने कहा, उम्मीद बहुत अधिक है क्योंकि दोनों फिल्में इस साल रिलीज होने वाली हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों को लुभाने का वादा करती हैं।एक्ट्रेस ने कहा कि इन सबके बीच उनकी नजर एक स्क्रिप्ट पर पड़ी, जो मुझमें गहराई से समा गई और इसने मेरे अंदर एक असाधारण प्रदर्शन देने की उत्सुकता जगा दी।निधि ने कहा, दक्षिण में दो नायकों और एक अन्य आशाजनक स्क्रिप्ट के साथ मैं सिनेमाई परिदृश्य में धूम मचाने के लिए तैयार हूं।

साई मांजरेकर ने इंस्टाग्राम पर शेयर की ब्लू बॉडीकॉन ड्रेस में तस्वीरें

भारतीय अभिनेत्री साई मांजरेकर ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह ब्लू बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और हल्का मेकअप किया है। तस्वीरों में वह अलग-अलग पोज दे रही हैं। साई मांजरेकर की इन तस्वीरों को उनके फैंस द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। कई फैंस ने उनके लुक की तारीफ करते हुए कमेंट किए हैं। एक फैन ने लिखा, आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं, तो दूसरे ने लिखा, आपकी ड्रेस बहुत प्यारी है।साई मांजरेकर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 1।9 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं।साई मांजरेकर एक भारतीय अभिनेत्री हैं जो हिंदी, मराठी और तेलुगु भाषा की फिल्मों में काम करती हैं। वह अभिनेता महेश मांजरेकर और मेधा मांजरेकर की बेटी है। उन्होंने दबंग 3 (2019) के साथ अभिनय की शुरुआत की, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला पदार्पण नामांकन के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

बॉक्स ऑफिस में लड़खड़ाई अजय देवगन की फिल्म मैदान

दो दिन में 10 करोड़ भी नहीं कमा पाई फिल्म

अजय देवगन की मैदान साल 2024 की मच अवेटेड फिल्म थी। मैदान के ट्रेलर में अजय देवगन की परफॉर्मेंस देखने के बाद फैंस का फिल्म के लिए एक्साइटमेंट लेवल काफी बढ़ गया था। ईद के मौके पर इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी और इसे अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां से क्लैश भी करना पड़ा। वहीं फिल्म लेकर जहां काफी हाईप था लेकिन मैदान की ओपनिंग काफी ठंडी रही। फिल्म ईद पर रिलीज होने के बावजूद 10 करोड़ भी नहीं कमा पाई। चलिए यहां जानते हैं अजय देवगन की फिल्म का दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर कैसा हाल रहादेश के बेहद फेमस फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीन की बायोपिक मैदान काफी उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स और तमाम सेलेब्स सहित ऑडियंस से भी अच्छा रिव्यू मिला लेकिन ये फिल्म दर्शकों को थिएटरों तक खींच नहीं पाई और और इसकी ओपनिंग निराशाजनक रही।अजय देवगन की इस फिल्म ने बुधवार को पेड प्रीव्यू और गुरुवार को थिएट्रिकल रिलीज के बाद 7.10 करोड़ का कलेक्शन किया। मैदान ने ईद पर रिलीज हुई अब तक की सभी फिल्मों में सबसे कम कमाई की है। वहीं अब मैदान की रिलीज के दूसरे दिन यानी

शुक्रवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मैदान ने रिलीज के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को 2.75 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ मैदान का दो दिनों का कुल कलेक्शन अब 9.85 करोड़ रुपये हो गया है।मैदान ने घरेलू बाजार में तो कुछ खास कमाल नहीं दिखाया हालांकि वर्ल्डवाइड अजय देवगन की इस फिल्म ने थोड़ा दम दिखाया। फिल्म के मेकर बोनी कपूर ने मैदान की पहले दिन की दुनियाभर में हुई कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं। इसके मुताबिक मैदान ने वर्ल्डवाइड 10.70 करोड़ से ओपनिंग की है। वहीं दूसरे दिन फिल्म के 15 करोड़ का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है।अजय देवगन की पिछली रिलीज शैतान ने पहले दिन 14.5 करोड़ कमाए थे तो दूसरे दिन 18.74 करोड़ की कमाई की थी। इसी के साथ शैतान ने दो दिनों में ही 33.5 करोड़ का कलेक्शन कर लिया था। वहीं 100 करोड़ के बजट में बनी मैदान बॉक्स ऑफिस पर काफी धीमी स्पीड से बढ़ रही है। फिल्म रिलीज के दो दिनों में भी घरेलू बाजार में 10 करोड़ का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है। ऐसे में फिल्म की परफॉर्मेंस को देखते हुए इसका अपनी लागत वसूलना काफी मुश्किल लग रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएं–गी। संबंधियों से आपको सहायता प्राप्त होगी।

आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाकई उनका ख़याल रखते हैं। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर टहलना पसंद करेंगे। ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। जिसे आप चाहते हैं, उसके साथ आपका तल्ख़ रवैया आपके रिश्ते में दूरी बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। क्योंकि आप किसी ख़ास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा करना फ़ायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। खाली समय में आज आप कोई उपन्यास अथवा कोई धार्मिक ग्रन्थ पढ के बोरियत को दूर कर सकते हैं । आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आज आप नए दोस्त बनाने में सफल साबित होगें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक़्क़ी भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आपका ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दुःखी कर सकता है, बल्कि संबंधों में दूरी भी पैदा कर सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। अगर आप सेमिनार और व्याख्यान आदि में शिरकत करेंगे, तो कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

सोमवार का पंचांग

दिनांक	: 15 अप्रैल 2024 , सोमवार
विक्रम संवत	: 2081
मास	: चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि	: सप्तमी दोपहर 12:14 तक
नक्षत्र	: पुनर्वसु रात्रि 03:06 तक
योग	: सुकर्मा रात्रि 11:07 तक
करण	: वणिज दोपहर 12:14 तक
चन्द्रराशि	: मिथुन रात्रि 08:39 तक
सूर्योदय	: 06:00 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय	: 06:07 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय	: 05:59 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय	: 05:52 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत	: 06:00 से 07:30
शुभ	: 09:00 से 10:30
चल	: 01:30 से 03:00
लाभ	: 03:00 से 04:30
अमृत	: 04:30 से 06:00
राहुकाल	: प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल	: पूर्व दिशा
उपाय	: दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष	:– कालरात्रि पूजन , भद्रा दोपहर 12:12 से रात्रि 12:43 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के सीकर में दर्दनाक हादसा

आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी कार, दो बच्चों समेत सात लोग जिंदा जले

सीकर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के फतेहपुर शेखावाटी में आशीर्वाद चौराहे के पास स्थित पुल पर रविवार दोपहर कार और ट्रक की टक्कर में कार सवार सात लोग जिंदा जल गए। कार में दो बच्चों और तीन महिलाओं सहित सात लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार पुल पर कार अपने आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद कार में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में आग ने कार को अपनी चपेट में ले लिया और कार में सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

पुलिस के मुताबिक कार सवार परिवार यूपी के मेरठ का रहने वाला था। मरने वालों में नीलम गोयल (55) पत्नी मुकेश गोयल,आशुतोष गोयल (35) पुत्र मुकेश गोयल निवासी शारदा रोड मेरठ, मंजू बिंदल (58) पत्नी नरेंद्र बिंदल, हार्दिक बिंदल (37) पुत्र नरेंद्र, स्वाति बिंदल (32) पत्नी हार्दिक, दीक्षा (7) पुत्री हार्दिक और दीक्षा की 4 साल की बहन शामिल है। हादसा आशीर्वाद पुलिया पर चढ़ते ही 200 मीटर पर हुआ। फतेहपुर कोतवाली एसएचओ सुभाष बिजारणिया ने बताया कि हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर फतेहपुर, रामगढ़ और लक्ष्मणगढ़ से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गई थी। करीब आधे घंटे में कार में लगी आग पर काबू पाया गया था। वहीं ट्रक में लगी आग पर शाम 4 बजे के करीब काबू पाया गया। हादसे की सूचना पर एसडीएम दमयंती कंवर, डीएसपी रामप्रताप बिश्नोई, फतेहपुर सदर एसएचओ मुनेशी मीणा भी मौके पर पहुंचीं।प्रत्यक्षदर्शी रामनिवास सैनी ने बताया– दोपहर करीब 2:30 बजे की बात है। मैं अपनी पिकअप गाड़ी की सर्विस करवाने के लिए पुलिया के पास सर्विस सेंटर पर जा रहा था। पुलिया के ऊपर से गुजर रहा था। तब मेरे पास से निकल रहे ट्रक को पीछे से आई कार ने ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान कार ट्रक से जा टकराई। मैंने अपनी गाड़ी साइड में खड़ी की। तुरंत कार की ओर दौड़ा पीछे बैठे दो लोग मदद की गुहार भी लगा रहे थे। गाड़ी के पीछे लगी गैस किट की टंकी की आग तेज हो गई। इसके बाद मैंने सूचना पुलिस को दी।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी का कांग्रेस पर तंज, कहा–

मोदी के सामने कांग्रेस को ढूंढें नहीं मिल रहे उम्मीदवार

करनाल, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को करनाल की पुरानी सब्जी मंडी शेड में बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने लोगों को बाबा साहब के जन्म दिन की बधाई देते हुए कहा कि कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं, सुबह जिसे तैयार करते हैं, शाम को वह मना कर जाता है। क्योंकि नरेंद्र मोदी के साढ़े नौ साल के कार्यकाल के कार्यो के आगे कांग्रेस के 55 साल का कार्यकाल कहीं ठहरता ही नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की केंद्र व राज्य की सरकार बाबा साहब डॉ.भीम राव अंबेडकर के बताए रास्ते पर चल रही है। बाबा साहब के बनाए संविधान के कारण ही हम सभी आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि इसमें महिलाओं, युवाओं, गरीबों, मजदूरों आदि समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। जो 2019 को संकल्प पत्र था, उसे पूरा करने के बाद उसके आगे की योजनाओं को लिया गया है, जबकि कांग्रेस ने 2009 के घोषणा पत्र को ही पूरा नहीं किया था। स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई की परिकल्पना पर दिल्ली–अमृतसर फोन लेन बनाया गया था लेकिन कांग्रेस के शासन में इसकी हालत खस्ता हो गई लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे पूरा किया है। इस मौके पर उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं व उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि आज करनाल विधान सभा क्षेत्र के चुनाव कार्यालय का भी शुभारंभ किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी नहीं तलाश पा रही है। जिसके कारण कांग्रेस के लोगों को उत्साह तो पहले से ही ठंडा पड़ चुका है। कांग्रेस की स्थिति ऐसे भंडारे जैसी है, जिसमें कोई अंदर जाता है तो अंदर पूड़ी खत्म हो चुकी होती है, जब बाहर आता है तो उसकी चप्पल चोरी हो चुकी होती है।

यह चुनाव राष्ट्रीय अस्मिता व गौरव का चुनाव : महिमा कुमारी

राजसमंद 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में राजसमंद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकसभा प्रत्याशी महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि लोकसभा चुनाव किसी व्यक्ति का चुनाव नहीं, यह राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का चुनाव है।

पूर्व मेवाड़ राजघराने की बहु महिमा कुमारी ने रविवार को संसदीय क्षेत्र में फरारा महादेव में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह सत्य और स्वाभिमान का चुनाव है। हमें सत्य का चुनाव करना है तभी श्रेष्ठ का चुनाव होगा। दशकों बाद इस देश के स्वाभिमान ने अपने गौरव का एहसास कराया है।

उन्होंने कहा कि हमें भाजपा को एक बार फिर से सत्ता में लाकर मोदीजी को प्रधानमंत्री बनाना है। भाजपा के लिए सत्ता सिर्फ सेवा का साधन मात्र है।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं है, लोकतंत्र का त्यौहार है जिसमें सभी को भाग लेकर मोदीजी के आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करना है। इससे पहले महिमा कुमारी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर 100फिट रोड़ स्थित उनकी आदम कद प्रतिमा पर पुष्प वर्षा कर जनसंपर्क का आगाज किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब भारतीय संविधान के शिल्पकार, आधुनिक भारत के चिंतक, समाज सुधारक और भारत रत्न थे।

इस अवसर जन प्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिरसा में 31हजार से अधिक की जुआ व सट्टा राशि सहित आठ लोग गिरफ्तार

सिरसा, 14 अप्रैल (एजेंसिया)। हरियाणा में सिरसा जिला की सीआईए स्टॉफ, सिरसा तथा स्पेशल स्टॉफ ,सिरसा व एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा की पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर जुआ व सट्टा खाई वाली करते हुए आठ लोगों को काबू कर उनके कब्जा से 31,145 रुपए की जुआ व सट्टा राशि बरामद की है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए की पुलिस टीम ने गश्त व चेकिंग के दौरान डिंग थाना क्षेत्र में मौजूद थी । इसी दौरान पुलिस पार्टी को महत्वपूर्ण सूचना मिली कि गांव कोटली क्षेत्र में कुछ लोग सार्वजनिक जगह पर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पाकर पुलिस पार्टी ने गांव कोटली में दबिश देकर 6 लोगों को 25 हजार 600 की जुआ राशि के साथ काबू कर लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान ओमप्रकाश पुत्र बुधराम, सुनील पुत्र रतनलाल ,राधेश्याम पुत्र मोहनलाल निवासी कोटली, नरेश कुमार पुत्र कृष्ण कुमार निवासी हुडा सेक्टर 20 सिरसा ,रमेश पुत्र हरिश्चंद्र निवासी गांव वेदवाला ढाणी व रविंद्र पुत्र बनवारी लाल निवासी सरस्वती कॉलोनी सिरसा के रूप में हुई है। वहीं स्पेशल स्टॉफ की एक टीम ने गांव शाहपुर बेगू से एक व्यक्ति को 3470 की सट्टा राशि के साथ काबू किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मनोज कुमार निवासी गांव शाहपुर बेगू के रूप में हुई है । जबकि एंटी नारकोटिक्स सेल ,सिरसा पुलिस टीम ने शिव चौक सिरसा क्षेत्र से रोशन पुत्र रामस्वरूप निवासी खालसा स्कूल वाली गली गुरु नानक नगर, सिरसा को सार्वजनिक जगह पर सट्टा खाई वाली करते हुए 2075 की सट्टा राशि के साथ काबू किया है ।

भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत का संकल्प पत्र : भजनलाल

जयपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणा पत्र (संकल्प पत्र) को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि यह विकसित भारत का संकल्प पत्र हैं जो गरीब, किसान, युवा एवं महिलाओं को समर्पित हैं।

श्री शर्मा ने घोषणा पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया में रविवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संकल्प पत्र जारी किया जो गरीब, किसान, युवा एवं महिला को सशक्त करने का संकल्प है। पिछले दस वर्ष में महिला गरीमा एवं इसके नये अवसरो को समर्पित किया गया है और महिला शक्ति की नई भागीदारी कैसे होगी यह इसके लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी यानी पूरा होने की गांरटी। उन्होंने संकल्प पत्र को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह विकसित भारत एवं देश को आगे बढाने एवं उसे सुरक्षित करने का संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गरीब कल्याण के तहत तीन करोड़ से ऊपर नये घर बनाने का काम किया जायेगा। उज्जवला योजना जारी रहेगी और इसके तहत पाइप लाइन से सस्ती दर पर गैस देने का काम भी होगा।

श्री शर्मा ने कहा कि 80 करोड़ लोगों को जो खाद्यान मिल रहा है वह आगे भी पांच साल तक मिलता रहेगा। इसी तरह मुद्रा योजना के तहत जो दस लाख रुपए का लोन मिलता था उसे बढ़ाकर उसकी सीमा 20 लाख रुपए तक कर दी जायेगी। 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग लोगों को आयुष्मान योजना में शामिल कर उनका पांच लाख रुपए तक निःशुल्क इलाज किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह राष्ट्रीय सहकारिता नीति लेकर आये हैं जिसके तहत डेयरी आदि की संख्या बढाई जायेगी। उन्होंने कहा कि जनता से जो वादे किए है उन्हें पूरा करने का काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह मोदी की गारंटी है और अभी बहुत कुछ करना है। उन्होंने संकल्प पत्र के लिए श्री मोदी सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं को बधाई दी है।

22 माह पहले लापता हुआ था किशोर, जोहड़ी से स्टेट क्राइम ब्रांच ने निकाला कंकाल

भिवानी, 14 अप्रैल (एजेंसिया)। जिले के तोशाम से करीब 22 माह पहले भेड़ बकरियां चराते समय लापता हुए 15 वर्षीय किशोर की हत्या और शव को खुर्द बुर्द किए जाने के मामले में स्टेट क्राइम ब्रांच की टीम ने एक नर कंकाल बरामद किया है। तोशाम पुलिस की मदद से स्टेट क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी की निशानदेही पर शनिवार देर शाम को झावरी से तोशाम मार्ग पर सापड़ी जोहड़ी के अंदर करीब डेढ़ से दो फूट की खोदाई कराकर कंकाल बरामद किया। जिसे लेकर जिला नागरिक अस्पताल पहुंची। रविवार दोपहर बाद कंकाल का मेडिकल परीक्षण कराया गया। जिसमें कंकाल की खोपड़ी के अलावा कुछ हिस्से भी गायब मिले। फिलहाल स्टेट क्राइम ब्रांच की टीम मामले की तहकीकात में जुटी है।

तोशाम निवासी जयकरण ने बताया कि उसके छोटे भाई जयकुमार की करीब 12 साल पहले मौत हो चुकी थी। जयकुमार के दो लड़के 15 साल का अंकित और 12 साल का अमित है। उसने बताया कि बड़ा बेटा अंकित छह हजार रुपये मेहनताना पर तोशाम के राजेश नामक व्यक्ति की भेड़ बकरियों को चराता था। जबकि छोटा बेटा अंकित फिलहाल आठवीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा है। गत 16 जुलाई 2021 को अंकित भेड़ बकरियों को लेकर गया था, लेकिन शाम को नहीं लौटा। इस पर राजेश ने तोशाम पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें राजेश ने अंकित के लापता होने के साथ–साथ करीब 23 भेड़ भी गायब होने की शिकायत दी थी। तोशाम पुलिस में अंकित के गुमशुदा होने की रपट भी दर्ज हुई थी। स्टेट क्राइम ब्रांच टीम को तोशाम का ही संजय हाथ लगा। जिसने पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में अंकित की हत्या और उसके शव को खुर्द बुर्द किए जाने की बातें बताई। जिसकी निशानदेही पर ही तोशाम पुलिस को साथ लेकर स्टेट क्राइम ब्रांच की टीम ने झावरी तोशाम मार्ग स्थित सापड़ी जोहड़ी में करीब डेढ़ से दो फुट का गड्ढा खोदकर एक नर कंकाल बरामद किया।

अजमेर में पिकअप से 26 पेटी शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

अजमेर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के निकटवर्ती पुष्कर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक पिकअप वाहन से 26 पेटी शराब बरामद कर तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार लोकसभा चुनाव आदर्श आचार संहिता की पालना में चलाये जा रहे जांच अभियान के तहत बीती रात सूचना के बाद शराब तस्करों का पीछा करते हुए आज सुबह तीन बजे कड़ैल पेट्रोल पंप के पास से एक पिकअप से 26 पेटी शराब बरामद की जो नागौर ले जाई जा रही थी। प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी कांबले शरण गोपीनाथ ने बताया कि अवैध शराब का परिवहन सूचना पर एक पिकअप से अवैध शराब बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया तथा एक भागने में सफल रहा, जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि बरामद अवैध शराब में अलग–अलग ब्रांड का माल है। गिरफ्तार आरोपी नरेंद्र, विक्रम और भगवान हैं। वहीं कड़ैल का अजय भागने में सफल रहा। पुलिस ने पिकअप एवं एक मारूति को भी जब्त किया है।

मोदी की गारंटी बीजेपी का घोषणा पत्र: नरेंद्र मोदी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया कि मोदी की गारंटी बीजेपी का घोषणापत्र है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रविवार को उन्होंने मैसूरु में 'विकसित भारत की विजय संकल्प' से जुड़ी एक विशाल जनसभा में हिस्सा लिया।

इसके जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने मैसूर के महाराजा कॉलेज मैदान में आयोजित खुली सभा में एनडीए पार्टी के चुनाव अभियान की आधिकारिक शुरुआत की। उन्होंने स्पष्ट किया कि 3 करोड़ नए मकानों का निर्माण, गरीबों को 5 साल तक मुफ्त राशन, 70 साल से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त इलाज और 3 करोड़ महिलाएं करोड़पति बनेंगी। घोषणापत्र भविष्य में होने वाले बदलाव का खुलासा करता है।

एक्सप्रेस-वे, जलमार्ग, वायुमार्ग से भारत दुनिया का विकसित देश बनेगा। भारत तकनीक के लिए दूसरे देशों की ओर देखता था। अब चांद पर लैंडिंग भी हमारी हो चुकी है। उन्होंने आशा के साथ कहा कि वे कम कीमत पर दवाएं और कम कीमत पर वाहन का उत्पादन करने जा रहे हैं। कर्नाटक देश का आईटी और टेक्नोलॉजी हब है। उन्होंने कहा कि इन सबका सबसे ज्यादा फायदा यहां के युवाओं को मिलेगा। कन्नड़ को पहचान मिलेगी। हमने विकास की गारंटी भी दी है। उन्होंने बताया कि मैसूर, हम्पी, बादामी और अन्य क्षेत्रों को पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यह सब होने के लिए बीजेपी-एनडीए अपरिहार्य है। एनडीए जो कहता है वो करता है। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 का खात्मा, तीन तलाक का खात्मा, महिलाओं के लिए आरक्षण, राम मंदिर का निर्माण- हमने ये काम करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट से मोदी की गारंटी की ताकत बढ़ेगी। देवेगौड़ा, येदियुरप्पा, कुमारस्वामी का नेतृत्व हमारे पास है। उन्होंने सत्तूर मठ, कवि कुवेम्पु, मार्शल करियप्पा की सेवा को याद किया। यह उन लोगों की भूमि है जो अपने बच्चों को देश सेवा में भेजने का सपना देखते हैं। लेकिन, कांग्रेस पार्टी टुकड़े-टुकड़े गैंग का हिस्सा है। यह देश को बांटने वाली पार्टी है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस भारत विरोधी बातें करने वालों को टिकट देती है।

क्या करेंगे मुकेश सहनी? वीआईपी के नेताओं ने जदयू में जानें को लगाई लाइन

पटना (एजेंसियां)।
विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी महागठबंधन में जाकर तेजस्वी के साथ मिल गये।

मुकेश सहनी के इस फैसले से वीआईपी के कई नेता इस बात से नाराज हो गये और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जाकर उनलोगों ने मुलाकात की। इतना ही नहीं वीआइपी पार्टी के नता और कार्यकर्त्ता सहित मछुआरा समाज से आने वाले कांग्रेस एवं राजद के कई नेता भी उनके साथ शामिल हो गये। नीतीश कुमार से मिलने के बाद उनलोगों ने कहा कि हमलोगों को आपकी नीति एवं आपके कार्यों में आस्था है इसलिए हमलोग विकासशील इंसान पार्टी को छोड़कर जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण करना चाहता हूं।

इस मौके पर जदयू के राष्ट्रीय महासचिव सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा और बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे।

जदयू की सदस्यता ग्रहण करने वालों में वीआईपी के प्रदेश महासचिव अमरेंद्र सिंह मुन्ना, पार्टी के कटिहार जिलाध्यक्ष सुनील चौधरी निषाद, भागलपुर जिला सचिव शिव सिंह निषाद, युवा वीआईपी के प्रदेश महासचिव शैलेंद्र सिंह निषाद, मछुआरा कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुंदर सहनी, मुजफ्फरपुर के कांग्रेस नेता प्रिंस कुमार चौधरी, वैशाली के राजद नेता गरीबन सहनी सहित निषाद समाज के 50 से अधिक नेता और कार्यकर्ता शामिल हैं।

बम फटने के मामले में पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

बांका (एजेंसियां)।
बांका के धोरैया थाना क्षेत्र में बम फटने मामले में दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी में मोहम्मद इस्माइल और नूर मोहम्मद शामिल है। एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने बताया कि शुक्रवार को अहिरो गांव में मकसूद मोहल्ला स्थित मोहम्मद इस्माइल अंसारी के घर के पास चार बच्चे खेल रहे थे।

इस दौरान बम फटने से चारों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद सभी को धोरैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को फिर भागलपुर के मायागंज अस्पताल में रेफर किया गया। मायागंज अस्पताल में इलाज के दौरान 8 साल के कुर्बान और 5 साल के सनिउल्लाह की मौत हो गई। इसके अलावा बाकी दो बच्चों का इलाज चल रहा है। मामले में 5 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसी में दो की गिरफ्तारी हुई है। है।

सरकारी नौकरी और ढेरों एलआईसी पॉलिसी कराना जिंदगी पर पड़ा भारी

शिक्षक की मौत पर भाई ने वजह बताई

पटना (एजेंसियां)।
जहानाबाद में सरकारी स्कूल के शिक्षक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शिक्षक अपने ससुराल आए थे। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही शिक्षक के परिजन मौके पर पहुंचे और हंगामा करने लगे। परिजनों ने जमकर बवाल किया। परिजनों का आरोप है कि शिक्षक की हत्या कर दी गई है। वहीं मृत शिक्षक के ससुराल वालों का कहना है कि उसकी मौत बीमारी के कारण हो गई है। मृत शिक्षक की पहचान दुल्हिनबाजार के एनखा गांव निवासी बैजनाथ प्रसाद गुप्ता के रूप में हुई। उनका ससुराल जहानाबाद जिला मुख्यालय स्थित बड़ी संगत पर है।

ससुराल वालों का कहना है कि शिक्षक बैजनाथ गुप्ता पिछले कई दिनों से मानसिक बीमारी से पीड़ित थे। उनका कई जगहों पर इलाज भी कराया गया। वह अपने ससुराल एक दिन पूर्व इलाज के लिए आए थे। इसी बीच शुक्रवार देर रात्रि में उनकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनते शिक्षक के परिजन जहानाबाद पहुंचे। इसके बाद हमलोगों पर शिक्षक की हत्या उनके पैसे हड़पने के नियत से करने का आरोप लगाने लगे। वहीं मृत शिक्षक के परिवार वालों का कहना है कि बैजनाथ प्रसाद गुप्ता ने एलआईसी की पॉलिसी और कई पॉलिसी करवा कर रखा। आकस्मिक मृत्यु पर उनके आश्रितों को इसका लाभ मिलता। परिवार वालों ने आरोप लगाया कि इसी पॉलिसी के रुपये को पाने के लिए ससुराल वालों ने शिक्षक की हत्या कर दी गई।

वहीं शिक्षक के ससुराल वालों का कहना है कि पिछले कई महीने से वह बीमारी से ग्रसित थे।रांची पटना एवं जहानाबाद में उनका इलाज कराया गया।

वाहन में तहखाना बनाकर झारखंड से लाई जा रही थी अंग्रेजी शराब, पुलिस जांच में बड़ी खेप बरामद

मुंगेर (एजेंसियां)।
बिहार के मुंगेर में लोकसभा चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। अब पुलिस जगह-जगह वाहन जांच कर रही है। इसी सिलसिले में शनिवार को नयारामनगर थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यहां पुलिस द्वारा वाहन रोककर जांच की जा रही थी। इस दौरान पुलिस ने एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की खेप बरामद की है। अवैध शराब की यह खेप झारखंड से लाई जा रही थी।

दरअसल, शनिवार को नयारामनगर थाना पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। तभी एक पिकअप वाहन बरियारपुर की ओर से आ रहा था। चालक ने पुलिस को देखा तो वाहन को सड़क पर ही छोड़ कर भागने लगा। उसके बाद पिकअप वाहन की जांच की गई तो पुलिस के होश उड़ गए। वाहन की ड्राइवर सीट और डाला के बीच में एक लोहे की चादर का तहखाना बनाया गया था। ऊपर से दूसरी चादर लगाकर उसे वेल्डिंग किया हुआ था, ताकि अगर पुलिस जांच भी करे तो संदेह न हो। हालांकि पुलिस ने वाहन के तहखाने से अंग्रेजी शराब के 44 कार्टन बरामद किए हैं।

थानाध्यक्ष विनोद कुमार झा ने बताया कि बरामद की गई अंग्रेजी शराब 396 लीटर है। उन्होंने बताया कि वाहन से दो नंबर प्लेट मिली हैं, जिनमें अलग-अलग नंबर हैं। उन्होंने कहा कि पिकअप वाहन से जो दो नंबर प्लेट मिली हैं, उनकी जांच कर वाहन मालिक का पता लगाया जा रहा है। इन दोनों नंबर प्लेट में से कौन फर्जी नंबर है, इसकी भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि बरामद शराब झारखंड निर्मित है और चालक और वाहन मालिक का पता किया जा रहा है।

पीएम और सीएम पर बरसे तेजस्वी, कहा-

भाजपा के घोषणा पत्र में न तो नौकरी और न पलायन का कोई जिक्र

गया (एजेंसियां)।
गया जिले के औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत इमामगंज विधानसभा क्षेत्र के जमुना मैदान और गया लोकसभा क्षेत्र के वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र में राजद नेता तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव के निशाने पर पीएम नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रहे।

साथ ही एनडीए घटक दलों के नेताओं पर जमकर बरसे। एनडीए के गढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने चिलचिलाती धूप में नौजवानों को खड़ा देख सभी लोगों के जज्बे को सलाम किया। तेजस्कवी यादव ने कहा कि अभय कुशवाहा को लालू जी ने लालटेन थमाया है, इसलिए आपलोग इनको जीत हासिल करवाईये।

तेजस्वी यादव भाषण देते हुए ने एनडीए पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि 18 साल से एमपी एनडीए का है। उन्होंने क्या काम किया है आपके लिए। यह आपको विचार करना है। इन क्षेत्रों में लगातार आप देखेंगे विधायक भी एनडीए का, सांसद भी एनडीए का,

प्रधानमंत्री भी एनडीए का, मुख्यमंत्री भी 18 साल से एनडीए का ही है। आपके इमामगंज की गरीबी और बेरोजगारी के लिए क्या-क्या किया। महंगाई क्यों नहीं कम किया।

तेजस्वी यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अभी देख रहे हैं कि खेत में फसल लगा हुआ है। कटनी शुरू है, लेकिन किसानों को सही फसल का दम नहीं मिलता है। आज आप लोग जानते हैं बाबा साहब अंबेडकर जी का जयंती है। यह देश बनाने, गांव संवारने और लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। भाजपा के लोग लोकतंत्र की हत्या कर संविधान को बदल देना चाहते हैं। आपके अधिकार को छिनना चाहते हैं। आज भाजपा ने घोषणा पत्र जारी किया है लेकिन बिहार के लिए कुछ नहीं था। भाजपा के घोषणा पत्र में बिहार के नौजवानों के लिए नौकरी का जिक्र भी नहीं था। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार से पलायन कैसे रुकेगा, इसका भी जिक्र नहीं था।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं इसी मैदान में पिछली बार 2020 में आया था। तब हमने कहा था कि एक मौका दीजिए। तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाइएगा तो 10 लाख लोगों को नौकरी देंगे। चाचा जी के लिए हमारी शुभकामनाएं है, वह जहां रहे स्वस्थ रहें, अच्छे से रहे। हमे 17 महीने के लिए उपमुख्यमंत्री बनाया। 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाए। लेकिन 5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का काम किया। चाचा जी पलट गए नहीं तो अभी तक 10 लाख सरकारी नौकरी लोगों को दे देते। 17 महीना में हम लोगों ने काम किया है। हम 17 माह सेवा करने का मौका मिला तो रात-रात भर घूम के छापा मारते थे। अस्पताल में कोई डॉक्टर आ रहा है कि नहीं, इलाज कर रहा है कि नहीं, दवा मिल रहा है कि नहीं, साफ सफाई है कि नहीं, इस तरह काम किया है।

गया लोकसभा सीट से एनडीए घटक दल हम पार्टी के प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और राजद प्रत्याशी सह बोधगया विधायक पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत के बीच और औरंगाबाद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सुशील सिंह और राजद प्रत्याशी पूर्व विधायक अभय कुशवाहा के बीच कांटे की टक्कर है। इन क्षेत्रों में पहले फेज 19 अप्रैल को मतदान होना है।

विपक्ष अग्निवीर योजना खत्म करके रोजगार देगा? यह मुंगेरीलाल के हसीन सपने के बराबर: गिरिराज सिंह

बेगूसराय (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र जारी करने पर बेगूसराय के एनडीए प्रत्याशी गिरिराज सिंह ने केंद्रीय नेतृत्व की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा एक तरफ जहां देश के विकास पर जोर दिया गया है, वहीं विरासत को संभालने की भी बात कही गई है। घोषणा पत्र में गरीबों के उत्थान से लेकर युवाओं के रोजगार और युवाओं के विकास के बारे में दूरदर्शी योजनाओं पर जोर दिया गया है।

भाजपा नेता गिरिराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलने वाली सरकार ने एक तरफ जहां महिलाओं को विभिन्न रूपों में विकसित किया है। मसलन जीविका के माध्यम से या अन्य किसी स्रोत से तो वहीं अग्निवीर जैसी योजनाओं को लाकर युवाओं को भी आत्मनिर्भर बनाया है।

आज तेजस्वी और राहुल गांधी जैसे नेता अग्निवीर योजना समाप्त करने की बात कर रहे हैं तथा रोजगार देने की बात कर रहे हैं। यह मुंगेरीलाल के हसीन सपनों के बराबर है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां हमारी सरकार गरीबों तक मुफ्त अनाज पहुंचा रही है और अगले पांच साल भी मुफ्त में ही अनाज देने का वादा किया है। वहीं, हम परमाणु के क्षेत्र में भी विकास कर रहे हैं। हमारे घोषणा पत्र में भी यह शामिल है।

कांग्रेस के द्वारा उठाए गए सवाल कि घोषणा पत्र में राम मंदिर का जिक्र नहीं है, के जवाब में उन्होंने कहा कि राम मंदिर तो बन गया और राम मंदिर कोई मुद्दा नहीं था, वह हमारा संकल्प था। उन्होंने ज्ञानवापी के संबंध में भी कहा कि हम अपनी सभी विरासत को संभालने का काम करेंगे और आने वाले दिनों में हम पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। वर्ष 2047 तक हमारा लक्ष्य है कि ऊर्जा के क्षेत्र में भी हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जाएं।

आने वाले दिनों में सोलर एनर्जी के माध्यम से हर घर को बिजली मुहैया कराने की भी योजना है, जिससे कि शून्य कीमत में लोगों को बिजली भी मिल सके। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बेगूसराय से एनडीए के उम्मीदवार हैं और चुनाव प्रचार के दौरान लगातार क्षेत्र में लोगों से जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com